राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 25
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 10 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास फंड के 1760 करोड़ रुपए के बकाए समेत पंजाब के लिए 2800 करोड़ का लाभ यकीनी बनाया

पेज 5 अमरोहा में 61 गोवंश की मौत का आरोपी 50 हजार का इनामी गिरफ्तार, पूछताछ में जुटे अफसर

पेज 7 बांग्लादेशी बंदरगाहों से पूर्वोत्तर राज्यों में सामान भेजेगा भारत, पहला जहाज मोंगला पहुंचा

तेलंगाना में भाजपा नेता का शव पंखे से लटका मिला: मौत की वजह साफ नही

शुरुआती जांच में पुलिस आत्महत्या मान रही

तेलंगाना । तेलंगाना के एक भाजपा नेता गनानेंद्र प्रसाद (45) का शव सोमवार को हैदराबाद स्थित उनके पेंटहाउस में मिला। प्रसाद के पर्सनल असिस्टेंट ने उन्हें पंखे से लटका पाया। शुरुआती जांच में पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है। हालांकि, उनके पास से किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही अब तक आत्महत्या करने के पीछे के कारणों का पता चल पाया है।

दरवाजा खटखटाया लेकिन जवाब नहीं मिला

जानकारी के मुताबिक, मौत से पहले भाजपा नेता ने अपने क्रू से कहा था कि वे आराम करना चाहते हैं, इसलिए उन्हें कोई डिस्टर्ब न करे। वह अपने कमरे में चले गए और काफी देर तक बाहर नहीं निकले। इस पर उनके क्रू ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद क्रू ने कमरे की खिड़की को तोड़कर अंदर देखा तो प्रसाद का शव पंखे से लटका मिला।

पुलिस ने बताया, सोमवार सुबह सूचना मिली कि मियापुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने खुदकुशी की है। तुरंत एक टीम को मौके पर भेजा गया, जहां भाजपा नेता का शव पंखे से लटका मिला। उनके शव को नीचे उतारा गया और पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल भेजा गया।

कुछ दिन पहले हुआ था प्रसाद का एक्सीडेंट

गनानेंद्र प्रसाद सरलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी की स्टेट एग्जीक्यूटिव कमेटी के मेंबर थे। पुलिस ने बताया कि भाजपा नेता प्रसाद का कुछ दिन पहले एक्सीडेंट हुआ था। इसमें उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चला है, लेकिन वह पिछले कुछ दिनों से भाजपा नेता अपने पेंटहाउस में ही रह रहे था। पुलिस ने प्रसाद के परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है।

कर्नाटक में भाजपा नेता की हत्या

हाल ही में कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में भाजपा नेता प्रवीण नेट्टार की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। प्रवीण भाजपा युवा मोर्चा के जिला सचिव थे। इसके बाद राज्य में भारी बवाल मचा था। अब इस मामले में केंद्रीय एजेंसी इस जांच कर रही है।

आज शपथ लेंगे नीतीश कुमार

7 पार्टियों के 164 विधायकों के समर्थन का दावा, राजद को मिलेगी डिप्टी सीएम की कुर्सी

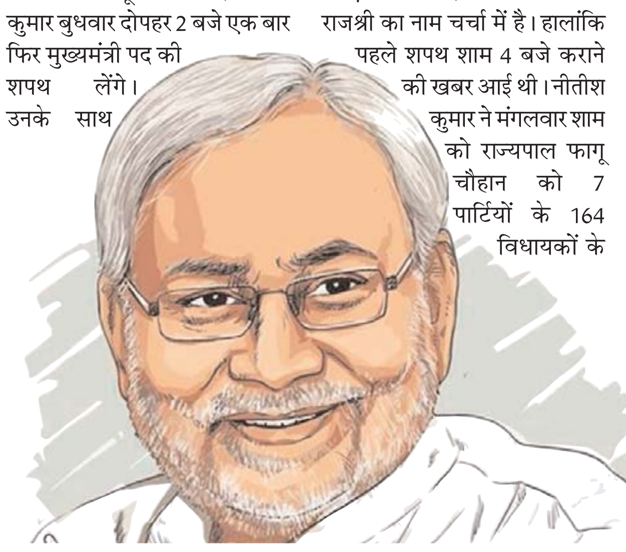

पटना। बिहार में भाजपा और जेडीयू का गठबंधन टूटने के बाद नीतीश कुमार बुधवार दोपहर 2 बजे एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री भी शपथ लेंगे। इसके लिए तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी राजश्री का नाम चर्चा में है। हालांकि पहले शपथ शाम 4 बजे कराने की खबर आई थी। नीतीश कुमार ने मंगलवार शाम को राज्यपाल फागू चौहान को 7 पार्टियों के 164 विधायकों के समर्थन की चिट्ठी सौंपी थी।

नीतीश के साथ तेजस्वी यादव भी राजभवन में मौजूद थे। सरकार बनाने का दावा पेश करने के बाद दोनों ने राजभवन में ही प्रेस कॉन्फ्रेंस की। तेजस्वी बोले और भाजपा पर खूब बरसे। तेजस्वी ने कहा- भाजपा का कोई गठबंधन सहयोगी नहीं है, इतिहास बताता है कि भाजपा उन दलों को खत्म कर देती है जिनके साथ वह गठबंधन करती है। हमने देखा कि पंजाब और महाराष्ट्र में क्या हुआ।

पहली बार में 160 विधायकों के समर्थन की चिट्ठी दी थी

सीएम नीतीश कुमार ने मंगलवार शाम 4 बजे राज्यपाल फागू चौहान को अपना इस्तीफा सौंपा था। उस समय नीतीश ने 160 विधायकों के समर्थन की बात कहते हुए सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

इसके बाद वे राबड़ी देवी के आवास पहुंचे, जहां उन्हें महागठबंधन का नेता चुना गया। यहां जीतन राम मांझी की पार्टी HAM भी नीतीश के साथ आ गई। उसके पास 4 विधायक हैं। इसके बाद नीतीश और तेजस्वी एक बार फिर राज्यपाल से मिले।

नीतीश के इस कदम के बाद भाजपा और जदयू का 2020 में बना गठबंधन टूट गया है।

इस्तीफा सौंपने के बाद नीतीश ने राजभवन में कहा था कि पार्टी के विधायकों और सांसदों ने एक स्वर में NDA से गठबंधन तोड़ने की बात कही है।

रविशंकर प्रसाद बोले- नीतीश कुमार ने धोखा दिया

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नीतीश कुमार पर धोखा देने का आरोप लगाया। प्रसाद ने पूछा- 2020 में नीतीश भाजपा के साथ क्यों थे। इसके बाद 2017 में भी वे साथ आए। 2019 में लोकसभा और 2020 में विधानसभा चुनाव भी मिलकर लड़ा। अब ऐसा क्या हुआ जो हम खराब हो गए। भाजपा ने मंगलवार शाम को ही कोर ग्रुप की मीटिंग भी बुलाई।

महाराष्ट्र में 18 मंत्रियों ने ली शपथ

भाजपा और शिंदे गुट से 9-9 मंत्री बने; मंत्रिमंडल में लोढा सबसे अमीर

राधाकृष्ण विखे पाटील (भाजपा) शिर्डी से विधायक

सुधीर मुनगंटीवार (भाजपा), बल्लारपुर से विधायक

चंद्रकांत पाटील (भाजपा), कोथरूड से विधायक

दादा भुसे (शिंदे गुट), मालेगांव बाह्य से विधायक

संजय राठोड (शिंदे गुट), दिग्रास से विधायक

सुरेश खाडे (भाजपा) मिरज से विधायक

विजयकुमार गावित (भाजपा), नंदुरबार से विधायक

गिरीश महाजन (भाजपा), जामनेर से विधायक

गुलाबराव पाटील (शिंदे गुट), जलगांव ग्रामीण से विधायक

संदीपान भुमरे (शिंदे गुट), पैठण से विधायक

उदय सामंत (शिंदे गुट), रत्नागिरी से विधायक

तानाजी सावंत (शिंदे गुट), परांडा से विधायक

रवींद्र चव्हाण (भाजपा), डोंबिवली से विधायक

अब्दुल सत्तार (शिंदे गुट), सिल्लोड से विधायक

दीपक केसरकर (शिंदे गुट), सावंतवाडी से विधायक

अतुल सावे (भाजपा) औरंगाबाद (पूर्व) से विधायक

शंभुराज देसाई (शिंदे गुट) पाटण से विधायक

मंगल प्रभात लोढा (भाजपा) मालाबार हिल से विधायक

एजेंसी

मुंबई। एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के 39 दिन बाद मंगलवार को महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल का गठन हो गया। 50-50 फॉर्मूले के तहत दोनों ओर से 9-9 विधायक मंत्री बनाए गए। सबसे पहले भाजपा के राधाकृष्ण विखे पाटिल ने शपथ ली। नए मंत्रिमंडल में भाजपा के प्रभात लोढा सबसे अमीर हैं, जबकि मुख्यमंत्री खुद सबसे कम 10वीं पास हैं।

नए मंत्रियों में से 70 प्रतिशत दागी, सभी करोड़पति

शिंदे की नई टीम में सभी मंत्री करोड़पति हैं। सबसे अमीर मालाबार हिल्स से भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढा हैं।

सबसे कम यानी 2 करोड़ की प्रॉपर्टी पैठण सीट से विधायक संदीपान भुमरे के पास है। कैबिनेट में 12 ऐसे मंत्री हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से कुछ पर गंभीर धाराएं भी लगी हैं।

चुनावी हलफनामे के मुताबिक, मुख्यमंत्री शिंदे पर 18 और उप मुख्यमंत्री पर 4 क्रिमिनल केस दर्ज हैं।

मुख्यमंत्री सबसे कम पढ़े-लिखे

नई कैबिनेट में एक मंत्री 10वीं और 5 बारहवीं पास हैं। इनके अलावा एक इंजीनियर, 7 ग्रेजुएट, 2 पोस्ट ग्रेजुएट और एक डॉक्टरेट की उपाधि ले चुके हैं।

बीजेपी के विधायक सुरेश खाडे सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे हैं। सीएम शिंदे भी 10वीं पास हैं और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने ग्रेजुएशन किया है।

मंगल प्रभात लोढा के पास 441 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति

मंत्री मंगल प्रभात लोढा पेशे से बिल्डर हैं। चुनावी हलफनामे के मुताबिक, उनके पास 441 करोड़ रुपए से अधिक की चल-अचल संपत्ति है। इनमें से 252 करोड़ रुपए से अधिक की चल संपत्ति और करीब 189 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। 14 लाख रुपए की जगुआर कार, बॉन्ड और शेयर में अन्य निवेश हैं। लोढा के पास दक्षिण मुंबई में पांच फ्लैट हैं। राजस्थान में एक प्लॉट और उनकी पत्नी के पास मालाबार हिल्स इलाके में एक मकान है। हलफनामे के मुताबिक, लोढा पर पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। वे छह बार विधायक रहे हैं।

राकांपा का कमेंट : महिलाओं को जगह नहीं दी

शिंदे मंत्रिमंडल का गठन होने के बाद इस पर पहली प्रतिक्रिया राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से आई है। पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा- एकनाथ शिंदे ने अपने मंत्रिमंडल में आधी आबादी यानी महिलाओं को जगह नहीं दी है। यह बहुत गलत है। आदित्य ठाकरे के करीबी आनंद दुबे ने भी महिला को मंत्री नहीं बनाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, सरकार का कहना है- सबका साथ, सबका विकास, लेकिन हमारी आधी आबादी के साथ सौतेला व्यवहार करती है।

युवा कांग्रेस ने मनाया 62वां स्थापना दिवस

नयी दिल्ली। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को यहां संगठन का 62वां स्थापना दिवस मनाया और आजादी गौरव यात्रा का आयोजन किया। युवा कांग्रेस के देशभर से आए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने यहां संगठन के मुख्यालय पांच रायसीना रोड से जंतर-मंतर तक आजादी की गौरव यात्रा निकाली जिसमें युवा कांग्रेस के देशभर से आये कार्यकर्ता शामिल हुए। इस मौके पर युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने कहा कि युवा कांग्रेस की नींव पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रखी थी। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें इस बात पर फक्र महसूस होता है कि जिस सेवा और समर्पण के उद्देश्य के साथ इस संगठन की स्थापना हुई वह उस संगठन को आगे बढ़ाने का दायित्व निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस हर राज्य में अपना स्थापना दिवस मना रही है।

सीतामढ़ी से पाकिस्तानी युवती पकड़ाई : 2 युवकों के साथ कर रही थी भारत-नेपाल बॉर्डर क्रॉस

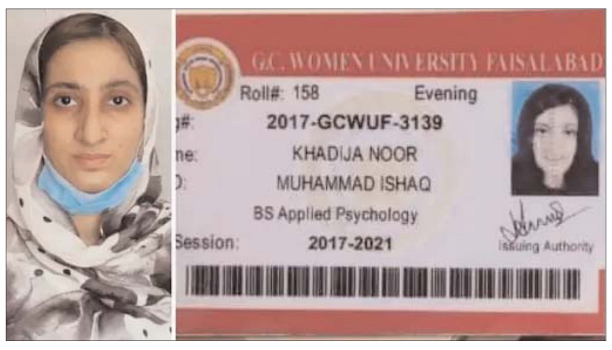

सीतामढ़ी। सीतामढ़ी में दो माह पहले चीनी नागरिकों के पकड़े जाने के बाद अब एक पाकिस्तानी महिला को भारतीय सीमा में घुसते हुए पकड़ा गया है। उसके साथ दो और लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें एक नेपाली हिंदू और एक भारतीय मुस्लिम शामिल है। इन सभी को स्क्रू ने हिरासत में लिया है और इनसे पूछताछ की जा रही है।

मामला भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सुरसंड थाना क्षेत्र के भिट्ठामोड़ बॉर्डर का है। सोमवार की शाम नेपाल की ओर से तीनों भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। इसी क्रम में संदेह के आधार पर भिट्ठामोड़ स्क्रू चेकपोस्ट के नजदीक गश्त कर रहे जवानों ने उन्हें पूछताछ के लिए रोक दिया।

जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी महिला फैसलाबाद इलाके की रहने वाली 24 वर्षीया खदीजा नूर है। उसके पास से कॉलेज का एक आई कार्ड बरामद किया गया है। युवती के साथ पकड़े गए युवकों में एक हिंदू नेपाली नागरिक व दूसरा भारतीय मुस्लिम नागरिक होने की बात कही जा रही है।

मामले की जानकारी मिलते ही सीतामढ़ी के SP हर किशोर राय भिट्ठामोड़ पहुंचे और सभी से पूछताछ की है। स्क्रू के DIG भी देर रात तक सीतामढ़ी पहुंचे हैं। फिलहाल सभी को स्क्रू कैंप में रखा गया है, जहां अधिकारी उनसे गहन पूछताछ कर रहे हैं।

बता दें कि बीते 11 जून को भिट्ठामोड़ बॉर्डर से ही दो चीनी नागरिकों को स्क्रू ने हिरासत में लिया था। यह लोग दिल्ली से आकर नेपाल के रास्ते चीन जाने की कोशिश में लगे थे।

देश में कोरोना टीकाकरण की संख्या 206.88 करोड़

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों में मंगलवार सुबह तक 31,95,034 लोगों का टीकाकरण किया गया। इसी के साथ अब तक कुल 206.88 करोड़ से अधिक टीके लगाये जा चुके हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 12,751 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 44,174,650 हो गयी। कोरोना संक्रमण से 16,412 मरीजों के स्वस्थ होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या 4,35,16,071 हो गयी है। जबकि इसके संक्रमण से 32 मरीजों की जान जाने से मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 526772 हो गयी है। इसी बीच, सक्रिय मामलों की संख्या 3703 घटने से इनकी कुल संख्या 131807 रह गयी है। देश में सक्रिय मामलों की दर 0.30 प्रतिशत है, जबकि रिकवरी दर 98.51 और मृत्यु दर 1.19 फीसदी पर बरकरार है।

देश में पिछले 24 घंटे में 3,63,855 कोविड परीक्षण किए गये हैं तथा अब कुल 87.85 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए जा चुके हैं।

कर्नाटक में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 646 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 11252 रह गई है। इस दौरान 1662 लोगों के ठीक होने से इस बीमारी निजात पाने वाले लोगों 3969691 पहुंच गयी है और इस महामारी से तीन और लोगों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 40163 हो गया है।

इसके बाद राजधानी दिल्ली में कोरोना के 561 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 7484 रह गई है। इस दौरान 1927 लोगों के ठीक होने से इस बीमारी निजात पाने वाले लोगों 1937079 पहुंच गयी है और इस महामारी से छह और लोगों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 26336 हो गया है।

पश्चिम बंगाल में कोरोना सक्रिय मामले 545 घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 7302 रह गयी है और इससे निजात पाने वालों की संख्या 2070731 हो गयी है। इस महामारी से पांच और मरीजों की जान जाने से अभी तक राज्य में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 21400 हो गया है। तमिलनाडु में इसी अवधि में कोरोना 481 सक्रिय मामले घटकर 9408 रह गये हैं और इससे निजात पाने वालों की संख्या 3506229 हो गयी है। राहत की बात यह रही कि इस अवधि में कोरोना संक्रमण से किसी की मौत नहीं होने से राज्य में मृतकों का आंकड़ा 38033 पर स्थिर रहा। केरल में पिछले 24 घंटे में 477 कोरोना सक्रिय मामले कम से इनकी संख्या घटकर 10179 रह गयी है और इससे निजात पाने वालों की संख्या 6650001 हो गयी है। इस अवधि में किसी मरीज की मौत नहीं होने से मृतकों का आंकड़ा 70582 पर बरकरार है।

देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 443 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 5440 हो गये हैं। इस दौरान 288 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 2079670 तक पहुंच गयी है।

लोगों और सरकारों के बीच निरंतर संवाद की आवश्यकता : नायडू

एजेंसी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने लोगों और सरकारों के बीच निरंतर संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा है कि नीति निर्माण तथा कार्यान्वयन लोगों की भागीदारी के साथ दोतरफा प्रक्रिया होनी चाहिए।

श्री नायडू ने मंगलवार को वर्ष 2018 और 2019 बैच के भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि नागरिक केंद्रित तथा उत्तरदायी शासन के लिए लोगों और सरकारों के बीच निरंतर संवाद की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नीति निर्माण एवं क्रियान्वयन दोतरफा प्रक्रिया होनी चाहिए जिसमें हर स्तर पर लोगों की भागीदारी हो सके।

श्री नायडू ने सरकारों और नागरिकों के बीच की खाई को पाटने में संचार की भूमिका पर कहा, लोकतंत्र में, लोगों को सरकार की नीतियों और योजनाओं के बारे में उनकी मातृभाषा में समय पर जानकारी के माध्यम से सशक्त बनाने की आवश्यकता है। दूसरी ओर, सरकारों को भी एक उद्देश्य एवं समयबद्ध तरीके से लोगों की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं से अवगत कराने की आवश्यकता है।

स्वच्छ भारत मिशन का उल्लेख करते हुए श्री नायडू ने कहा कि किसी भी सुधार की सफलता लोगों के सहयोग पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि लोग एक पहल को बेहतर ढंग से समझेंगे और उसका समर्थन करेंगे जब वे शुरू से ही इसकी योजना और कार्यान्वयन रणनीति में शामिल होंगे।

उन्होंने भारत को विश्व का सबसे बड़ा संसदीय लोकतंत्र बताते हुए कहा कि किसी भी सुधार प्रक्रिया का उद्देश्य लोगों के जीवन को सुखी और समृद्ध बनाना होना चाहिए। इसलिए, सभी सरकारी नीतिगत उपायों को ध्यान लोगों के जीवन में स्थायी खुशी लाने पर होना चाहिए।

महिला से मारपीट

मेरठ से एसटीएफ ने किया था गिरफ्तार; आज जमानत याचिका पर सुनवाई संभव

कोर्ट ने श्रीकांत को 14 दिन की हिरासत में भेजा

गाजियाबाद/नोएडा। नोएडा की ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में महिला से मारपीट और गाली-गलौज के मामले में सूरजपुर कोर्ट ने श्रीकांत त्यागी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है। त्यागी के साथ उसके साथियों को भी न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। चारों आरोपियों को नोएडा के लुकसर जेल में रखा जाएगा। माना जा रहा है कि कोर्ट बुधवार को इनकी जमानत याचिका पर सुनवाई कर सकती है। श्रीकांत त्यागी को यूपीएसटीएफ ने मंगलवार को गिरफ्तार किया है। उस पर नोएडा पुलिस ने 25 हजार का इनाम रखा था। पुलिस ने श्रीकांत समेत 4 आरोपियों को भी पकड़ा है।

नोएडा पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, श्रीकांत त्यागी ने पूछताछ में बताया कि गाड़ी पर लगे विधानसभा के स्टिकर पूर्व मंत्री और समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिलवाए थे।

कमिश्नर ने बताया, आरोपी पुलिस से बचने के लिए मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बागपत में घूमता रहा। इससे पहले यह ऋषिकेश से सहारनपुर होते हुए मेरठ वापस आया था। आरोपी लगातार अपनी मोबाइल डिवाइस बदलता रहा। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से श्रीकांत को पकड़ने में महत्वपूर्ण मदद मिली। पुलिस कमिश्नर ने कहा, आरोपी लग्जरी गाड़ियों पर VVIP नंबर रखने का शौकीन है। ऐसे सभी नंबर पाने के लिए इसने एक-एक लाख रुपए तक खर्च किए हैं। गाजियाबाद पुलिस से श्रीकांत त्यागी को कैसे सुरक्षा मिली, इस पर शासन स्तर से जांच चल रही है। उस पर गैंगस्टर एक्ट लगेगा। संपत्ति भी जब्त होगी।

श्रीकांत त्यागी ने स्वामी प्रसाद मौर्य का नाम लिया है। इस पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा, सपा विधायक स्वामी प्रसाद मौर्य के नाम पर जारी वाहन पास श्रीकान्त त्यागी की कार तक कैसे पहुंचा? भाजपा नेताओं के साथ फोटो पर आरोप लगाने वाली समाजवादी पार्टी जवाब दे।

मेरठ में रिश्तेदार के यहां छिपा था श्रीकांत

सूत्रों के मुताबिक, ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी से फरार होने के बाद श्रीकांत ने मेरठ में अपने रिश्तेदार के यहां शरण ली थी। सोमवार रात में श्रीकांत ने पत्नी अनु त्यागी को कॉल किया था। पुलिस को यहीं से बड़ी लीड मिली। पुलिस ने मंगलवार सुबह फिर अनु त्यागी को दोबारा हिरासत में लिया और पूछताछ की। उसके मोबाइल की छानबीन की गई। उसी इनपुट के आधार पर नोएडा पुलिस श्रीकांत त्यागी तक पहुंच गई।

शार्ट न्यूज

अरुणाचल के राज्यपाल ने मद्रास रेजीमेंट की 21 बटालियन को प्रशस्ति पत्र दिया

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल बिग्रेडियर (सेवानिवृत) डॉ बी डी मिश्रा ने मंगलवार को यहां मद्रास रेंजीमेंट की 21वीं बटालियन को राज्यपाल का प्रशस्ति पत्र भेंट किया। बटालियन के कमांडिग आफिसर कर्नल राजीव कोनर, सूबेदार मेजर एस रवि और सबसे कनिष्ठ जवान सिपोय संजय पी ने राज्यपाल से प्रशस्ति पत्र प्राप्त किया। बिग्रेडियर डॉ मिश्रा ने मद्रास रेजीमेंट की 21वीं बटालियन को उनकी पेशेवर क्षमता और उत्साह के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि बटालियन ने अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में तैनाती के दौरान प्रभावी कमांड और योजनाबद्ध अभ्यासों से युद्ध की तैयारी के लिए अपने उच्चतम क्रम को बनाए रखा है। उन्होंने बटालियन के कमांडिग आफिसर और जवानों से कहा कि प्रत्येक इकाई के सभी व्यक्तियों को चाहे वह किसी भी रैंक का हो खुद को बटालियन का हितधारक महसूस करना चाहिए और बटालियन की नाम और प्रसिद्वि को बढ़ाने के लिए बेहतर से बेहतर करना चाहिए। उन्होंने जवानों से गर्व और अच्छे उदाहरणों के साथ राष्ट्र की सेवा करने का आह्वान किया।

आदिवासी समुदाय अपने योगदान को बनाए रखें, ममता ने किया आह्वान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आदिवासी समुदायों से समाज और पर्यावरण के लिए दिये उनके योगदान के बारे में जानने और उन्हें बनाए रखने का आह्वान किया है। सुश्री बनर्जी ने आज अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस के मौके पर अपने ट्वीट में कहा, आइए, हम हमारे महान देश की जातीय और सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाते है और आदिवासी समुदाय के समाज और पर्यावरण में उनके मूल्यवान योगदान को याद करते है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षाश्री, जय जोहर, चा सुंदरी, लक्ष्मीर भंडार और आदिवासी विकास विभाग का निर्माण जैसी अन्य कई योजनाओं के माध्यम से हमेशा आदिवासी समुदायों का कल्याण और उत्थान सुनिश्चित किया है। उन्होंने कहा, हम उनके सम्मान और अधिकारों की रक्षा करना जारी रखेंगे।

अंबाला में होगा राज्य स्तरीय ध्वजारोहण कार्यक्रम

चण्डीगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान हरियाणा में स्वतत्रंता दिवस समारोह हर्षोल्लास, जोश और उत्साह एवं गौरवपूर्ण ढंग से मनाया जाएगा तथा राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय अंबाला कैंट में ध्वजारोहण करेंगे। एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि राज्यपाल 15 अगस्त को अम्बाला कैंट में ध्वजारोहण करेंगे और शाम को हरियाणा राज भवन में 'एट होम' होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल समालखा में बहादुरगढ़ में उप-मुख्यमंत्री और रादौर में गृह मंत्री ध्वजारोहण करेंगे। जिला अंबाला के सब डिवीजन अंबाला सिटी में रेनू एस फुलिया, नारायणगढ़ में असीम गोयल और बराडा में घनश्याम दास अरोड़ा ध्वजारोहण करेंगे। जिला भिवानी में चौधरी धर्मवीर सिंह, तोशाम में सोमवीर सांगवान, सिवानी में लक्ष्मण नापा, लोहारू में देवेन्द्र सिंह बबली, जिला चरखी-दादरी में कमलेश ढांडा, बाढडा में घनश्याम सर्राफ, जिला फरीदाबाद में सत्य प्रकाश जरावता, बडखल में दीपक मंगला, बल्लभगढ़ में कृष्णपाल गुर्जर, जिला फतेहाबाद में गोपाल काण्डा, रतिया में बिशम्बर सिंह बाल्मिकी, टोहाना में ओपी यादव, जिला गुरुग्राम में नयनपाल रावत, मानेसर में डॉ कमल गुप्ता, सोहना में प्रवीन डागर, पटौदी में सीताराम यादव, बादशाहपुर में राजेश नागर, जिला हिसार में ब्रिजेन्द्रा सिंह, हांसी में जे.पी. दलाल, बरवाला में श्री राम कुमार गौतम, नारनौंद में श्री विनोद भ्याना, जिला झज्जर में जनरल डी.पी. वत्स, बेरी में भूपेन्द्र सिंह हुडा, बादली में मोहन लाल बडोली में ध्वजोराहण करेंगे।

कोटा मंडल में प्रथम चार माह में 489.76 करोड़ रूपये की आय

कोटा। पश्चिमी-मध्य रेलवे के कोटा मण्डल में वाणिज्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के आपसी समन्वय से लगातार प्रयास से वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम चार माह में मण्डल को कुल 489.76 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ जो गत वर्ष की इसी अवधि में प्राप्त राजस्व 360.61 करोड़ से 35.81 प्रतिशत अधिक है। कोटा मण्ड्ल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने आज बताया कि इसमें से 76.95 लाख रुपये बुक किये गए यात्रियों से 165.02 करोड़ रुपये, अन्य कोचिंग से 13.92 करोड़ रुपये, माल परिवहन से 292.80 करोड़ रुपये, विविध आय 18.02 करोड़ रुपये शामिल है। श्री मालवीय ने कहा कि कोटा मण्ड्ल टीम भावना से कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं और आने वाले दिनों में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

लेनदेन क्लब ने राजस्थान में फिक्स्ड मैच्योरिटी पीयर टू पीयर इन्वेस्टमेंट प्लान किया लॉन्च

जयपुर। देश के सबसे बड़े पीयर टू पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म लेनदेन क्लब ने राजस्थान में आज अपना फिक्स्ड मैच्योरिटी पीयर टू पीयर प्लान (एफएमपीपी) पेश किया। इस अवसर पर आयोजित प्रेस कांफ्रेस में लेनदेन क्लब के को-फाउंडर और सीईओ भाविन पटेल ने बताया कि यह नए दौर का एक टर्म-आधारित पीयर टू पीयर प्लान है जो न्यूनतम दस हजार प्रति निवेश के साथ निवेशकों को दस-बारह प्रतिशत प्रति वर्ष तक का स्थिर उच्च रिटर्न प्रदान करता है। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 2023 के अंत तक राजस्थान में अपने मौजूदा निवेशक आधार को दोगुना करना है। उन्होंने बताया कि लेनदेनक्लब आरबीआई-अनुमोदित एनबीएफसी पीयर टू पीयर है जो 20 लाख से अधिक निवेशकों को सेवा प्रदान करता है। कंपनी ने फिक्स्ड मैच्योरिटी पीयर टू पीयर इन्वेस्टमेंट प्लान को इस तरह से डिजाइन किया है जिससे डिफ़ॉल्ट दर को बहुत कम किया जा सकता है, इस प्रकार अपने निवेश पर निवेशकों का जोखिम भी कम हो जाता है और रिटर्न की स्थिरता प्रदान करता है।

मारपीट के मामले में भाजपा नेता पर प्राथमिकी दर्ज, घटना का वीडियो वायरल

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा शहर के अमहिया थाना क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता द्वारा सैलून संचालक से मारपीट के मामले पुलिस ने आज आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ है, जिसमें आरोपी सैलून संचालक से मारपीट करते देखा जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर ने बताया कि शहर के अमहिया क्षेत्र में एक सैलून की दुकान है, जिसमें रितुराज चतुर्वेदी नाम का एक भाजपा नेता द्वारा सैलून संचालक से जमकर मारपीट की गयी। इसकी शिकायत के बाद अमहिया थाना पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच आरंभ कर दी है। एएसपी श्री सोनकर ने बताया कि आरोपी नेता का सैलून संचालक से पुराना विवाद था। इसी को लेकर कल शाम भाजपा नेता द्वारा सैलून संचालक से मारपीट की गयी है।

आदिवासी वर्ग के उत्थान और उनका हक दिलाने कांग्रेस सदैव संकल्पित : कमलनाथ

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने विश्व आदिवासी दिवस की बधायी एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि आदिवासी वर्ग के उत्थान और उन्हें उनका हक दिलाने के लिए कांग्रेस हमेशा संकल्पित रही है। श्री कमलनाथ ने अपने ट्वीट के माध्यम से कहा कि विश्व आदिवासी दिवस की आप सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आदिवासी वर्ग हमारी वन संपदा और पर्यावरण के प्रथम प्रहरी के रूप में सदैव जाने जाते है। आदिवासी वर्ग के उत्थान और उन्हें उनका हक़ दिलाने के लिये कांग्रेस सदैव संकल्पित रही है। आदिवासी वर्ग के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक हितों की न केवल कांग्रेस संरक्षक रही है बल्कि आदिवासी वर्ग की भलाई के लिये हरसंभव कार्ययोजनाएं भी कांग्रेस सरकारों के समय ही संचालित की गयी, जिससे उनके विकास की नई इबारत लिखी गयी। पूर्व मुख्यमंत्री ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि आज आदिवासी वर्ग निरंतर उत्पीड़न, दमन और अत्याचार का शिकार हो रहा है।

पीएम मोदी के पास 2.23 करोड़ रुपए की संपत्ति

पिछले साल के मुकाबले 26.13 लाख रुपए का इजाफा; 1 करोड़ की जमीन दान भी की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास 2.23 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। इनमें से अधिकतर संपत्ति बैंक में डिपॉजिट है। पीएम के पास अब कोई भी अचल संपत्ति नहीं है, क्योंकि वे गुजरात के गांधीनगर में अपनी जमीन के हिस्से को दान कर चुके है। इस जमीन की कीमत 1.1 करोड़ रुपए थी।

यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय की वेबसाइट पर पीएम की संपत्ति के डिक्लेयरेशन के बाद सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, 31 मार्च, 2022 तक उनकी कुल संपत्ति 2 करोड़ 23 लाख 82 हजार 504 रुपए थी। वहीं, मोदी की चल संपत्ति में पिछले साल की तुलना में 26.13 लाख रुपए का इजाफा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने किसी भी बॉन्ड, शेयर या म्यूचुअल फंड में निवेश नहीं किया है, उनके पास कोई वाहन भी नहीं है। पीएम के पास सोने की 4 अंगूठियां हैं, जिनकी कीमत 1.73 लाख रुपए है। 31 मार्च, 2021 तक प्रधानमंत्री के पास 1.1 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति थी।

मोदी ने जमीन के जिस हिस्से को

दान किया, वह अक्टूबर 2002 में गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर खरीदी गई थी। इस जमीन पर 3 और लोगों का भी मालिकाना हक था। इसमें क्रूकी एक चौथाई (25 प्रतिशत) हिस्सेदारी थी, जिसे उन्होंने दान कर दिया।

1.89 लाख का लाइफ इंश्योरेंस

31 मार्च, 2022 तक की जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री के पास कुल 35,250 रुपए कैश थे। वहीं, डाकघर में उनके नाम 9 लाख 5 हजार 105 रुपए के नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट जमा हैं। मोदी के नाम 1 लाख 89 हजार 305 रुपए का लाइफ इंश्योरेंस भी है।

पिछले वित्त वर्ष में सभी 29 कैबिनेट मंत्रियों ने अपनी और अपने आश्रितों की संपत्ति घोषित की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के पास 2.54 करोड़ रुपए की चल संपत्ति और 2.97 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है।

इनमें धर्मेंद्र प्रधान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, आर के सिंह, हरदीप सिंह पुरी, पुरुषोत्तम रूपाला और जी किशन रेड्डी भी शामिल हैं। मुख्तार अब्बास नकवी भी अपनी संपत्ति घोषित कर चुके हैं। नकवी ने जुलाई में मंत्रीपद से इस्तीफा दिया था। फिलहाल केंद्र में 28 कैबिनेट मंत्री हैं।

मंगुभाई पटेल ने आमजन के लिए खुलवाया राजभवन

भोपाल। मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आमजन को राजभवन का अवलोकन कराने के निर्देश दिए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार राजभवन में 13, 14 और 16 अगस्त को आमजन को प्रवेश दिया जाएगा। भ्रमण के लिए नियत दिवस को सायंकाल 4 से रात्रि 9 बजे तक राजभवन में प्रवेश की अनुमति रहेगी। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को राजभवन में आमजन का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।

एलओसी पर पहुंची स्कूली बच्चों की 1500 राखियां

एजेंसी

श्रीनगर। मोहाली की एक महिला कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात सेना के जवानों के लिए स्कूली बच्चों द्वारा बनाई गई 1500 से अधिक राखी लेकर यहां पहुंची। पंजाब में मोहाली की जीरकपुर निवासी रिंकल कपूर (40) कुपवाडा में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सेना के जवानों के साथ रक्षाबंधन मनाने के लिए पहुंची।

श्रीनगर में रक्षा प्रवकता ने कहा कि जवानों के लिए प्रत्येक राखी एक ग्रीटिंग कार्ड में संलग्न होती है जिसमें सैनिकों के लिए बच्चों ने अपने संदेश लिखे होते हैं।

देश में 12 अगस्त को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन के अवसर पर छात्रों द्वारा सैनिकों के लिए शुभकामनाओं देने वाले एक वीडियो भी दिखाया गया। सुश्री रिंकल ने यूनीवार्ता से कहा, मुझे खुशी है कि मैंने चंडीगढ़ ट्राइसिटी के स्कूली बच्चों को हमारी सीमा चौकी पर तैनात सेना के जवानों के लिए इस विशेष उपहार के लिए उन्हें इस कड़ी से जोड़ा।

उन्होंने कहा कि यह उनका विचार था कि रक्षाबंधन पर वह अपने सैनिक भाईयों के साथ रहे। सुश्री रिंकल ने कहा कि मैंने सोचा कि मुझे इसके लिए और को भी जोड़ना चाहिए और फैसला किया कि छात्रों को इस कड़ी में जोड़ना सबसे अच्छी बात होगी। सुश्री रिंकल ने कहा कि उसने इस कड़ी में जोड़ने के लिए चंडीगढ़ और मोहाली के पांच विद्यालयों को जोड़ा और अपने सैनिक भाईयों के लिए 1500 राखियां और इतने ही ग्रिटिंग कार्ड भेंट करने के लिए बनवाए।

बेरोजगारी दर घटी, 2019-20 और 2020-21 के बीच 0.6 फीसदी की आई गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार का कहना है कि देश में बेरोजगारी घटी है। केंद्र ने सोमवार को संसद में बताया कि 2019-20 और 2020-21 के बीच बेरोजगारी दर 0.6 प्रतिशत घटकर 4.8 प्रतिशत से 4.2 प्रतिशत पर आ गई। सरकार ने इसे लेकर सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला दिया है।

श्रम और बेरोजगारी राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने कहा कि PLFS के आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही पूरे देश में बेरोजगारी दर में गिरावट का रुख है। उन्होंने बताया कि बेरोजगारी दर राष्ट्रीय स्तर पर 2018-19 में 5.8 प्रतिशत से घटकर 2020-

21 में 4.2 प्रतिशत पर आ गई, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में इसी अवधि के दौरान यह दर 5 प्रतिशत की तुलना में 3.3 प्रतिशत हो गई।

सिक्किम में सबसे अधिक श्रमिक जनसंख्या अनुपात

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 2020-21 में श्रमिक जनसंख्या अनुपात सबसे अधिक सिक्किम (71.3 प्रतिशत) में रहा। इसके बाद हिमाचल प्रदेश (69.5 प्रतिशत) और छत्तीसगढ़ (63.6 प्रतिशत) थे। बिहार में सबसे कम (39.9 प्रतिशत) था, जबकि लक्षद्वीप में 40.1 प्रतिशत और मणिपुर में 41 प्रतिशत था। बेरोजगारी दर में कमी आने के मकसद से आत्मानिर्भर भारत और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम जैसी योजनाओं लागू हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री तेली ने कहा कि इन योजनाओं के तहत रोजगार सृजन के साथ रोजगार क्षमता में सुधार सरकार की प्राथमिकता है।

'2 साल में विमानन क्षेत्र में 1 लाख रोजगार की उम्मीद'

वहीं, नागर विमानन मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय विमानन क्षेत्र में अगले दो साल के दौरान एक लाख और लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। लोकसभा में सोमवार को पेश एक रिपोर्ट के अनुसार, विमानन मंत्रालय ने संसदीय समिति को बताया, अनुमान बताते हैं कि विमानन और वैमानिकी विनिर्माण क्षेत्र में फिलहाल सीधे तौर पर करीब 2,50,000 लोगों को रोजगार मिला है।

संदिग्ध उग्रवादियों की गोलीबारी में असम राइफल्स का जेसीओ घायल

ईटानगर। दक्षिणी अरुणाचल प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से मंगलवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने दक्षिणी अरुणाचल प्रदेश में अर्धसैनिक बल के जवानों पर गोलियां चलायी जिसमें असम राइफल्स के एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) गोली लगने से घायल हो गए।

रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

यह घटना अरुणाचल प्रदेश के तिरप-चांगलांग इलाके में भारत-म्यांमार सीमा पर उस समय हुई जब असम राइफल्स के जवान स्वतंत्रता

दिवस समारोह के मद्देनजर गश्त पर थे। तेजपुर (असम) के रक्षा जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल ए एस वालिया ने कहा, भारत-म्यांमार सीमा पार से उग्रवादी समूहों द्वारा असम राइफल्स के जवानों पर गोलीबारी की घटना आज तड़के तिरप-चांगलांग इलाके में हुई।

उन्होंने कहा कि असम राइफल्स के जवान आगामी स्वतंत्रता दिवस के लिए कड़ी निगरानी के मद्देनजर गश्त पर थे। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने कहा, एक जेसीओ के हाथ में मामूली चोट आई है। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में सैनिकों द्वारा बढ़ाई गई निगरानी जारी रहेगी।

किसी भी उग्रवादी समूह ने हालांकि हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। प्रतिबंधित एनएससीएन (के-वाईए) के सदस्यों पर संदेह जताया जा रहा है।

तेलंगाना में भारी बारिश का अनुमान

हैदराबाद। तेलंगाना के आदिलाबाद, कोमराम भीम, आसिफाबाद, निर्मल, जगीत्याल, मूलुगु और भद्राद्री कोटागुडम जिलों के अलग-अलग स्थानों में अगले 24 घंटों में भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विभाग की ओर से जारी एक बुलेटिन में बताया गया है कि इस अवधि में राज्य के सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर 30-40 किमी की रफ्तार तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके अलावा राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य रहा।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत बागेश्वर में निकली तिरंगा यात्रा

बागेश्वर/नैनीताल। स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर आजादी के अमृत महोत्सव पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत मंगलवार को बागेश्वर में सहकारिता विभाग के तत्वाधान में तिरंगा यात्रा निकाली गयी। विभास भवन से प्रारंभ यह यात्रा कोतवाली पर समाप्त हुई।

जिलाधिकारी रीना जोशी ने तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि हर घर तिरंगा के साथ एकता का परिचय दें। शहीदों के त्याग और बलिदान से हमें आजादी मिली है। उसको बरकरार रखने के लिए हम अपने दायित्व का ईमानदारी से निर्वहन करें। जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान हमारे लिए किसी त्योहार से कम नहीं हैं, क्योकि इस तिरंगे की आन-बान-शान के लिए हमारे कितने वीर योद्धाओं ने अपने प्राणों का त्याग किया है। इसलिए हमें अपने वीर सपूतों द्वारा किए गए त्याग को नहीं भूलना चाहिए और सभी को मिलकर एक पर्व के तरह अपने घरों पर तिरंगा झंडा फहराना चाहिए।

उन्होंने जनपदवासियों से 13 से 15 अगस्त तक अपने घरों में तिरंगा फहराने के साथ पूरे विश्व के सामने अखंड भारत का उदाहरण पेश करने का आह्वान किया।

तिरंगा यात्रा विकास भवन से शुरू होकर शहर के कई हिस्सों से निकली, जिसके कारण पूरा शहर तिरंगे के रंग में रंग गया।

भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) किसान मोर्चा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आज यहां आयोजित की गयी जिसके मुख्य अतिथि मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री एवं मोर्चा के प्रदेश प्रभारी रामनरेश तिवाड़ी थे।

किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने बताया कि इस बैठक में मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहें एवं मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, जिला प्रभारी एवं जिलाध्यक्ष वर्चुअल माध्यम से जुडें।

मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही किसानों की सम्पूर्ण कर्जामाफी की जायेगी, जो अभी तक नहीं की गई। आज भी किसान अपनी पूर्ण कर्जमाफी का इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार कांग्रेस द्वारा प्रदेश में सरचार्ज, फ्यूल चार्ज ना बढ़ाने का वादा किया था, लेकिन कांग्रेस की सरकार बनते ही बिलों में वृद्धि करके किसानों की कमर तोड़ दी।

सीबीआई ने टीएमसी नेता अनुव्रत मंडल को भेजा नया समन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के पशु तस्करी घोटाले की जांच कर रहे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अनुव्रत मंडल को नया समन नोटिस जारी किया है और उन्हें 10 अगस्त को जांच अधिकारियों के समक्ष पेश होने को कहा है।

सीबीआई ने श्री मंडल की ओर से नौवें समन को नजरअंदाज किये जाने के ठीक दो दिन बाद नया समन नोटिस जारी किया है।

टीएमसी के बीरभूम जिला अध्यक्ष मंडल को आठ अगस्त को सीबीआई के शहर कार्यालय निज़ाम पैलेस में सुबह 11 बजे पेश होने के लिए बुलाया गया था, लेकिन आरोपी राजनेता ने समन को नजरअंदाज कर दिया और राज्य सरकार के एसएसकेएम अस्पताल में मेडिकल चेक-अप के लिए चले गये जो एजेंसी के कार्यालय से बमुश्किल 1000 मीटर पश्चिम में स्थित है।

बीरभूम जिले में रहने वाले व दक्षिण बंगाल की राजनीति के 'बाहुबलि' 62 वर्षीय श्री मंडल को रविवार को चिनार पार्क में अपने शहर के फ्लैट में पहुंचते देखा गया। बाद में वह कथित तौर पर सर्दी, खांसी और कंधे के दर्द के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचे। सात सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने उनकी बीमारियों की जांच के बाद सुझाव दिया कि उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है और तदनुसार वह सोमवार की रात बीरभूम लौट गए।

सूत्रों ने कहा कि सीबीआई के दो अधिकारियों ने सोमवार शाम को मंडल के चिनार पार्क स्थित फ्लैट पर गए लेकिन पाया कि नेता अपने गांव रवाना हो रहे हैं।

इसके बाद सीबीआई ने उनके पते पर 10वां समन नोटिस भेजा और उन्हें बुधवार सुबह 11 बजे एजेंसी कार्यालय में पेश होने को कहा। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा सीबीआई के दो अधिकारी मंगलवार को श्री मंडल के बीरभूम स्थित आवास पर हाथ से समन नोटिस तामील करने गए।

सूत्रों ने कहा कि पिछले हफ्ते बीरभूम में छापेमारी के बाद सीबीआई को कथित तौर पर मामले में कुछ और सबूत मिलने के बाद श्री मंडल को एक नया समन नोटिस जारी करना इस मामले को नया मोड़ दे दिया। सीबीआई ने गिरफ्तार सहगल हुसैन (अनुव्रत मंडल के लिए निजी सुरक्षा कर्मी) के एक करीबी सहयोगी तुलु मंडल के घरों पर छापा मारा था और भारी मात्रा में चल और अचल संपत्ति जब्त की थी।

अस्पताल के 10 किमी की परिधि में खोला जा सकता है पैरा मेडिकल कालेज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि राज्य सरकार की नीति के अनुसार अस्पताल के 10 किलोमीटर की परिधि में पैरा मेडिकल कॉलेज या नर्सिंग कॉलेज खोला जा सकता है। यदि इस परिधि में अस्पताल मौजूद नहीं हो तो वहां नर्सिंग या पैरा मेडिकल कॉलेज खोलने का कोई प्रावधान नहीं है।

उन्होंने आज विधानसभा में शून्य काल के दौरान कहा कि सफीदों में 50 बेड का अस्पताल है और जो जमीन उपलब्ध करवाई गई है, वह 10 किलोमीटर के दायरे में नहीं है, बल्कि 15 किलोमीटर तक है। यदि 12 किलोमीटर तक भी जमीन उपलब्ध होती तो नियमों में कुछ ढील देकर पैरा मेडिकल कॉलेज बनाया जा सकता था। यदि 10 किलोमीटर के दायरे में जमीन उपलब्ध हो जाएगी तो पैरा मेडिकल कॉलेज खोल दिया जाएगा। हरियाणा में ग्रुप-सी एवं डी के लगभग 28000 पदों की भर्ती के लिए कॉमन पात्रता परीक्षा (सीईटी) 5, 6 और 7 नवंबर, 2022 को आयोजित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के माध्यम से करवाने का निर्णय लिया गया है और इसके लिए 5,6 और 7 नवंबर की तिथि तय की गई है।

उन्होंने बताया कि फरीदाबाद नगर निगम में सडक़ निर्माण में टेंडरिंग के मामले में जारी विजिलेंस जांच को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए जाएंगे और जांच में जो अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रश्न काल के दौरान सदन के नेता ने फरीदाबाद एनआईटी के विधायक नीरज शर्मा के सवाल के जवाब में कहा कि नगरपालिका नियम, 1976 के नियम 8 में यह उल्लेखित है कि निर्माण कार्य में 10 प्रतिशत तक ही एन्हांसमेंट की जा सकती है। इससे अधिक नहीं। कई मामलों में 10 प्रतिशत से अधिक भी एन्हांसमेंट की गई है। इसका कारण यह है कि नियम 8 की परिभाषित व्याख्या सही नहीं है। विभाग को निर्देश दिए जाएंगे कि इस व्याख्या को सही किया जाए। यदि कहीं 10 प्रतिशत से अधिक एन्हांसमेंट है तो रि-टेंडर किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय लोगों के सहयोग से तय किया गया है कि यह सडक़ तारकोल की नहीं आरएनसी की ही बननी चाहिए। इसलिए तारकोल और आरएनसी के रेट में अंतर आया। यदि उसमें किसी तरह का भ्रष्टाचार हुआ है तो उसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस की आजादी की गौरवयात्रा का शुभारंभ

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में देहात जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आजादी की गौरवयात्रा का मंगलवार को आगाज किया गया। देहात जिला कांग्रेस के प्रवक्ता टीटू सुथार ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार आजादी की 75वीं वर्ष गांठ पर नौ से 15 अगस्त तक निकाली जाने वाली 75 किलोमीटर की आजादी की गौरवयात्रा को देहात जिलाध्यक्ष लालसिंह झाला ने शांति आनंदी स्मारक देहली गेट से हरी झंडी दिखाकर प्रारंभ की। राष्ट्रीय ध्वज के साथ यात्रा प्रभारी महेश त्रिपाठी द्वारा यात्रा की अगवानी करते हुए बापू बाजार, सूरजपोल, देबारी, डबोक, मावली, भटेवर होते हुए वल्लभनगर के भींडर पहुंचकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यक्रम मैं सम्मिलित हुई। उन्होंने बताया कि गौरव यात्रा सलूम्बर, खेरवाड़ा, गिर्वा, झाड़ोल,गोगुन्दा विधानसभा क्षेत्रो में होते हुए 15 अगस्त को उदयपुर पहुचेगी।

आउस्टीज नीति के तहत आउस्टीज को मिलेंगे भूखंड

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार गुरुग्राम जिले की मानेसर तहसील के गांव कासन, कुकरेला तथा सहरावन की 1810 एकड़ भूमि का वर्ष 2010 में अधिग्रहण किया गया था। इस मामले में उनकी जमीन का अवार्ड किया जाएगा तथा आउस्टीस नीति के तहत आउस्टीस को भूखंड दिया जाएगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान एक सदस्य के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस जमीन का अधिग्रहण उस समय की दर के अनुसार किया गया था, जो वर्तमान दर के मुकबले काफी कम थी। दर को लेकर भूमालिक उच्चतम न्यायालय में गए थे और वर्ष 2020 में न्यायालय ने आदेश जारी किए थे कि अधिग्रहण तो पुरानी दर पर ही होगा। वह चाहकर भी अवार्ड नहीं कर सकते, फिर भी सरकार की कोशिश है कि भूमालिकों को किसी प्रकार राहत दी जा सके। उन्होंने कोसली विधानसभा क्षेत्र के गांव लूला अहीर में चल रहे भगत फूल सिंह विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर को महाविद्यालय में बदलने की घोषणा करते हुये कहा कि राज्य में इस समय 50 से अधिक सरकारी और निजी विश्वविद्यालय हैं। यदि विश्वविद्यालयों की संख्या अधिक बढ़ती है तो शिक्षा व्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ता है। इसलिए जगह-जगह विश्वविद्यालय खोलने का कोई औचित्य नहीं है। विश्वविद्यालय का कार्य केवल परीक्षाएं संचालित करना, कॉलेजों को एफिलिऐशन देना, इत्यादि होता है। उन्होंने कहा कि पुराने समय में विश्वविद्यालय दूर स्थित होते थे तब रीजनल सेंटर खोले जाते थे लेकिन आज राज्य में विश्वविद्यालय ज्यादा दूरी पर नहीं है, इसलिए गांव लूला अहीर में जब भगत फूल सिंह विश्वविद्यालय के रीजनल सेंटर को विश्वविद्यालय के रूप में विकसित नहीं किया जा सकता।

3 गौरवशाली भारत दिल्ली/एनसीआर
नई दिल्ली
बुधवार 10 अगस्त 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

शास्त्री पार्क में साबिर अली ने लगाया शबील

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सक्रिय सिपाही साबिर अली द्वारा संचालित गांधी नगर विधानसभा के शास्त्री पार्क स्थित जन सुविधा केंद्र पर मंगलवार को मुहर्रम के अवसर पर शबील लगा कर आम अवाम में शरबत वितरण किया गया। इस अवसर पर मुस्तफाबाद क्षेत्र के विधायक व दिल्ली प्रदेश माइनॉरिटी विंग के अध्यक्ष हाजी युनुस बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होकर खुद से लोगों को शर्बत बांट कर मुहर्रम को प्रेम, शांति और आपसी सद्भाव से मनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर हजारों लोगों में शर्बत वितरण कर साबिर अली ने कहा कि मुहर्रम हमें हक पर कायम रहने की शिक्षा देता है और माननीय अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप की सरकार भी हक पर कायम है।

बच्चों द्वारा बनाई गयी राखियां भारतीय सेना के जवानों के लिए भेजी गयी

नई दिल्ली। भारत रत्न पन्न मदन मोहन मालवीय जी के जीवन मूल्यों को जीवंत बनाये रखने के लिए स्थापित महामना मालवीय मिशन की दिल्ली एन.सी.आर. इकाई मानव सेवा को सर्वोपरि मान कर अवसर विहीन बच्चों के लिए चलाये जा रहे कौशल विकास केंद्र के बच्चों द्वारा श्रीमती स्नेहा श्रीवास्तव (सचिव) एवं अन्य सदस्यों के सहयोग से राखियाँ बनाई गयी और उनको राष्ट्र रक्षा के लिए समर्पित भारत की सीमा पर तैनात भारतीय सेना के जवानों के लिए भेजी गयी। लेफ्टिनेंट जनरल ए.के. पुरी (चीफ ऑफ़ डिफेन्स स्टाफ) के सहयोग से यह राखियाँ सीमा पर पहुँच गयी हैं। सीमा के प्रहरी जवान रक्षा बंधन के अवसर पर इन राखियों को पा कर हर्षित और प्रसन्न होंगे। इसकी सफलता के लिए दिल्ली एन.सी.आर. शाखा के अध्यक्ष श्री रोहित कुमार सिन्हा, महामंत्री श्रीमती अर्चना गुप्ता, श्री के एन राय (संरक्षक), श्री हरी शंकर सिंह, (कार्यकारी अध्यक्ष), श्रीमती कांता जोशी एवं अन्य सदस्यों ने भरपूर सहयोग दिया।

आबकारी नीति विवाद पर अनिल बैजल ने तोड़ी चुप्पी, सिसोदिया के आरोपों पर बोले- समय और जांच से सामने आएगा सच

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति विवाद के बीच पूर्व उपराज्यपाल अनिल बैजल ने उन पर लगे आरोपों पर आज चुप्पी तोड़ी है। बैजल ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया द्वारा आबकारी नीति 2021-22 के कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं के संबंध में उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों को 'निराधार और प्रेरित' बताते हुए खारिज कर दिया। दिल्ली सरकार द्वारा संबंधित आबकारी नीति लाए जाने के समय बैजल उपराज्यपाल थे। आबकारी विभाग का भी दायित्व संभाल रहे मनीष सिसोदिया ने पिछले शनिवार को अनिल बैजल पर आबकारी नीति पर अपना रुख बदलने का आरोप लगाया था। सिसोदिया कहा था कि बैजल के फैसले से कुछ लाइसेंसधारियों को लाभ हुआ, जबकि दिल्ली सरकार को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। बैजल ने आज अपने बेहद कड़े बयान में कहा कि सिसोदिया द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोप अपनी खाल बचाने के लिए हताश आदमी द्वारा किया जा रहा प्रयास है। सिसोदिया द्वारा निजी कंपनियों का पक्ष लेने के आरोपों पर पूर्व उपराज्यपाल अनिल बैजल ने कहा कि उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के सभी गैरकानूनी फैसलों पर सवाल उठाए थे। बैजल ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों पर कहा कि सिसोदिया अपने और अपने सहयोगियों के कृत्यों तथा गलतियों के लिए कुछ बहाना खोजने की कोशिश कर रहे हैं। यह आरोप कुछ और नहीं, बल्कि एक हताश आदमी द्वारा अपनी खाल बचाने के लिए कहा जा रहा प्रयास है। बैजल ने आप सरकार के दावों को खारिज करते हुए कहा कि समय और जांच से सारी सच्चाई सामने आ जाएगी।

केजरीवाल बोले- फिर बढ़ रहे हैं कोरोना के मामले, स्थिति पर सरकार की पैनी नजर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर कोरोना की डराने वाली रफ्तार ने सरकार की भी चिंता बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली में कोविड के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि ज्यादातर नए मामले हल्के प्रकृति के हैं। केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए है। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि कोविड के मामले बढ़ रहे हैं। हम इस पर नजर रख रहे हैं और जो भी जरूरी कदम उठाए जाएंगे, लेकिन ज्यादातर मामले हल्के हैं और घबराने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 8 अगस्त को दिल्ली में कोरोना संक्रमण के 1,372 नए मामले और छह मौतें दर्ज की गईं और सकारात्मकता दर बढ़कर 17.85 प्रतिशत हो गई, जो 21 जनवरी के बाद सबसे अधिक है। 21 जनवरी को पॉजिटिविटी रेट 18.04 फीसदी था। गौरतलब है कि दिल्ली ने रविवार को कोरोना के 2,423 मामले रिपोर्ट किए गए थे, जिसमें पॉजिटिविटी रेट 14.97 प्रतिशत और दो मौतें थीं। वहीं, शनिवार को यहां कोरोना के 2,311 मामले दर्ज किए, जिनमें पॉजिटिविटी रेट 13.84 प्रतिशत और एक मृत्यु शामिल थी। दिल्ली में कोविड-19 एक्टिव मामलों की संख्या 7,484 है, जो पिछले दिन 8,048 थी। बुलेटिन में कहा गया है कि 5,650 मरीज होम आइसोलेशन में हैं।

केजरीवाल ने दिल्ली में फहराया 500वां तिरंगा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में राजधानी में मंगलवार को 500वां विशाल तिरंगा फहराया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सभी लोगों को भारत को विश्व का नंबर एक देश बनाने का संकल्प करना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि भारत के बाद स्वतंत्रता प्राप्त करने वाले कई देशों ने हमें पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास सब कुछ है। हमारे पास दुनिया में सबसे बुद्धिमान एवं सबसे मेहनती लोग हैं, लेकिन हम पिछड़ गए हैं। सरकार की कल्याणकारी योजना को मुफ्तखोरी कहने वालों की एक बार फिर निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को यह कहता सुनकर काफी दुख होता है कि मुफ्त शिक्षा बंद होनी चाहिए। वे इसे मुफ्तखोरी बताते हुए कह रहे हैं कि गरीबों को सरकारी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा नहीं मिलनी चाहिए। मुझे समझ नहीं आता कि मुफ्तखोरी और मुफ्त की रेवड़ी क्या होती है। अगर सरकारी स्कूल बंद कर दिए तो हमारे देश में 70 से 80 प्रतिशत बच्चे अनपढ़ रह जाएंगे। बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल तथा रोजगार को मौलिक अधिकार माना जाना चाहिए और इसे मुफ्तखोरी नहीं कहा जाना चाहिए। मयूर विहार में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद और वंदे मातरम के नारों से की।

पत्नी के प्रेमी को फंसाने के लिए दी मेट्रो स्टेशन उड़ाने की धमकी

फरीदाबाद। फरीदाबाद के सराय ख्वाजा मेट्रो स्टेशन पर सात अगस्त की रात करीब एक बजे बम से उड़ाने की धमकी भरा एक पत्र मिला। इससे सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। सीआईएसएफ समेत हरियाणा पुलिस के आला अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया। बम स्क्वायड टीम मेट्रो स्टेशन के चप्पे-चप्पे की जांच में जुट गई। जांच में पता चला कि उत्तर प्रदेश के रामबीर अपनी पत्नी को प्रेमी से अलग करने के लिए मेट्रो स्टेशन, लाल किला, हरियाणा के मुख्यमंत्री को परिवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा पत्र स्टेशन परिसर में फेंका था। जानकारी के अनुसार रविवार देर रात सफाई कर्मचारी स्टेशन परिसर की सफाई कर रहे थे। तभी प्लेटफार्म नंबर-1 की स्वचालित सीढ़ियों पर एक कागज दिखा। उसे उठाकर पढ़ा तो उसमें मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी लिखी थी। इसकी सूचना सुरक्षा में तैनात सीआईएसएफ के जवानों को दी। सीआईएसफ के जवान पत्र को कब्जे में लेकर आला अधिकारी, स्थानीय पुलिस और मेट्रो थाना को सूचित किया। बम स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंच गई।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास फंड के 1760 करोड़ रुपए के बकाए समेत पंजाब के लिए 2800 करोड़ का लाभ यकीनी बनाया

वित्तीय महत्ता के बकाया मुद्दों के हल के लिए केंद्रीय खाद्य मंत्री के साथ मुलाकात

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा उठाये मसले पर सकारात्मक रवैया अपनाते हुये केंद्रीय ख़ाद्य और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के मंत्री श्री पीयूष गोयल ने ग्रामीण विकास फंड का 1760 करोड़ रुपए जारी करने की बड़ी माँग मान ली है।

केंद्रीय मंत्री को राज्य सभा सचिवालय में मिलने के उपरांत विवरण सांझा करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री द्वारा पिछले खरीफ की फ़सल और रबी के खरीद सीजन के लिए बकाया ग्रामीण विकास फंड के भुगतानों को जारी करने सम्बन्धी एक बड़ी माँग को स्वीकृत कर लिया गया और उपस्थित अधिकारियों को इस पर तेज़ी के साथ कार्यवाही करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि इससे पंजाब राज्य को 1700 करोड़ रुपए से अधिक का वित्तीय लाभ होगा।

इस सम्बन्धी मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्रीय मंत्री के साथ मुलाकत की और अहम तत्काल महत्व वाले

अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की। विचार-विमर्श के दौरान केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को राज्य सरकार की तरफ से उठाई माँगों पर तुरंत कार्यवाही करने का भरोसा दिया, जिससे पंजाब सरकार को सालाना 2800 करोड़ रुपए से अधिक का वित्तीय लाभ होगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि केंद्रीय मंत्री ने एफ. सी. आई. को उपलब्ध ब्याज दरों पर पंजाब को ब्याज अदायगियों की अदायगी करने के फ़ैसले पर फिर से विचार करने की उनकी विनती को भी स्वीकृत कर लिया है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार के इस स्टैंड के साथ सहमति जताई कि वह ऐफसीआई, जिसको यूनियन की प्रभुसत्ता गारंटी का समर्थन है, को उपलब्ध ब्याज दरों पर कर्ज़ कभी भी प्राप्त करने के योग्य नहीं होगी। नतीजे के तौर पर मंत्री ने अपने अधिकारियों को अनाज की सालाना खरीद के लिए सस्ती कैश क्रेडिट लिमिटें प्राप्त करने के लिए पंजाब राज्य की पूरी मदद करने के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फ़ैसले से पंजाब सरकार पर 1000 करोड़ सालाना के अनावश्यक वित्तीय बोझ से बचने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ने पंजाब सरकार की तरफ से दो महीने पहले गेहूँ की खरीद के लिए किये खर्चे की अपर्याप्त भरपायी का मामला भी उठाया। केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री की तरफ से लेबर और बारदाने/ पीपी बैगों के लिए मंज़ूरशुदा दरों पर फिर विचार करने की विनती पर सकारात्मक समर्थन दिया और केंद्रीय ख़ाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के आधिकारियों को कहा कि वह इन आंकड़ों का राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मिलान करें। इस फ़ैसले के लागू होने से राज्य को 100 करोड़ से अधिक का लाभ होगा।

आचार्य लोकेशजी के सहयोग से दिल्ली के मण्डार जैन संघ में सर्वधर्म संत समागम

भगवान महावीर का दर्शन मौजूदा समय में अधिक प्रासंगिक : आचार्य लोकेश

नई दिल्ली। दिल्ली के श्री मण्डार जैन संघ के प्रांगण में सर्वधर्म संत समागम समारोह का आयोजन जैनाचार्य विजय रत्नाचल सूरिश्वरजी की प्रेरणा एवं आचार्य डॉ लोकेशजी के सहयोग से विभिन्न धर्मो के धर्माचार्यों की उपस्थिती में सम्पन्न हुआ । इस समागम में भारतीय सर्वधर्म संसद के संयोजक गोस्वामी सुशीलजी महाराज, दलाई लामा के प्रतिनिधि बौद्ध आचार्य येशीजी, गुरुद्वारा बंगला साहिब कमेटी के चेयरमेन श्री परमजीत सिंह चण्ढोकजी, ग्लोबल संत समाज कल्याण फ़ाउंडेशन के संस्थापक स्वामी चन्द्रदेवजी, स्वामी विश्वानन्दजी, ने विशेष रूप से संबोधित किया । विश्व शांतिदूत जैन आचार्य डॉ लोकेशजी ने कहा कि भगवान महावीर द्वारा प्रतिपादित जैन दर्शन वैज्ञानिक होने के साथ-साथ मौजूदा समय में अधिक प्रासंगिक है,

अनेक वैश्विक समस्याओं का समाधान उसके द्वारा संभव है। उन्होने कहा कि जियो और जीने दो का हिमायती जैन समाज लोक-कल्याणकारी कार्यों में सदैव अग्रसर रहता है । जैनाचार्य विजय रत्नाचल सूरिश्वरजी ने कहा कि इंटरनेट के माध्यम से भारतीय संस्कृति और मूल्यों का ह्रास हो रहा है उसके लिए समाज और खासकर युवा पीढ़ी को को संभलकर चलने की काफी आवश्यकता है ।उन्होने श्री मण्डार जैन संघ की सराहना करते हुए सर्वधर्म समागम आयोजित करने के लिए साधुवाद दिया। इस अवसर पर गोस्वामी सुशीलजी महाराज, बौद्ध आचार्य येशीजी, सरदार परमजीत सिंह चण्ढोकजी, स्वामी चन्द्रदेवजी एवं स्वामी विश्वानन्दजी ने एक स्वर में कहा कि ऑनलाइन संसाधनों के माध्यम से आज जिस तरह से अश्लील एवं फूहड़ कार्यक्रम जो दिखायें जाते है जिनसे हमारे सामाजिक और नैतिक मूल्य आहत हो रहे है। उन्होने ने इन पर अंकुश लगाने की मांग की है।

भव्य श्रृंगार

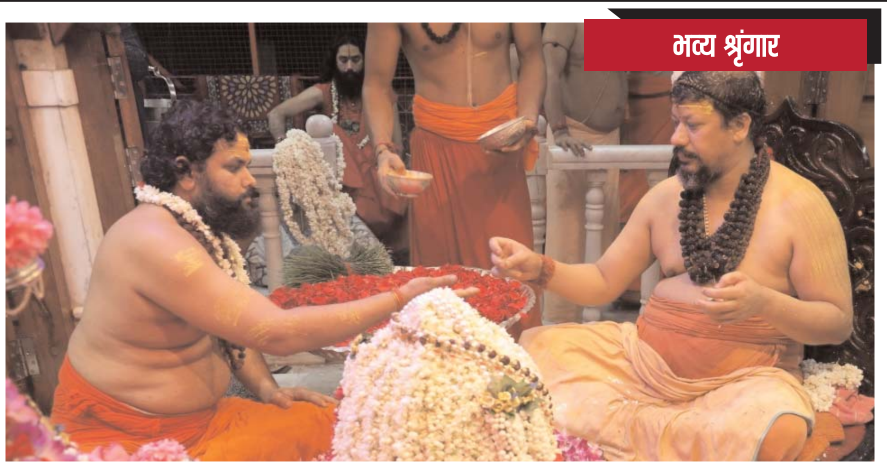

पिछले 30 वर्षों की भांति इस वर्ष भी पूरे श्रावण मास प्रतिदिन 12-14 घण्टे एक आसन से अपने आराध्य देवाधिदेव कैलाशेश्वर महादेव के दुर्लभ शिव उपासना में पूज्य गुरु जी निरंजन पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 आचार्य महामण्डलेश्वर कैलाशानन्द गिरि जी महाराज पवित्र श्रावण मास के 22दिवस में पूज्य गुरु जी द्वारा आज किया गए आराध्य देवाधिदेव कैलाशेश्वर महादेव का दिव्य पूजन व भव्य श्रृंगार।

खट्टर सरकार ने हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक-2020 लिया वापस

नई दिल्ली। हरियाणा सरकार ने केंद्र द्वारा कुछ विसंगतियों को रेखांकित किए जाने के बाद सोमवार को हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक-2020 वापस ले लिया। विधेयक में संगठित आपराधिक सिंडिकेट या गिरोह की आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए विशेष प्रावधान किए गए थे। इससे पहले उक्त विधेयक के वर्ष 2019 संस्करण को भी कुछ प्रावधानों पर टिप्पणी किए जाने के बाद वापस ले लिया गया था। हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने विधानसभा में वर्ष 2020 के विधेयक को वापस लेने का प्रस्ताव पेश किया। विज ने पांच नवंबर 2020 को हरियाणा संगठित अपराध नियंत्रण विधेयक-2019 को भी वापस लेने का प्रस्ताव पेश किया था जिसे चार अगस्त 2019 को पारित किया गया था।

गाजियाबाद में सपा प्रवक्ता पर एफआईआर दर्ज

गाजियाबाद। त्यागी समाज पर टिप्पणी करने को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुनील साजन के खिलाफ गाजियाबाद के सिहानी गेट थाने में केस दर्ज हुआ है। टीवी पर दिए बयान की वीडियो के साथ त्यागी समाज के लोग मंगलवार को सिहानी गेट थाने पहुंचे और शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बसंत रोड की लक्ष्मी विहार कॉलोनी में रहने वाले कामेश्वर त्यागी के नेतृत्व में त्यागी समाज का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को सिहानी गेट थाने पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सुनील साजन ने सोमवार को एक टीवी चैनल में अपना वक्तव्य दिया। उसमें उन्होंने कहा कि भाजपा में जितने भी त्यागी समाज के नेता हैं, वह सभी महिला विरोधी मानसिकता के हैं। कामेश्वर त्यागी का कहना है कि सपा प्रवक्ता के इस आपत्तिजनक बयान को सार्वजनिक रूप से कहा गया। सपा प्रवक्ता ने अपने बयान में दोबारा दोहराया कि त्यागी समाज के लोग महिलाओं पर अत्याचार करते हैं। कामेश्वर त्यागी ने आपत्तिजनक बयान की वीडियो सौंपते हुए सुनील साजन के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसा बयान देकर सुनील साजन ने त्यागी समाज की छवि को धूमिल करने और समाज की प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाने का काम किया है। सिहानी गेट एसएचओ नरेश शर्मा ने बताया कि कामेश्वर त्यागी की शिकायत पर सपा प्रवक्ता सुनील साजन के खिलाफ मानहानि करने का केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हम युवाओं के मुद्दे को उठाते रहने और भारत की सेवा जारी रखने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं : श्रीनिवास बी वी

भारतीय युवा कांग्रेस ने आज राष्ट्रीय कार्यालय में स्थापना दिवस का 62वां वर्ष मनाया

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने आज राष्ट्रीय कार्यालय में स्थापना दिवस का 62वां वर्ष मनाया। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी और एआईसीसी सह सचिव श्री कृष्णा अल्लावारू जी ने ध्वजारोहण कर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने, संगठन को मजबूत करने व जनहित में कार्य करने की शपथ दिलाई। इसके पश्चात देश भर से आए कार्यकर्त्ता और पदाधिकारी युवा कांग्रेस कार्यालय, 5 रायसीना रोड से जंतर-मंतर, नई दिल्ली तक आजादी की गौरव यात्रा में शामिल हुए।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी और एआईसीसी सह सचिव श्री कृष्णा अल्लावारू जी ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार से श्री राहुल गांधी जी देश के प्रत्येक शोषित वर्ग की आवाज हमेशा उठाते हैं, चाहे वह महिलाएं हों, किसान हों या मजदूर हों। उनसे ही प्रेरणा लेकर युवा कांग्रेस भी देश के प्रत्येक नागरिक के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और खड़ी रहेगी। भारतीय युवा कांग्रेस हमारे लोकतंत्र में युवाओं और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका में विश्वास करती है। युवा कांग्रेस में,द्ध सदस्यों ने भारत के लोगों के लिए लड़ने के लिए सभी बाधाओं में कभी पीछे नहीं हटे। हम इन सेवाओं को उसी उत्साह के साथ जारी रखेंगे। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने अपने संदेश में कहा कि युवा कांग्रेस की नींव पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने रखी थी।

एक कार्यकर्ता के तौर पर मुझे गर्व महसूस होता है कि जिस सेवा और समर्पण के उद्देश्य के साथ युवा कांग्रेस संगठन की स्थापना हुए थी, आज युवा कांग्रेस का हर एक कार्यकर्ता पूरी निष्ठां के साथ उस संकल्प को पूरा कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक प्रदेश की युवा कांग्रेस की इकाइयों ने भी स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम किए। इस अवसर पर राज्य सभा सांसद श्रीमती जेबी मैथर, भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और दिल्ली प्रभारी कोको पाढ़ी, राष्ट्रीय महासचिव संतोष कोलकुंडा, राष्ट्रीय सचिव और दिल्ली सह प्रभारी खुशबू शर्मा, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष रणविजय सिंह लोचव समेत अनेकों राष्ट्रीय पदाधिकारीगण और अनेकों कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

केजरीवाल घोषणाओं के हीरों और जमीनी काम में जीरो हैं : आदेश गुप्ता

केजरीवाल ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्हें स्कीम को स्कैम बनाने में महारथ हासिल है

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को झूठों का सरदार बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने आठ वर्षों के कार्यकाल में केवल घोषणाएं ही की है वास्तविकता में जनता के हाथ खाली थे और अभी भी खाली ही हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि केजरीवाल ऐसे मुख्यमंत्री हैं जिन्हें स्कीम को स्कैम बनाने में महारथ हासिल है।

आदेश गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आज एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल को 'घोषणाओं का हीरो

और जमीनी स्तर पर जीरो' बताते हुए कहा कि वे केवल प्रचार के दम पर देश भर में हवा-हवाई बातें करते हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली से बाहर जिन भी राज्यों में चुनाव होता है, वे मुफ्त शिक्षा, बेरोजगारी भत्ता, स्वास्थ्य, पानी, बिजली की बात करते हैं लेकिन ये सब घोषणाएं वे दिल्ली में लागू नहीं करते।

आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल सरकार को दिल्ली में किसने स्कूल, कॉलेज और अस्पताल खोलने से रोका है जो पिछले आठ सालों में एक भी नहीं खोल पाए हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने अपने कार्यकाल में 39 ऐसी योजनाओं की घोषणा की जिनका आज कुछ भी अता-पता नहीं है। इनमें वकीलों और युवाओं के लिए भी योजनाएं शामिल थीं। इसके अलावा कोरोना काल में सेवा के दौरान शहीद हुए डॉक्टरों को एक करोड़ रुपये देने, अनुसंधान योजना जैसी योजनाओं पर कोई काम नहीं हुआ।

आदेश गुप्ता ने कहा कि झुग्गी-झोपड़ी वालों को मकान नहीं मिला और दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू नहीं किया। इसके साथ ही 1797 अनाधिकृत कॉलोनियों में से केवल 353 में ही नल से पानी पहुंचाया जबकि सबको पानी देने की घोषणा की गई थी और दूसरे राज्यों में भी जाकर कहते हैं कि हमने सभी कॉलोनियों में नल से जल देने का काम कर दिया है। उन्होंने केजरीवाल पर आरोप लगाया कि केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने नई आबकारी नीति के तहत अपने दोस्तों को 8000 करोड़ रुपये का लाभ दिलाया है।

फेसबुक से दोस्त कर युवती से दुष्कर्म

नोएडा। एक युवक ने युवती से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती की और इसके बाद शादी का झांसा देकर उससे दुष्कर्म किया। इस मामले में पीड़िता ने गुरुग्राम थाने में शुन्य एफआईआर दर्ज कराई थी, जो अब वहां से ट्रांसफर होकर सेक्टर-49 थाने में आई है। जिसके बाद नोएडा पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरियाणा के गुरुग्राम निवासी युवती की कुछ साल पहले फेसबुक के माध्यम से एक युवक से दोस्ती हुई थी। इसके बाद युवक से उसकी मुलाकात होने लगी। आरोप है कि युवक ने उसे शादी करने का झांसा दिया और कुछ दिन पहले नोएडा सेक्टर-51 स्थित एक होटल में ले गया। इस दौरान युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद दोनों लिव इन रिलेशनशिप में रहे और युवती गर्भवती हो गई। युवती ने इस बात को युवक को बताया तो उसने उसे अपने परिजनों से भी मिलवाया और शादी करने की बात कहते हुए उसका गर्भपात करा दिया। आरोप है कि युवती ने जब युवक से शादी करने का दबाव बनाया तो युवक ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया है और उसके साथ अभद्रता भी की। पीड़िता ने इस मामले में गुरुग्राम थाने में शुन्य एफआईआर दर्ज कराई थी। घटना स्थल नोएडा सेक्टर-49 थाना का होने के कारण शुन्य एफआईआर को सेक्टर-49 थाने में ट्रांसफर किया गया है। जिसके बाद इस मामले में अब सेक्टर-49 थाना पुलिस आगे की जांच करने में जुटी है। सेक्टर-49 थाना पुलिस का कहना है कि गुरुग्राम थाने से शुन्य एफआईआर मिली है, घटना की जांच की जा रही है।

रोडवेज बसों में बहनों को मुफ्त सफर का तोहफा

नोएडा। मोरना स्थित नोएडा डिपो से रक्षाबंधन पर दो दिन बहनों को निशुल्क सफर का तोहफा मिलेगा। 11 और 12 अगस्त को बहने बसों में प्रदेश के किसी भी हिस्से में बस में निशुल्क सफर कर सकेंगी। डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक नरेश पाल सिंह ने कहा कि रात बजे से मुफ्त सफर की सुविधा शुरू हो जाएगी। जीरो मूल्य का टिकट बहनों को ईटीएम मशीन से दिया जाएगा। सभी परिचालकों को इस संबंध में दिशा निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि डिपो में 144 बसें हैं। सभी बसें 24 घंटे सड़कों पर दौड़ेंगी। 10 अगस्त से 15 अगस्त तक यात्रियों को बसों के अतिरिक्त फेरे की सुविधा मिलेगी।

एनएचपीसी ने पूर्व चेतावनी प्रणाली के लिए एक इंटरनेट क्लाउड आधारित सॉफ्टवेयर की शुरूआत की

फरिदाबाद। श्री ए.के. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने 8 अगस्त 2022 को एनएचपीसी निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में पूर्व चेतावनी प्रणाली (अर्ली वार्निंग सिस्टम-ईडब्ल्यूएस) के लिए एक इंटरनेट क्लाउड आधारित सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन की शुरूआत की। श्री वाई.के. चौबे, निदेशक (तकनीकी), श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त) तथा एनएचपीसी के क्षेत्रीय कार्यालयों, पावर स्टेशन, परियोजनाओं और इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया। सॉफ्टवेयर वास्तविक समय के आधार पर पहचान की गई संवेदनशील परियोजनाओं के अपस्ट्रीम और

डाउनस्ट्रीम में परियोजना/पावर स्टेशन के साथ निकट समन्वय के साथ-साथ नदियों के जल स्तर/बहाव की कड़ी निगरानी में सक्षम होगा। यह संबंधित परियोजना प्राधिकरणों/हितधारकों और स्थानीय प्रशासन को सावधान/चेतावनी जारी करेगा ताकि स्थानीय प्रशासन और लोगों को बाढ़ से पहले खाली करने या आश्रय के लिए सक्रिय किया जा सके तथा बाढ़ के दौरान लोगों को प्रतिक्रिया करने के लिए समय दिया जा सके।

जलविद्युत परियोजनाएं आमतौर पर पहाड़ी क्षेत्रों में अवस्थित होती हैं और कई प्रकार की आपदाओं जैसे भूस्खलन, बादल फटना, बाढ़, हिमस्खलन, जीएलओएफ (ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड), एलएलओएफ (लैंडस्लाइड लेक आउटबर्स्ट फ्लड) आदि के लिए संवेदनशील होती हैं। हाल के वर्षों में, हिमालयी क्षेत्र में कई आपदाएँ देखी गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में अचानक बाढ़ आ गई जिसमें कई लोगों की जान चली गई है और जलविद्युत परियोजनाएं और अन्य बुनियादी ढाँचे क्षतिग्रस्त हो गए। फरवरी 2021 में उत्तराखंड के चमोली जिले में एक प्राकृतिक आपदा आई थी, जिसमें कुछ जलविद्युत परियोजनाएं भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और मानव जीवन और संपत्ति का बहुत नुकसान हुआ था। तत्पश्चात् विद्युत मंत्रालय (एमओपी) ने ऐसी संवेदनशील परियोजनाओं में अल्पकालिक और दीर्घकालिक मौसम पूर्वानुमान और पूर्व चेतावनी प्रणाली (ईडबल्यूएस) स्थापित करने के लिए एक समिति का गठन किया। इसके बाद, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने देश भर में 47 संवेदनशील परियोजनाओं की पहचान की जो आम तौर पर ईएल 1500 मीटर की ऊंचाई से ऊपर स्थित हैं या जो उस बेसिन में पहले हैं। इनमें से 10 एनएचपीसी लिमिटेड के और 2 सीवीपीपीपीएल (एनएचपीसी और जेकेएसपीडीसी के बीच एक संयुक्त उद्यम कंपनी) के हैं। सीईए/एमओपी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, ऐसी परियोजनाओं को बांध/बैराज की उचित दूरी पर गेज और डिस्चार्ज साइटों पर टेलीमेट्री के साथ स्वचालित जल स्तर रिकॉर्डर के रूप में पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करने का या अपस्ट्रीम परियोजनाओं के साथ करीबी समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया गया था ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में सुरक्षा उपाय करने के लिए परियोजना अधिकारियों को पर्याप्त समय मिल सके।

संपादकीय

महिला खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है मीराबाई चानू की सफलता

मणिपुर के नोंगपेक काकचिंग गांव में 8 अगस्त 1994 को जन्मी मीराबाई चानू हालांकि बचपन में तीरंदाज बनना चाहती थी लेकिन शायद उनकी किस्मत को कुछ और ही मंजूर था, जो उसे वेटलिफ्टिंग की ओर ले गई। राष्ट्रमंडल खेलों का समापन हो गया है और इस बार के राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय भारोत्तोलकों ने जिस प्रकार भारतीय झंडे को ऊंचा रखा, वह देश के लिए गर्व की बात है। वेटलिफ्टिंग में 55 किलोग्राम भारवर्ग में संकेत ने रजत पदक जीता, जो इस बार के राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का पहला पदक था। 61 किलोग्राम भारवर्ग में 269 किलोग्राम भार उठाकर गुरुराजा ने कांस्य पदक जीता। उसके बाद महिलाओं के 49 किलोग्राम भार वर्ग में मीराबाई चानू ने स्वर्ण पदक जीतकर तो इतिहास रच दिया क्योंकि राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का यह पहला स्वर्ण पदक था। बर्मिंघम में सोना जीतने वाली मीराबाई चानू भारत की पहली महिला और जेरेमी लालरिनुंगा देश के पहले पुरुष एथलीट बने। जहां तक मीराबाई की बात है तो उन्होंने 2018 में गोल्डकोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में भी सोना जीता था और पिछले साल टोक्यो ओलम्पिक में रजत पदक जीत चुकी हैं। मीराबाई कॉमनवेल्थ गेम्स में शुरू से ही विश्वास से भरी नजर आ रही थी और उन्होंने स्नैच राउंड के बाद ही 12 किलो की भारी-भरकम बढ़त बना ली थी। वह शुरू से ही स्वर्ण पदक की पोजीशन पर बरकरार थी और 49 किलोग्राम भार वर्ग में 201 किलो वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स में सोना जीतकर उन्होंने इस श्रेणी में नया रिकॉर्ड भी बनाया। दरअसल चानू ने स्नैच में 88 किलो जबकि क्लीन और जर्क में 113 किलो वजन उठाया। स्नैच का इस श्रेणी में यह राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड है। अपने पहले प्रयास में मीराबाई चानू ने स्नैच में 84 किलो वजन उठाया और दूसरे प्रयास में वह 88 किलो वजन उठाकर स्वयं के ही सर्वश्रेष्ठ की बराबरी करने में सफल रही। हालांकि उन्होंने तीसरे प्रयास में 90 किलो वजन उठाने का भी प्रयास किया लेकिन उसमें सफल नहीं हुई। राष्ट्रमंडल खेलों में पूरे देश को उनसे ऐसे ही स्वर्णिम प्रदर्शन की उम्मीद थी। सोना जीतने पर प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें असाधारण बताते हुए कहा है कि प्रत्येक भारतीय बर्मिंघम खेलों में उनके नया रिकॉर्ड बनाने तथा स्वर्ण पदक जीतने से हर्षित है और उनकी यह सफलता अनेक भारतीयों के लिए प्रेरणा है, खासकर उभरते खिलाड़ियों के लिए। मणिपुर की 27 वर्षीया स्टार वेट लिफ्टर मीराबाई चानू की यह जीत भारत के लिए इसलिए भी बड़ी उपलब्धि है क्योंकि उन्होंने इन खेलों में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीतकर हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा किया है। इससे पहले पिछले साल ओलम्पिक खेलों में भी रजत पदक जीतकर उन्होंने भारत को गौरवान्वित किया था। चानू पीवी सिंधू के बाद दूसरी ऐसी भारतीय महिला खिलाड़ी हैं, जिसने ओलम्पिक के अब तक के इतिहास में रजत पदक जीता। टोक्यो ओलम्पिक के पहले ही दिन चानू की जीत भारत के लिए इसलिए भी गौरवान्वित करने वाली थी क्योंकि इससे पहले भारत ओलम्पिक खेलों में पहले दिन कभी कोई पदक जीतने में सफल नहीं हुआ था। चानू की ऐतिहासिक जीत के बाद भारत पदक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया था और ऐसी उपलब्धि देश को उससे पहले कभी हासिल नहीं हुई थी। हालांकि 2016 के रियो ओलम्पिक में हार के बाद चानू को गहरा सदमा लगा था और उस हार के बाद वह इस कदर टूट गई थी कि उन्हें लगने लगा था कि ओलम्पिक में उनका सफर वहीं खत्म हो गया है। उस हार के बाद चानू मंच से रोती हुई गई थी लेकिन टोक्यो ओलम्पिक के लिए उनके बुलंद हौंसलों का परिचय तभी मिल गया था, जब उन्होंने ओलम्पिक की तैयारी के दौरान सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट में लिखा था, 'मेहनत लगती है, चोट भी लगती है, असफलता का अनुभव होता है....लेकिन सफलता की राह कभी भी किसी के लिए आसान नहीं होती!' रियो ओलम्पिक की हार की हताशा से उबरने के बाद चानू बुलंद हौंसलों के साथ ऐसी 'आयरन लेडी' बनकर उभरी कि ओलम्पिक में भारोत्तोलन में उन्होंने न केवल भारत का 21 वर्ष का सूखा खत्म किया बल्कि भारोत्तोलन में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी भी बनी।

अमृत महोत्सव के जश्न में, कहाँ खड़े हैं आज हम?

(विश्व की उदीयमान प्रबल शक्ति के बावजूद भारत अक्सर वैचारिक ऊहापोह में घिरा रहता है. यही कारण है कि देश के उज्ज्वल भविष्य और वास्तविकता में अंतर दिखाई देता है. हालांकि भारत महाशक्ति बनने की प्रक्रिया में प्रमुख बिंदुओं पर खरा उतरता है, लेकिन व्यापक अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में घरेलू मुद्दों के कारण वह कमजोर पड़ जाता है। बिना साक्षरता के कोई भी देश आगे नहीं बढ़ सकता। ऐसे में सभी शिक्षित हों तभी सारी समस्याओं से आजादी पाई जा सकती है। साक्षरता के साथ-साथ देश भर में बढ़ती बेरोजगारी युवाओं को गुलामी का अहसास देती है, आखिर वो कब इस से आजाद होगा।)

-सत्यवान सौरभ

भारत ने वैश्विक पहचान हासिल करने के लिए ढेर सारी चुनौतियों को पार करते हुए दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों में से एक बनने के लिए छोटे कदम उठाए। भारत ने आजादी के बाद से एक लंबा सफर तय किया है, कई सही और गलत फैसलों से परहेज किया है, जो कई ऐसे स्थलों को पीछे छोड़ता है जो विभाजन की पीड़ा से एक मजबूत, शक्तिशाली और विकासशील राष्ट्र की यात्रा को परिभाषित करते हैं। हाल ही के दशकों में भारत धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय स्थान पर ऊपर चढ़ता जा रहा है और इसके कारण विश्व की एक प्रमुख महाशक्ति के रूप में इसका वैश्विक प्रभाव भी नजर आने लगा है. पिछले चार दशकों में एक जबरदस्त ताकत के रूप में उभरकर सामने आया है और भारत ने भी काफ़ी ऊँचाइयाँ हासिल कर ली हैं. इसके कारण विश्व की आर्थिक शक्ति का केंद्र यूरोप और उत्तरी अमेरिका से हटकर एशिया की ओर स्थानांतरित होने लगा है.

उदीयमान प्रबल शक्ति के बावजूद भारत अक्सर वैचारिक ऊहापोह में घिरा रहता है. यही कारण है कि देश के उज्ज्वल भविष्य और वास्तविकता में अंतर दिखाई देता है. हालांकि भारत महाशक्ति बनने की प्रक्रिया में प्रमुख बिंदुओं पर खरा उतरता है, लेकिन व्यापक अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में घरेलू मुद्दों के कारण वह कमजोर पड़ जाता है. हालांकि भारत के कई नेता गति को आगे बढ़ाने और सामाजिक राजनीतिक संकट से बचने में विफल रहे, यह भी राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता की कमी का मामला था। भारत में विविधता के कारण, कहीं न कहीं आना मुश्किल है। हालांकि, अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) यानी एक समान नागरिक संहिता लगने के प्रयासों को रूढ़िवादी वर्गों के प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिन्होंने दावा किया कि इससे सांप्रदायिक वैमनस्य पैदा होगा।

पानी की तरह किलोमीटर पर भारत में भाषा बदल जाती है। इसलिए,हिंदी केवल आधिकारिक भाषा के रूप में लाना मुश्किल था और 1965 में तमिलनाडु के हिंदी-विरोधी आंदोलन जैसे हिंसा और गरमागरम बहस देखी गई। जनसंख्या नियंत्रण कानून 2019 का जनसंख्या नियंत्रण विधेयक, जिसे 2022 में वापस ले लिया गया था। दो संतान नीति को आजादी के बाद से 35 बार संसद में पेश किया गया है। इन मसौदे की आम जनता द्वारा भारी आलोचना की गई थी। कृषि अर्थशास्त्री और अन्य हितधारक दशकों से कृषि बाजार में सुधार की वकालत कर रहे हैं। इसने संकट से बचने के लिए तीन प्रमुख कृषि सुधार कानून जिन्हें निरस्त कर दिया गया को फिर से चुपके मोड में आगे बढ़ाने के बारे में सरकार को झिझक दिया। लेबर कोड पर नियम आज तक टाले गए। कोड के परिणामस्वरूप कम टेक-होम पे और आसान छंटनी होगी। नि:संदेह सरकार को सुधार के मार्ग पर बहुत सावधानी से चलना होगा।

लोकतंत्र की सफलता में पहला है मतदान को अनिवार्य बनाना, जैसा कि कम से कम 30 लोकतंत्रों में किया गया है, जिससे मतदान प्रतिशत बढ़कर 90 प्रतिशत से अधिक हो गया है। वर्तमान में, भारत में मतदान प्रतिशत कम है। आईपीसी की धारा 124ए का घोर दुरुपयोग एक उपहास है लेकिन अधिकांश राजनीतिक दल नहीं चाहते कि कानून के इस प्रावधान को हटाया जाए। सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम के लिए राज्य सशस्त्र पुलिस और केंद्रीय अर्ध-सैन्य पुलिस का उपयोग करना चाहिए। घुसपैठ, भाड़े के सैनिकों, आतंकवादियों और आतंकवादियों से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के नागरिक क्षेत्रों से सशस्त्र बलों को अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास ले जाने के लिए अधिनियम को हटाना एक मजबूत मामला है।

राजनीतिक हस्तक्षेप और पुलिस जांच में अपर्याप्तता को देखते हुए, भारत ने औपनिवेशिक काल से यूरोप में प्रचलित जिज्ञासु प्रणाली में आरोप लगाने वाली प्रणाली से एक संरचनात्मक परिवर्तन करने का समय आ गया है। जस्टिस वी.एस. मलीमथ ने रिफॉर्म ऑफ क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम पर अपनी रिपोर्ट में भी इसका सुझाव दिया है।

जीएम खाद्य फसलों के लिए भारत अभी भी आनुवंशिक रूप से इंजीनियर या आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव (जीएम) फसलों पर अनिर्णीत है। राजनीतिक इच्छा देश की खाद्य सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी सहित एक आधुनिक कृषि नीति ढांचे को अपनाने और लागू करने की कमी है। राजनीतिक प्रतिष्ठान ने राजनीतिक कार्यकर्ता आंदोलन से खुद को बचा लिया है। भारत में सामाजिक राजनीतिक अशांति के बावजूद नेताओं द्वारा कई कठोर निर्णय सुधार किए गए जैसे 1991 के सुधारों के दौरान नेताओं की राजनीतिक इच्छाशक्ति को याद रखना चाहिए। हम उस नेतृत्व की सराहना करते हैं जिसने भारत को चट्टान से गिरने से बचाया और भुगतान संकट के आसन्न संकट के साथ फंड और बैंक की मजबूरी के तहत सुधारों का प्रबंधन किया।

1960 में भारत में हरित क्रांति ने गेहूं और दालों की अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास के साथ खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि देखी। 1976 सामूहिक नसबंदी अभियान संजय गांधी द्वारा शुरू किया गया था और एक वर्ष में लगभग 6.2 मिलियन पुरुषों की नसबंदी की गई थी, जिसमें लगभग 2000 लोग सर्जरी के कारण मारे गए थे। 1990 वीपी सिंह सरकार द्वारा कुछ जातियों को जन्म के आधार आरक्षण पर सरकारी नौकरी देने के विरोध में पूरा देश विरोध की चपेट में था, बावजूद इसके निर्णय जारी रहा। भारत ने 1998 में पोखरण में परमाणु बम परीक्षण किए, ऑपरेशन शक्ति कोडनेम के साथ निरस्त्रीकरण के वैश्विक दबाव में कठोर निर्णय लिया। इसने भारत को एक पूर्ण परमाणु राष्ट्र बना दिया। 2016 में, सरकार ने 500 रुपये और 1,000 रुपये के नोटों के विमुद्रीकरण की घोषणा की। कई किसान, व्यापारी और युवा वर्ग सभी आंदोलन कर रहे थे लेकिन काले धन के खिलाफ एक कदम के रूप में इसे आगे बढ़ाया गया माल और सेवा कर- यह प्रमुख केंद्रीय और राज्य करों को शामिल करने के बाद परिणामी कर था। कश्मीर की पहेली सुलझाना राज्य के पूर्ण एकीकरण के लिए अनुच्छेद 370 का निरस्तीकरण लंबे समय से लंबित था और इसे जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर सीधे रिकॉर्ड स्थापित करने के लिए सालों पहले किया जाना चाहिए था।

आज़ादी के बाद सबसे महत्वपूर्ण सबक यह है कि सुधारों की प्रक्रिया को अधिक परामर्शी, अधिक पारदर्शी और संभावित लाभार्थियों को बेहतर ढंग से संप्रेषित किया जाना है। यह समावेशिता ही है जो भारत के लोकतांत्रिक कामकाज के केंद्र में है। हमारे समाज की तर्कशील प्रकृति को देखते हुए, सुधारों को लागू करने में समय और विनम्रता लगती है। लेकिन ऐसा करना सुनिश्चित करता है कि हर कोई जीत जाए। भारत को विकसित बनाने के लिए हमें पांच प्रमुख क्षेत्रों में पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने की जरूरत है। इनमें कृषि और खाद्य प्रसंस्करण, शिक्षा व स्वास्थ्य सुरक्षा, सूचना व संचार तकनीक, भरोसेमंद इलेक्ट्रॉनिक पॉवर, महत्वपूर्ण तकनीक में आत्मनिर्भरता। ये पांचों क्षेत्र एक-दूसरे से जुड़े तो हैं ही, एक-दूसरे पर प्रभाव भी डालते हैं। इसलिए इनमें बेहतर सामंजस्य होना चाहिए। यह देश की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बहुत जरूरी है। इसके साथ ही हममें यह सकारात्मक सोच भी होनी चाहिए कि हम कुछ नया अविष्कार करके ही अपने देश में अच्छा बदलाव ला सकते हैं, क्योंकि विज्ञान और तकनीक से ही मानव कल्याण, शांति और खुशहाली आ सकती है।

छोटे से छोटे भ्रष्टाचार का सीधा प्रभाव जनता पर पड़ता है। करप्शन फ्री इंडिया के सपने को साकार करने के लिए इंडिया बात करने लगा है। कभी फिल्म और स्पोर्ट्स में दिलचस्पी रखने वाला भारत अब भ्रष्टाचार मुक्त देश बनना चाहता है। आज भी भारत में बहुत से स्थान ऐसे हैं जहां लड़कियों को सिर्फ इस लिए नहीं पढ़ने दिया जाता क्यों कि वो लड़की हैं। ऐसे भी ये कहना गलत नहीं होगा कि इस देश का हर नागरिक स्वतंत्र नहीं है। यदि वास्तव में देश को आगे बढ़ाना है तो लिंग भेद को समाप्त करना होगा। आज का भारत मर्डर, रेप जैसे बड़े क्राइम्स के साथ साथ बहुत से छोटे क्राइम्स से भी परेशान है। कहीं न कहीं इन क्राइम्स के पीछे एक बड़ा कारण बेरोजगारी भी है लेकिन सोच बदलकर कर रोजगार मुहैया करवाकर क्राइम पर कंट्रोल किया जा सकता है।

देश जितना हिन्दू- मुसलमान सोशल मीडिया पर दिखाई देता है उतना है नहीं। आज का भारत किसी के बहकावे में आने वाला नहीं है। बदलते भारत के लोगों में अपने विवेक के आधार पर निर्णय करके देश को प्राथमिकता देने जैसी बातें प्रमुखता से सामने आईं।

बिना साक्षरता के कोई भी देश आगे नहीं बढ़ सकता। ऐसे में सभी शिक्षित हों तभी सारी समस्याओं से आजादी पाई जा सकती है।। साक्षरता के साथ-साथ देश भर में बढ़ती बेरोजगारी युवाओं को गुलामी का अहसास देती है, आखिर वो कब इस से आजाद होगा। अमृत महोत्सव के जश्न में डूबे, कहाँ खड़े हैं आज हम? सोचना होगा।

स्वाधीनता की अंतर्निहित शक्ति को आत्मसात कर वैश्विक नेतृत्व की जिजीविषा पैदा करें

हमें स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्ष हो चुके हैं । हम स्वाधीनता का अमृत महोत्सव वर्ष मना रहे हैं पर इस अमृत महोत्सव के पीछे हमें यह नहीं भूलना है कि भारत देश अब एक स्वतंत्र, आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है। अब समय आ गया है कि भारत के तमाम बुद्धिजीवियों,नौजवानों के वैज्ञानिकों और शिक्षित देशवासियों को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर होने की क्षमता को द्विगुणित करना होगा और विश्व के एक प्रबल नेता की तरह हमें अपनी शक्ति प्रदर्शित करनी होगी। कई वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेको जीवन का बलिदान देने और विभिन्न कठोर संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस स्वतंत्रता और स्वाधीनता के मूल्य और इसकी अंतर्निहित शक्ति को देश के नौजवानों,शिक्षित नागरिकों को आत्मसात कर इसे पहचानना होगाद्य समाज के हर वर्ग की खून पसीने और पीढीयों के संघर्ष के बाद प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है। स्वतंत्रता के महत्व को समझ कर भारत को वैश्विक स्तर पर श्रेष्ठतम मुकाम पर पहुंचाना होगा तब जाकर स्वाधीनता के सही मायने फलीभूत होंगे। हमें स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष और बलिदान को किसी भी क्षणों में नहीं भुलाना चाहिए, हमें हाथ में रखकर किसी ने परोस के स्वतंत्रता नहीं दी है, इसके लिए बहाये हुए खून पसीने को विस्मृत न कर के इस की आन बान शान को हमेशा ऊंचा रखना होगा। कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए इसके लिए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा। स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग-अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर ,मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं । कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी,मराठी,तेलगु,और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं। मूलत: हमें राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिकता के विद्वेष, ईर्ष्या, जलन और सीमा तथा भाषाई विवाद से परे हटकर देश में अखंडता, सांप्रदायिक सद्भावना का एक शुद्ध वातावरण समाज में तैयार करना होगा, जिसके फलस्वरूप हम विकास की मुख्यधारा में अपना व्यक्तिगत योगदान राष्ट्र के प्रति दे संके। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि भारत संपूर्ण विश्व में एक अकेला ऐसा राष्ट्र है जहां मंदिरों ,मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों का एक एकात्मक सह अस्तित्व कायम है। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति सद्भावना एवं किसी भी राष्ट्र की अखंडता एकता एकरूपता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। आतंकवादी कभी अमेरिका और कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक प्रदेशों को अपना निशाना बनाकर आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं और आतंकवाद ने कई राज्यों में अपार जनहानि तथा संपत्ति की क्षति पहुंचाई है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्रीय एकता अखंडता को भंग करने का पुरजोर प्रयास किया है। राजनीतिक पार्टियों के मंसूबों तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं के कारण भी अलग-अलग जातियों संप्रदाय तथा पूजा के पवित्र स्थानों को लेकर समाज को अलग करने का बीजारोपण भी किया है। राजनीतिक पार्टियों के चंद राजनेता वोट बैंक बनाने के लिए कभी अल्पसंख्यकों में अलगाव के बीच बोलने का प्रयास करते हैं। कभी आरक्षण के नाम पर पिछड़े वर्गों को देश की मुख्यधारा से बहकाने का प्रयास करते हैं, और कभी किसी विशेष जाति प्रांत या भाषा के हकदार बन कर देश की एकता, अखंडता को खंडित करने का पुरजोर प्रयास करते हैं। यह अत्यंत निंदनीय एवं चिंतनीय सामाजिक पहलू है, जिस संदर्भ में हमें गहन विचार करने की आवश्यकता भी है। सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य वर्ग सुचारू रूप से भाईचारे में अखंड विश्वास रखते हैं एवं सामान्य जीवन करने में विश्वास रखते हैं।

रक्षाबंधन के दिन दिखना है स्टाइलिश तो ट्राई करें ये ऑउटफिट आइडियाज

प्रिया मिश्रा

रक्षाबंधन से पहले ही महिलाऐं तैयारियाँ शुरू कर देती हैं। हर किसी के मन में बस यही ख्याल होता है कि वह सबसे सुंदर दिखे। अब मौका इतना खास है तो, आपकी ड्रेस भी खास होनी चाहिए। अगर आप भी इस बात को लेकर कन्फ्यूज हैं कि रक्षाबंधन पर क्या पहनें तो यह लेख जरूर पढ़ें। रक्षाबंधन का दिन भाई और बहन दोनों के लिए बेहद खास होता है। लेकिन लड़कियों को इस दिन का खास इंतज़ार होता है। रक्षाबंधन पर महिलाऐं सजती-संवरती हैं और अपने भाइयों को राखी बांधती हैं।

आज के इस लेख में हम आपको रक्षाबंधन के लिए कुछ स्टाइलिश ऑउटफिट आइडियाज देने जा रहे हैं -

रक्षाबंधन पर आप लॉन्ग स्कर्ट और शर्ट पहन सकती हैं। आप प्रिंटेड लॉन्ग स्कर्ट को व्हाइट शर्ट के साथ पेयर कर सकती हैं। इसके साथ सिल्वर या ऑक्सीडाइज्ड ज्वेलरी पहनें। आप चाहें तो क्रॉप टॉप के साथ भी लॉन्ग स्कर्ट पहन सकती हैं। इसके साथ आप चोकर नेकलेस पहनकर अपने लुक को एन्हांस कर सकती हैं। अगर आप रक्षाबंधन कोई नया लुक ट्राई करना चाहती हैं तो धोती पैंट्स पहन सकती हैं। आप इसके साथ कुर्ती या टॉप पहन सकती हैं। आप चाहें तो धोती पैंट्स को साड़ी के साथ भी पेयर कर सकती हैं। इस लुक में आप बेहद स्टाइलिश और स्मार्ट नज़र आएंगी। किसी भी लड़की के लिए उसकी माँ या दादी-नानी की साड़ी बेहद खास होती है इस बार रक्षाबंधन पर आप माँ की कॉटन साड़ी पहन सकती हैं। अपने लुक को ग्लैमअप करने के लिए आप कॉटन साड़ी को क्रॉप टॉप या ब्रालेट के साथ पेयर कर सकती हैं। चाहे कोई तीज-त्योहार हो या शादी-ब्याह का मौका हो, सूट-सलवार हर लड़की की पहली पसंद होती है। आप रक्षाबंधन पर प्लाज़ो सूट या सलवार सूट पहन सकती हैं।

कृषि और उद्योग की तरह सेवा क्षेत्र में भी आ रहा है जोरदार उछाल

प्रह्लाद सबनानी

100 से अधिक नगरों को स्मार्ट सिटी योजना में शामिल किया गया है एवं इन शहरों में निर्माण कार्य लगातार जारी हैं। इसी प्रकार वर्ष 2024 तक पूरे भारत में निवासरत परिवारों के हर घर में जल नल के माध्यम से पहुंचाए जाने की योजना पर भी बहुत द्रुत गति से कार्य चल रहा है। कोरोना महामारी के काल में भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे बुरी तरह से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में सेवा क्षेत्र ही था। कृषि क्षेत्र ने तो अर्थव्यवस्था के इस बुरे दौर में भी लगातार वृद्धि दर बनाए रखी थी, परंतु उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों ने ऋणात्मक वृद्धि दर अर्जित की थी। सेवा क्षेत्र का वापस पटरी पर लौटना पूरे देश के लिए ही एक अच्छी खबर है क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का योगदान लगभग 60 प्रतिशत का है। सेवा क्षेत्र में तेज वृद्धि दर हासिल करने का आशय यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था और भी तेज गति से आगे दौड़ने लगेगी एवं सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर को 10 प्रतिशत से भी आगे ले जाने की सम्भावना प्रबल हो सकेगी। वैसे कोरोना महामारी के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार तेजी से आगे बढ़ रही है। अभी हाल ही में एसएंडपी ग्लोबल संस्थान द्वारा जारी की गई एक जानकारी के अनुसार, भारत में सेवा क्षेत्र में गतिविधियां जून 2022 माह में पिछले 11 वर्षों के कार्यकाल में सबसे तेज गति से बढ़ी हैं। यह भारत में अन्य क्षेत्रों यथा कृषि एवं उद्योग क्षेत्रों में मांग बढ़ने के चलते सम्भव हो सका है। सेवा क्षेत्र का पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (सेवा पीएमआई) मई 2022 माह के 58.9 से बढ़कर जून 2022 माह में 59.2 हो गया है, जो अप्रैल 2011 माह के बाद का सबसे उच्च स्तर है। उल्लेखनीय है कि सेवा पीएमआई 50 अंक से ऊपर रहने का आशय है कि सेवा क्षेत्र के विकास में वृद्धि हो रही है एवं इसके 50 के नीचे रहने का आशय होता है कि सेवा क्षेत्र के विकास में कमी आ रही है। भारत के सेवा क्षेत्र में अप्रैल-जून 2022 की तिमाही के अंतिम माह अर्थात जून 2022 में नये कार्यों में तेजी आई है और यह वृद्धि दर पिछले 11 वर्षों के दौरान सबसे अधिक पाई गई है। सेवा क्षेत्र में न केवल ग्राहकों का आधार बढ़ा है बल्कि इसके विपणन में भी बेहतरी पाई गई है। हर्ष का विषय यह है कि एक अन्य अनुमान के अनुसार सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में यह वृद्धि अगले 12 महीनों तक जारी रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। कोरोना महामारी के दौर के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार आ रही बेहतरी के चलते यह संभव हुआ है। उपभोक्ता सेवाओं में जून 2022 माह में आउटपुट और नए ऑर्डर दोनों में ही तेज वृद्धि दर्ज हुई है। इसी प्रकार, भारत में विनिर्माण गतिविधियों में प्रगति की जानकारी देने वाला मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जून 2022 माह के मुकाबले मजबूत होकर जुलाई 2022 माह में 56.4 पर पहुंच गया है। जोकि जून 2022 माह में 53.9 पर था। पिछले 8 माह के दौरान पीएमआई में हुई यह सबसे तेज वृद्धि दर है। भारत में औद्योगिक क्षेत्र में उत्पादन में लगातार हो रहे सुधार, अधिक ऑर्डर मिलने और रोजगार में लगातार हो रही वृद्धि के कारण जुलाई 2022 माह में पीएमआई और भी बेहतर स्थिति में पहुंच गया है। औद्योगिक उत्पादन के साथ ही जून 2022 माह में 8 बुनियादी क्षेत्र के उत्पादन में भी आकर्षक 12.7 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की गई है, जबकि पिछले वर्ष जून 2021 माह में इसमें 9.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा सकी थी। भारत के सेवा क्षेत्र एवं औद्योगिक क्षेत्र में तेज विकास दर मुख्य रूप से केंद्र सरकार द्वारा चालू की गई आधारभूत संरचना से सम्बंधित विभिन्न योजनाओं के चलते सम्भव हो सकी है। भारत में नए नए फ़्लाइओवर बन रहे हैं, नए नए एक्स्प्रेसवेज बनाए जा रहे हैं, दो लेन एवं चार लेन वाली सड़कों का तो जैसे जाल ही बिछा दिया गया है, लाखों गांवों को पक्की सड़कें बनाकर शहरों के साथ जोड़ दिया गया है। पुरानी सड़कों का चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है।

डेमोक्रेसी से पार्टीक्रेसी की ओर बढ़ती राजनीतिक व्यवस्था

तरुण कुमार

देशवासियों वर्तमान में स्थापित सभी राजनीतिक दल अब लोकतंत्र की मर्यादाओं को मूलत: भूल चुके हैं। हमने देखा किस तरह से सरकार गिराने और बनाने का खेल पहले कर्नाटका में हुआ फिर मध्यप्रदेश में हुआ उसके बाद महाराष्ट्र में हुआ और आज हमने देखा किस तरीके से बिहार में सत्ता परिवर्तन होने अब जा रहा है। साथियों इन सभी स्थापित राजनीतिक दलों ने भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को डेमोक्रेसी से एक डांसिंग डेमोक्रेसी के रूप में बदल दिया है। अब देश में राजनीतिक लोग सत्ता के तहत सिर्फ अपनी पार्टियों को चला रहे हैं। उनको देश और समाज से कोई मतलब अब नहीं रहा है। इससे भी ज्यादा दुर्भाग्य की बात यह है कि महाराष्ट्र में जो खेल हमने देखा, किस तरीके से लगभग 40 से अधिक एमएलए को आसाम में पाँच सितारा होटल में ठहराया गया कितने करोड़ों रुपए इस पूरे ऑपरेशन में खर्च हुए हैं उस पर सवाल पूछने वाला कोई नहीं है। और उसके बाद अगर महाराष्ट्र की ही बात करें तो 39 दिन तक महाराष्ट्र में कैबिनेट का गठन नहीं होता है। यह भी एक लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्य की बात है। सत्ता परिवर्तन करना किसी भी तर्ज पर और लोकतंत्र के मूल्यों को धराशाही करना अब राजनीति में आम बात हो चुकी है। अब सबसे बड़ा सवाल देश के नागरिकों के सामने यह खड़ा है। कि जिस तरीके से जब राजनीतिक दलों का मन चाहता है वह किसी के भी साथ गठबंधन कर सत्ता परिवर्तन कर देते हैं तो उसका समाधान क्या है?

इसका समाधान है सिर्फ एक ही तरीके से निकल सकता है जब समाज सत्ता इतनी मजबूत हो जाए कि समाज के लोगों के हाथ में ही राजनीतिक लोगों की और राजनीतिक दलों की लगाम रहे। जितनी तेजी से लोकतांत्रिक मूल्य देश में धराशायी होते जा रहे हैं और जिनको धराशायी करने में सभी राजनीतिक दल बहुत अग्रसर हो कर आगे बढ़ रहे हैं यह किसी भी रूप में देश हित और समाज हित में नहीं है।

समाज के प्रति राजनेताओं की जवाबदेही खत्म होने के कारण और समाज सत्ता के कमजोर होने के कारण वर्तमान के पूरे राजनीतिक व्यवस्था में सभी राजनीतिक दल और राजनेता बेलगाम हो चुके हैं। इसीलिए राजनेताओं की समाज के प्रति जवाबदेही को सुनिश्चित रखने के लिए समाज का मजबूत होना और एकजुट होना अनिवार्य है। अन्यथा जो जनता का शोषण हमें देखने को मिल रहा है वह इसी प्रकार जारी रहेगा। और जिस प्रकार हमारी पूरी चुनाव प्रक्रिया बनती जा रही है उसमें भी सुधार और जन केंद्रित नीतियों का लागू करना तभी संभव है जब समाज सत्ता मजबूत होगी और समाज एकजुटता के साथ राजनेताओं की जवाबदेही को सुनिश्चित करेगा। की वर्तमान की चुनाव प्रक्रिया में पैसे का उपयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। और जितनी तेजी से पूरी राजनीति का एक तरह से कॉरपोरेटिकरण लगातार हो रहा है उससे मूलत: मजदूर,आदिवासि, किसान, निम्न वर्ग और मध्यम वर्ग शोषण का शिकार होता चला जा रहा है। और यह वह वर्ग है जो अधिकांश मेहनतकश वर्ग में गिना जाता है। और इसी वर्ग का सबसे ज्यादा अधिक शोषण हो रहा है। इतना ही नहीं मध्यमवर्ग ही वह वर्ग है जो देश में सबसे ज्यादा टैक्स देता है। और उसी वर्ग का सबसे ज्यादा शोषण भी होने लगा है। महंगाई के चलते जिस तरीके से हमने देखा किस प्रकार जीएसटी को बढ़ाया गया जो सीधे तौर पर यह दर्शा रहा है कि मध्यम वर्ग के ऊपर अब दोहरी मार पड़ने वाली है। लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है महंगाई, आर्थिक असमानताओं का बढ़ना, बेरोजगारी दरों का बढ़ना जैसे विषयों पर चर्चा करने की प्राथमिकता अब राजनीति से पूर्णता खत्म हो चुकी है। क्योंकि राजनीतिक दलों का मुख्य उद्देश्य आज के समय सिर्फ सरकार बनाना, सरकार गिराना खुद को सत्ता में कायम करने और चुनाव जीतने तक सीमित हो चुका है। जिस तरीके से लगातार देश में आर्थिक स्थितियां नाजुक हो चली है7 और मध्यम और निम्न वर्ग के पास नौकरियां घट रही है और अगर किसी के पास नौकरी है तो उसकी आमदनी घट रही है। जिसका प्रमाण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की economic Advisory council देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की economic Advisory council के अध्यक्ष विवेक देबरॉय के अनुसार, मासिक 25,000 रुपये कमाने वाले लोग भारत के शीर्ष 10त्न में शामिल हैं। यह दर्शाता है कि देश और समाज राजनेताओं से इन विषय पर सरकारों से संवाद और समाधान चाहता है। परंतु वर्तमान में जो स्थिति हमें देखने को मिल रही है वह उम्मीद से विपरीत हो चलि है। राजनेताओं कि प्रथमिकता सरकार गिरना और लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ा कर सत्ता में आसीन रहने तक सीमित हो चुके हैं। उसको अब हमें बदलने की जरूरत है और उसका रास्ता सिर्फ एक ही है वह यह है कि समाज के लोगों को एकजुटता के साथ एक स्वर में अपने मुद्दों के आसरे ही पूरी राजनीतिक व्यवस्था को चलाने के लिए राजनेताओं को बाध्य करना होगा। अन्यथा जनमानस का इसी प्रकार शोषण जारी रहेगा और राजनेताओं कि कार्यशैली से जनता और समाज के मुद्दों चर्चा खतम हो जाएगी। और देश के अधिकांश लोग बुनियादी सुविधाएं जैसे पढ़ाई, कमाई, दवाई से भी वंचित होते चले जाएगे।

इसलिए राजनेताओं कि जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए समाज को जाति, धर्म, प्रांत, भाषा सभी को एक तरफ कर सामाजिक ताने बने को मज़बूत कर समाज सत्ता के जरिए राजनेताओं कि लगाम अपने हाथों में रखनी होगी। यहि सही मायने में देशहित और राष्ट्रभक्ति है। जिस प्रकार परिस्थितिया तेजी से बदल रही है उससे एक बात हम जरूर समझ सकते है कि व्यवस्था और नीतियों को सही दिशा देनें का समय आ चुका अन्यथा अभी नहीं तो कभी नहीं क्योंकी वर्तमान कि पूरी व्यवस्था जनमानस से दूर हो चुकी है। राजनेता सिर्फ अपनी कुर्सी तक सीमित हो चुके है जनता से उनका कोई सरोकार अब नहीं बचा है।

बगल में छुरी, मुंह में राम

बगल में छुरी,मुंह में राम,
कितनी हुई, बात ये आम।

रात में जाम,फिर काम तमाम,
अल्प वस्त्र नारी,बेशर्मी आम।

निक्कमे लाडले,नशे का आलम,
कमाऊ पिता मात्र,मचा संग्राम।

स्खलित संवेदनाएं,मृत समाज,
मर्यादाये कुंठित,सब सरे आम।

कलयुगी परिदृश्य,भ्राता विद्वेषी,
भाइयों में द्वन्द,घर में कोहराम।

पाश्चात्य से प्रभावित हालात,
क्या होगा जग का अंजाम।

युवा घूमते सड़कों पर बिना काम,
अबला की लुटती इज्जत सरेआम।

संजीव ठाकुर
रायपुर छत्तीसगढ़

5 गौरवशाली भारत उत्तरप्रदेश
नई दिल्ली
बुधवार 10 अगस्त 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

अतीक अहमद पर नया शिकंजा, बेटे अली की निशानदेही पर पिस्टल-कारतूस बरामद

प्रयागराज। पूर्व सांसद माफिया अतीक अहमद पर नया शिकंजा कस गया है। उसके बेटे अली ने प्रॉपर्टी डीलर जीशान की जमीन पर बुलडोजर चलवाने के साथ ही फायरिंग भी की थी। पुलिस ने अली की निशानदेही पर पिस्टल और दो कारतूस बरामद किया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने अली को नैनी जेल भेज दिया है। जीशान के साढ़ू इमरान के भाई जीशान ने 31 दिसंबर 2021 को अली समेत अन्य के खिलाफ पांच करोड़ की रंगदारी मांगने, जानलेवा हमला करने और प्रॉपर्टी पर जेसीबी से कब्जा करने का मुकदमा कराया था। इस मुकदमे में फरार 50 हजार के इनामी अली ने कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था। कोर्ट के आदेश पर करेली पुलिस ने रविवार को 24 घंटे के लिए अली को कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ की। अली ने पुलिस को बताया कि करेली के एनुद्दीनपुर में छह बीघा जमीन है, जिसमें साढ़े तीन बीघा इमरान के नाम से है। बाकी का ढाई बीघा फूल्लू व अहमद के नाम है। ये लोग जमीन में हिस्सा मांगने गए तो जीशान ने कहा कि पूर्व सांसद अतीक का कब्जा है। इसकी जानकारी पर वह इन लोगों को लेकर वहां हिसाब करने गया था।

महराजगंज : बंद मदरसे में हैवानियत, 55 साल के पड़ोसी ने 8 साल बच्ची का किया रेप

महराजगंज। महराजगंज जिले के सोनौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बंद पड़े मदरसे में पड़ोसी ने आठ साल की मासूम बच्ची के साथ रेप कर दिया। बच्ची को खून से लथपथ देख फरार हो गया। पुलिस ने परसामलिक क्षेत्र में छिपे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। सोमवार की सुबह बच्ची घर से किराने की दुकान पर सामान खरीदने जा रह थी। रास्ते में 55 साले के शमसुल हक मिल गया। मासूम को बहला-फुसलाकर बगल में स्थित एक बंद पड़े मदरसे में ले गया। वहां उसके साथ हैवानियत कर फरार हो गया। खून से लथपथ बच्ची रोते हुए घर पहुंची तो उसकी हालत देख परिजन बदहवास हो गए। परिजनों ने सोनौली कोतवाली के थानाध्यक्ष महेन्द्र यादव को घटना की जानकारी दी। सीओ नौतनवा अनुज कुमार सिंह व सोनौली थानाध्यक्ष मौके पर पहुंचे। मौका मुआयने के बाद पुलिस आरोपित की तलाश में जुट गई। सीओ के नेतृत्व में थानाध्यक्ष सोनौली महेन्द्र यादव व परसामलिक थानाध्यक्ष गोरखनाथ सरोज ने आरोपित को दोपहर में ही गिरफ्तार कर लिया।

रायबरेली : लेखपाल की कार में आग लगाई, धमकी भरा कागज भी घर के सामने रखा

रायबरेली। रायबरेली में तहसील के आवासीय परिसर में सोमवार की रात लेखपाल की कार को किसी शरारतीतत्व ने आग लगा दी। आग लगाने के बाद लेखपाल के आवास के सामने धमकी व गाली लिखा कागज रख दिया। घटना रात करीब डेढ़ बजे की है। प्रयागराज के निवासी आदित्य कुमार तहसील में लेखपाल हैं। वह तहसील परिसर स्थित सरकारी कालोनी में परिवार के साथ रहते हैं। आवास के बगल में उनकी कार खड़ी थी। रात में किसी शरारतीतत्व ने उनकी कार में लगा दी। जब कार धू-धू करके जलने लगी तब कालोनी में रहने वाले राजस्वकर्मियों की आंख खुली। किसी प्रकार सभी कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया। घटना के बाद लेखपाल के घर के पास एक कागज मिला है, जिसमें लेखपाल को धमकी व गाली दी गई है। लेखपाल ने मामले की सूचना पुलिस और राजस्व अधिकारियों को दी है। कोतवाल शिव शंकर सिंह ने बताया कि मामले की तहरीर मिली है। घटना की जांच की जा रही है।

मोहर्रम जुलूस के दौरान बवाल, डीजे तोड़ा, पथराव, एक पक्ष ने दूसरे समुदाय की दुकान तोड़ी

बरेली। बरेली में मोहर्रम जुलूस के दौरान भोजीपुरा के मझौआ गंगापुर में बवाल हो गया। एक समुदाय के लोगों ने डीजे पर हमला कर उसे तोड़ दिया। विरोध में लोगों ने दूसरे समुदाय की दुकानों को निशाना बनाया है। जमकर पथराव और मारपीट हुई। मामले की सूचना पर सीओ नवाबगंज अजय गौतम, भोजीपुरा, इज्जतनगर समेत कई थानों की पुलिस पहुंच गई। दोनों पक्षों में करीब आधे घंटे तक पत्थरबाजी होती रही। इसको लेकर वहां अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने दोनों समुदाय के लोगों को अलग-अलग गली में रोक दिया। अब दोनों पक्षों के लोगों से बातचीत की जा रही है। बवाल के बाद जुलूस निकाल रहे लोगों ने चौराहे पर ताजिया रख दिया। उन्होंने ताजिया ले जाने से इनकार कर दिया। काफी देर तक हंगामा होता रहा। सीओ इस्पेक्टर ताजियेदारों से बातचीत कर रहे हैं।

बस्ती में मनोरमा नदी के निकट मिला महिला का शव

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मनोरमा नदी के समीप कछार में एक अज्ञात युवती का शव नग्न अवस्था में मिलने से सनसनी फैल गई है। पुलिस अधीक्षक आशीष श्रीवास्तव ने मंगलवार को बताया कि कप्तानगंज थाना क्षेत्र में मनोरमा नदी के कछार के समीप नग्न अवस्था में 25 वर्षीय युवती का शव बरामद किया गया है। अभी तक युवती की पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि शव 10 दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। जांच पड़ताल के लिए पुलिस टीम गठित की गई है शीघ्र ही घटना का अनावरण किया जाएगा।

जिसने डसा, उसी जहरीले सांप को लेकर इलाज कराने पहुंचा युवक

महोबा। उत्तर प्रदेश में महोबा के जिला अस्पताल में मंगलवारें करे उस समय अफरातफरी मच गयी जब सर्पदंश का शिकार हुआ एक युवक उस जहरीले सांप को पकड़े हुये इलाज कराने चिकित्सक के पास पहुंच गया। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्साधीक्षक डा आर पी मिश्रा ने बताया कि श्रीनगर कोतवाली क्षेत्र के कैमाहा निवासी 42 वर्षीय किसान दृगपाल को खेत मे काम करते समय एक जहरीले सर्प ने काट लिया जिसके बाद दृगपाल ने घबराहट दिखाने की बजाय फुर्ती से सांप को पकड़ लिया और प्लास्टिक के एक जार में बंद कर लिया। इसके बाद सर्पदंश का इलाज कराने दृगपाल जब जिला अस्पताल आया तो उस जार को भी अपने साथ ले आया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के मुताबिक अस्पताल की इमरजेंसी में इलाज को पहुंचे दृगपाल ने सांप वाला जार जब चिकित्सक की मेज पर रख अपनी समस्या बताई तो मौके पर अफरातफरी मच गई। वहां मौजूद अन्य मरीज व स्वास्थ्य कर्मी डर कर इधर-उधर खिसक लिए।

मैनपुरी में सरकारी विभागों में लगे अनुबंधित वाहनों पर परिवहन विभाग की नजर

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले में सरकारी विभागों में अनुबन्ध पर लगे वाहनों के कारण प्रति माह लाखों रुपये के राजस्व की हानि का खुलासा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने किया है। एआरटीओ शिवम यादव ने मंगलवार को यूनीवार्ता को बताया कि शासनादेश के अनुसार कोई भी सरकारी विभाग, अर्ध सरकारी विभाग जेम पोर्टल की फर्मो से या अनुबन्ध पर बिना टेक्सी परमिट के वाहनों को विभाग में लगा नहीं सकते जिसका पालन मैनपुरी में नहीं हो रहा है। टैक्सी परमिट के वाहन सरकारी विभागों में न लगाए जाने से शासन को राजस्व की हानि हो रही है। परिवहन विभाग मुख्य सचिव के शासनादेश का पालन कराएगा और जो वाहन बिना टेक्सी परमिट के विभागों में लगे हैं उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही होगी। गौरतलब है कि शासनादेश के अनुसार विभिन्न विभागों में अधिकारियों को सरकारी कामकाज के लिए, किराए की गाड़ियां उपलब्ध कराई जानी होती हैं वह गाड़ियां परिवहन विभाग में पंजीकृत होनी चाहिए और इनके पास टैक्सी परमिट अनिवार्य रूप से होनी चाहिए लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। मनमर्जी से लगाए गए वाहनों से हर साल 50 लाख से अधिक के राजस्व का नुकसान मैनपुरी में हो रहा है। जिले में विकास भवन, कलेक्ट्रेट, स्वास्थ्य विभाग, पूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग, तहसील समेत अन्य विभागों के अधिकारियों और ब्लाक कार्यालयों के डेढ़ सौ से अधिक अधिकारियों के पास सरकारी कामकाज निपटाने के लिए प्राइवेट वाहन हैं। इन वाहनों को मासिक किराए पर रखा गया है।

बुंदेलखंड समेत पूरे यूपी में सुधरेगा भूजल स्तर

लखनऊ। बुंदेलखंड समेत उत्तर प्रदेश के तमाम इलाकों में लगातार गिरता भूजल स्तर चिंता का सबब बना हुआ है जिसे देखते हुये योगी सरकार ने भूजल स्तर को सुधारने के लिये मिशन मोड में काम करना शुरू कर दिए है जिसके सुखद परिणाम आने वाले कुछ दिनों में परिलक्षित होने लगेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में भूजलसंकट हमेशा से एक अहम समस्या रही है। राज्य को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश की योगी सरकार निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार ने बुंदेलखंड क्षेत्र के महोबा, झांसी, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर और ललितपुर जिलों के 20 विकास खंड व पश्चिम उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर, शामली, बागपत, मेरठ के छह विकास खंडों

समेत कुल 26 विकास खंडों के भूजल प्रबंधन में सुधार लाये जाने के उद्देश्य से चयनित किया गया है। इन 26 विकासखण्डों की कुल चयनित 550 ग्राम पंचायतों में वाटर सक्यिोरिटी प्लान का विकास करते हुए क्षेत्र विशेष की हाइड्रोजियोलाजिकल परिस्थितियों के अनुरूप विभिन्न डिमाण्ड साइड इन्टरवेन्शन यथा माइक्रो इरीगेशन पद्धति (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर प्रणाली द्वारा सिंचाई) सिंचाई के लिये जल का पुनर्पयोग, फसल चक्र में परिवर्तित कम जल खपत वाली फसलों का चयन, कैनाल कमांड एरिया में प्रेशराइज्ड इरीगेशन पद्यति एवं अन्य जल बचत के उपाय तथा सप्लाई साइड इंटरवेंशन यथा चेकडैम परकोलेशन पांड, कंटूर बर्डिंग/ट्रेन्चेस, रिचार्ज ट्रेन्च/शाफ्ट/वेल का क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार अटल भूजल योजना के माध्यम से सरकार भूजल प्रबंधन के लिए सामुदायिक भागीदारी पर जोर दे रही है। केन्द्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा लागू की गई यह योजना हर आम व्यक्ति के जीवन में पानी की कमी को दूर करने के साथ-साथ उसके जीवनस्तर को सुधारने में अहम भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत अच्छे जल स्रोत, किसानों की आय में बढ़ोत्तरी और जल उपयोग की सुविधा के लिए लोगों के व्यवहार में बदलाव लाने का एक प्रयास है। इस परियोजना पर सरकार 717.73 करोड़ रुपए खर्च कर रही है और 2024-25 तक भूजल संकट को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया है। सूत्रों ने बताया कि अटल भूजल योजना के अन्तर्गत विकास के लिये 79 गैर सरकारी संगठनों के डिस्ट्रिक्ट इंप्लीमेंशन पार्टनर्स के रूप में चयनित किया गया है। वर्तमान तक 506 ग्राम पंचायतों में वाटर सक्यिोरिटी प्लान का विकास किया जा चुका है, इन प्लान में प्रस्तावित कार्यों के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय इकाई का गठन किया गया है। जिसमें समस्त सम्बन्धित विभाग सदस्य के रूप में नामित है।

रामपुर में भारी सुरक्षा के बीच मोहर्रमदारी

रामपुर। रामपुर में मंगलवार को मोहर्रम माह के मद्देनजर गमगीन माहौल में ताजियों का जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया। शहीदाने कर्बला की याद में अजादारों ने या हुसैन या हुसैन की सदा बुलंद की। ताजियों के जुलूस करबला पर जाकर संपन्न हुए, जहां पूरे देश के लिए दुआएं खैर मांगी गईं। इमाम हसन, इमाम हुसैन की शहादत को याद किया गया। जिले में हर साल की तरह ताजियों का जुलूस अलग अलग रास्तों से निकाला गया। ताजियों के जुलूस के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल मौजूद रहा। इमामबाड़ा किला, इमामबाड़ा कोठी खासबाग, शेख हजरत भूरे शाह बाबा के आस्ताना ए आलिया और ग्रामीण क्षेत्रों में इमाम हुसैन की याद में मजलिस हुई, जिसमें इमाम हुसैन का करबला का वाकया पेश किया गया। इस को सुनकर लोग गमजदा हुए। भूख और प्यासे इमाम हुसैन के लश्कर को यजीद ने शहीद कर दिया था। खैबर के मैदान में मजमा यानी भीड़ लगी हुई थी। कर्बला के मैदान में तमाम हीरे थे और उनके बीच हजरत इमाम हुसैन ने हजरत अब्बास को अलम सौंपा। शिमर को पकड़ लिया गया और मुख्तार के सामने पेश किया गया। मुख्तार ने पूछा शिमर बता मेरे आका हजरत इमाम हुसैन को तूने कत्ल किया, उसकी जुबान पर था कि मैंने 13 बार खंजर चला कर इमाम हुसैन के सिर को धड़ से जुदा किया।

हर भारतीय लगाये अपने घर में तिरंगा झंडा : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने आजादी की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर देशवासियों से अपने घरों में तिरंगा झंडा लगाने की अपील की है। सुश्री मायावती ने मंगलवार को कहा भारतीय तिरंगा झण्डा सभी को देश की आन व शान की याद दिलाता है तथा हर मेहनतकश भारतीय अपनी रोजी-रोटी की अनिवार्यता के कारण चाहे वो उसका प्रदर्शन नहीं कर पाता हो परन्तु वह राष्ट्रीय झण्डे का हमेशा दिल से जरूर सम्मान करता है। उन्होंने कहा कि अब जब पूरा देश अंग्रेजों की गुलामी से आज़ादी के 75 वर्ष मना रहा

है तो इस ख़ास मौके पर सभी देशवासियों को अपने घरों में तिरंगा झण्डा लगाकर उन्हें अपनी खुशी का प्रदर्शन जरूर करना चाहिए, बीएसपी की यह अपील। गौरतलब है कि केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन सरकार आजादी की 75वीं सालगिरह को अमृत महोत्सव के रूप में मना रही है।

रामपुर में कांग्रेस ने शुरू की आज़ादी गौरव यात्रा

रामपुर। महात्मा गांधी, पंडित नेहरू, सरदार पटेल, बीआर अम्बेडकर, सरदार भगत सिंह आदि की कुर्बानियों को जन जन तक पहुंचाया जाएगा। इसके लिए, जिले के कांग्रेसियों ने अगस्त क्रांति दिवस आजादी की गौरव पदयात्रा की शुरुआत की है, जो 15 अगस्त तक चलेगी। रामपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज अगस्त क्रांति दिवस आज़ादी गौरव यात्रा की शुरुआत की। गांधी समाधि पर पुष्प अर्पित किए, और सभी आज़ादी के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित कर सांकेतिक शुरुआत की पदयात्रा विधिवत रूप से 15 अगस्त तक जनपद के सभी विधानसभा क्षेत्रों और ब्लॉको में निकाली जाएगी।

यूपी में बढ़ा 'लंपी' वायरस का खतरा, कई जिलों के गाय-भैंस चपेट में आए

एजेंसी

गोंडा। लंपी वायरस राजस्थान, गुजरात, पंजाब के बाद अब उत्तर प्रदेश में कहर बरपा रहा है। लंपी स्किन डिजीज के नाम से जाना जाने वाले इस वायरस ने राज्य के कई जिलों को प्रभावित किया है। गोंडा और बलरामपुर में लंपी से संक्रमित गाय-भैंसों के रिपोर्ट सामने आई है। जिसके बाद सभी जिलों में अलर्ट कर दिया गया है। लंपी वायरस के कारण कई राज्यों में हजारों पशुओं की मौत हो गई है। यूपी

के पशुधन विकास परिसद के सीईओ डॉ. अरविंद सिंह के मुताबिक गोंडा और बलरामपुर में इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली ने इस बीमारी की रिपोर्ट तैयार की है। पूर्वांचल के सोनभद्र जिले में भी लंपी वायरस का खतरा मंडरा रहा है। हालांकि इसकी रिपोर्टिंग अभी नहीं हुई है। सभी जिलों के पशु चिकित्साधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है।

लंपी वायरस के लक्षण

लंपी वायरस केवल पशुओं में फैलता है। जब कोई पशु इसके चपेट में आता है तो उसके शरीर पर बड़ी-बड़ी गांठे पड़ जाती हैं। इसके साथ ही तेज बुखार और मुंह से पानी निकलने लगता है। पशुओं को चारा खाने में दिक्कत होती है। इसके अलावा वह कमजोर हो जाता है।

मोहर्रम पर कानपुर में माहौल बिगाड़ने की कोशिश

हनुमान जी की मूर्ति खंडित की, ईंट के टुकड़े भी फेंके

एजेंसी

कानपुर। कानपुर में मोहर्रम पर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई है। नौबस्ता थानाक्षेत्र स्थित यशोदा नगर बाईपास के पास सड़क किनारे स्थित एक पेड़ के नीचे बने मंदिर में देर रात अराजकतत्वों ने तोड़फोड़ की है। हनुमान जी की मूर्ति को खंडित कर किया गया है। मूर्ति के पास ईंट के टुकड़े भी मिले हैं। खबर फैलते ही

मंदिर के आसपास लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। कुछ समय पहले ही हिंसा की आग में कानपुर जला था। भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपुर शर्मा के बयान को लेकर जुमे की नमाज के बाद जबरदस्त प्रदर्शन के बाद हिंसा हो गई थी। हालांकि पुलिस की कार्रवाई के बाद जल्द ही स्थिति को काबू में कर लिया गया था। अब एक बार फिर माहौल को बिगाड़ने की कोशिश किसी ने की है। नौबस्ता थानाक्षेत्र स्थित यशोदा नगर में हनुमान जी की मूर्ति को खंडित कर दिया गया है। आसपास ईंट के टुकड़े मिले हैं। ऐसा लगता है जैसे ईंटें फेंकी गई हैं। स्थानीय लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल मूर्ति को ठीक कराया। नौबस्ता थाना प्रभारी ने बताया कि पत्थर की चोट से मूर्ति पर लगा बंदन हट गया था, उसे लगवा दिया गया है। आसपास के लोगों से पूछताछ कर माहौल बिगाड़ने वालों का पता किया जा रहा है।

बुलंदशहर में भाजपा के बुजुर्ग नेता का निधन

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में कृषि उत्पादन मंडी समिति बुलंदशहर के पूर्व सभापति एवं वरिष्ठ भाजपा नेता शिवदत्त कौशिक का लंबी बीमारी के चलते सोमवार देर रात निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। समाचार के अनुसार भाजपा नेता कई दिनों से बीमार चल रहे थे और उनका दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। सोमवार की रात में उन्होंने अंतिम सांस ली। मूल रूप से जीमत गांव के रहने वाले श्री कौशिक लंबे समय से बुलंदशहर में रहकर वकालत कर रहे थे। विद्यार्थी काल में ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। 1974 में जनसंघ के टिकट पर अगौता विधानसभा सीट से विधानसभा के लिए चुनाव लड़ा। 1977 में प्रदेश में जनता पार्टी की सरकार बनने पर श्री कौशिक को कृषि उत्पादन मंडी समिति बुलंदशहर का सभापति नामित किया गया उनके निधन पर भाजपा के जिला अध्यक्ष अनिल सिसोदिया विधायक देवेंद्र सिंह लोधी प्रदीप चौधरी लक्ष्मी राज सिंह कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमन कुमार सिंह राघव ने शोक व्यक्त किया है उनकी अंतिम यात्रा में भाजपा समेत कई राजनीतिक सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि और भारी संख्या में अधि वक्ताओं ने भाग लिया।

बाराबंकी में ट्रैफिक सिपाही ने रोका तो रिटायर इंस्पेक्टर ने चढ़ा दी कार

बाराबंकी। बाराबंकी में चौकाघाट पुल पर सावन के सोमवार की भीड़ होने पर यातायात सिपाही ने एक कार को रोका। इससे नाराज कार में सवार रिटायर इंस्पेक्टर ने अपनी कार यातायात सिपाही के पैर पर चढ़ा दी जिससे वह घायल हो गया। आरोपी पूर्व इंस्पेक्टर ने सिपाही को धमकाया थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला रफादफा कराया। आरोपी पूर्व ब्लॉक प्रमुख भी बताया जा रहा है। घायल सिपाही को सीएचसी रामनगर से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सावन के तीसरे सोमवार को लोधेश्वर महादेव मंदिर महादेवा में काफी भीड़ थी। भीड़ को देखते हुए कई जगहों पर रूट डायवर्जन किया गया था। यातायात को सामान्य बनाने के लिए ट्रैफिक सिपाही फिरोज आलम की ड्यूटी चौकाघाट पुल पर लगाई थी। इसी दौरान एक नीले रंग की स्विफ्ट डिजायर कार वहां पहुंची जिसे सिपाही फिरोज ने रोक दिया। कार में बैठे रामनगर थाना के मड़ना गांव निवासी हरिहर सिंह ने सिपाही को बताया कि वह रिटायर इस्पेक्टर हैं। इस पर सिपाही ने कहा भीड़ अधिक है। दस मिनट रुक जाइए अभी वह उन्हें पास करा देगा। इससे नाराज हरिहर सिंह ने अपनी कार सिपाही के पैर पर चढ़ा दी। जिससे वहां हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। इसके बाद हरिहर सिंह ने घायल सिपाही को धमकाना शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। एसपी अनुराग वत्स ने बताया कि संज्ञान में आया है कि आरोपी रिटायर्ड हेड कास्टेबल है। मामले की जांच कराई जा रही है। केस दर्ज कराया जाएगा।

मथुरा में पत्नी ने पति को जिंदा जलाया

छाता, मथुरा। मथुरा में एक महिला ने अपने बच्चों के सामने पति को जिंदा जलाकर उसकी हत्या कर दी। पति कमरे में सो रहा था, तभी महिला ने उसके ऊपर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। बताया जा रहा है कि महिला का दिल्ली में रहने वाले एक युवक से अफेयर चल रहा है। महिला प्रेमी से मिलना चाहती थी। जब पति ने इसका विरोध किया तो महिला ने यह खौफनाक कदम उठा लिया। घटना सोमवार सुबह की है। महिला का पति 80 प्रतिशत झुलस गया था। मंगलवार सुबह दिल्ली के अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी महिला को भी गांव के पास से हिरासत में लिया है। प्रेमी की तलाश जारी है। घटना कोसी कला कस्बा के मीनानगर गांव की है। पति रमन (35) दिल्ली डेवेलपमेंट अथॉरिटी में नौकरी करता था। वो अपनी पत्नी रखा (32) और 3 बच्चों के साथ दिल्ली में ही रहता था।

अमरोहा में 61 गोवंश की मौत का आरोपी 50 हजार का इनामी गिरफ्तार, पूछताछ में जुटे अफसर

ढवारसी (अमरोहा)। अमरोहा में हसनपुर तहसील के थाना आदमपुर की सांथलपुर गोशाला में 61 गोवंशीय पशुओं की मौत के मामले में आरोपी 50 हजार के इनामी ताहिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ताहिर ने गोशाला में चारे की सप्लाई की थी। आला पुलिस अफसर उससे पूछताछ में जुटे हैं। सांथलपुर गोशाला में बीते गुरुवार को हरा चारा खाने के बाद 61 गोवंशीय पशुओं की मौत हो गई थी, जबकि इतने ही पशु गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। घटना से शासन तक हड़कंप मच गया था। आईवीआरआई के वैज्ञानिकों ने मृत पशुओं के पोस्टमार्टम के बाद मौत की वजह नाइट्रोजन नाइट्रेट की अधिकता के कारण हुए ब्रेन हैमरेज को बताया है, लेकिन कई ऐसे सवाल हैं जिनसे जांच के बाद ही परदा हटेगा।

जहरीले चारा से गायों की मौत पर सीएम योगी सख्त

घटना के बाद डीएम ने फौरी तौर पर ग्राम पंचायत सचिव मोहम्मद अनस को निलंबित कर दिया था। इसके साथ ही गोशाला को चारा सप्लाई करने वाले किसान सांथलपुर निवासी ताहिर पुत्र नवाब (मूल निवासी सहारनपुर) के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। बताया जा रहा है कि ताहिर पिछले काफी समय से सांथलपुर के नजदीक स्थित खेत पर बने नलकूप की कोठरी में रहता था। उसके परिवार के लोग सहारनपुर में रहते हैं। घटना के बाद से ताहिर कोठरी बंद कर फरार हो गया था। पुलिस ने सोमवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। एसपी आदित्य लांग्हे ने शनिवार को ताहिर की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था, जिसे 24 घंटे के भीतर बढ़ाकर डीआईजी ने 50 हजार रुपये कर दिया था। पुलिस इस मामले में हसनपुर निवासी निलंबित ग्राम पंचायत सचिव मोहम्मद अनस, गोशाला की देखरेख करने वाले सांथलपुर निवासी महेश, शीशपाल, ओगपुरा निवासी नी सिंह, सिमथला निवासी सहदेव, अमरजीत व नेमपाल तथा चारे की कुट्टी काटने वाले खैलिया पट्टी निवासी इमरान व सांथलपुर के ग्राम प्रधान रामौतार पुत्र नेतराम को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। गिरफ्तार प्रधान रामौतार बसपा नेता एवं पूर्व विधायक हरपाल सिंह का भाई है। एसपी ने सोमवार शाम ताहिर की गिरफ्तारी की भी पुष्टि की। बताया कि उससे पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद ही प्रकरण में उसकी भूमिका साफ हो सकेगी।

अखिलेश ने दिया नया नारा 'बीजेपी यूपी छोड़ो'

एजेंसी

कन्नौज। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर स्वतन्त्रा संग्राम सेनानियों द्वारा ब्रिटिश शासन के खिलाफ दिये गये नारे 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' को याद करते हुए कहा कि वह आज एक नया नारा देते हैं 'बीजेपी यूपी छोड़ो'। अखिलेश ने जंगे आजादी के दौरान नौ अगस्त को शुरु हुए भारत छोड़ो आंदोलन की याद में आयोजित अगस्त क्रांति दिवस के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार की तुलना ब्रिटिश राज से की। उन्होंने कहा, आज के दिन स्वतन्त्रा संग्राम सेनानियों ने भारत छोड़ो आंदोलन शुरू कर 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' का नारा दिया था। मैं आज से एक नया नारा 'बीजेपी यूपी छोड़ो' देता हूं। उन्होंने कन्नौज के झउवा गांव से घर-घर तिरंगा फहराने के सपा के अभियान

की शुरुआत करते हुए स्थानीय लोगों से आगामी 15 अगस्त तक घर घर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का आह्वान किया। इस मौके पर अखिलेश ने सरकार को उसके वादों की याद दिलाते हुए कहा कि भाजपा ने घर घर तिरंगा फहराने का नारा दिया है लेकिन भाजपा सरकार को घर घर धान की कीमत भी देने की बात याद रखनी चाहिये। उन्होंने कहा कि ये वही भाजपा है, जिसने पहले कभी भारत का झंडा नहीं लगाया। आज घर घर तिरंगा लेकर जाने वालों ने कभी तिरंगा का विरोध किया था। केन्द्र सरकार पर भी हमला बोलते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा के नेता अपने भाषणों में भारत माता की जय बोलते हैं और इन्हीं की सरकार ने सेना को भी अब 'आउटसोर्स' कर दिया है। उन्होंने कहा कि कन्नौज के झउवा गांव में जब से सपा ने आज का कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया, तभी से इस गांव को भाजपा के लोग खोजने लगे है। उन्होंने कहा कि झउवा गांव के स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में पुष्प अर्पित करने का अब जाकर इन लोगों को मौका मिला। उन्होंने कहा कि भाजपाईयों को ये गांव नक्शे में भले न मिला हो, लेकिन ये गांव पूरी तरह से समाजवादी है। अखिलेश ने गांव के किसानों से पूछा कि बीते आठ सालों में क्या उनके जीवन में कोई बदलाव आया है। आज इस गांव तक पहुंचने का रास्ता इतना खराब है कि कमर में दर्द हो जाये।

बस्ती में एंबुलेंस में महिला ने दिया बच्चे को जन्म

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में बेलसड गांव के समीप प्रसव पीड़ा होने पर एंबुलेंस कर्मियों ने एक गर्भवती महिला का एम्बुलेंस में ही प्रसव कराया है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि गौर विकास खण्ड क्षेत्र के बड़ोखर गांव निवासी अर्चना देवी ने प्रसव करवाने के लिए सरकारी एम्बुलेंस से चिकित्सालय जा रही थी कि रास्ते में अचानक तबियत बिगड़ने लगी। बेलसड गांव के समीप एंबुलेंस कर्मियों द्वारा एम्बुलेंस में ही प्रसव करवा दिया गया है। प्रसव होने के बाद जच्चा, बच्चा दोनों पूरी तरह से स्वस्थ है, बाद में महिला को कप्तानगंज स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने यह भी बताया की एम्बुलेंस में तैनात स्वास्थ्य कर्मी अनुभवी है। एम्बुलेंस में प्राथमिक उपचार की सभी दवायें, आक्सीजन, (ब्लड प्रेशर, सुगर) माप की मशीन सहित अन्य उपकरण मौजूद रहते है।

मथुरा में दिव्यांग भाइयों के लिए राखियां बनी आकर्षण का केन्द्र

मथुरा। दिव्यांगों के उत्थान के लिए समर्पित संस्था कल्याण करोति द्वारा संचालित सम्बल विद्यालय में दिव्यांग बालिकाएं अपने दिव्यांग भाइयों तथा समाज के लिए राखी बना रही हैं। कल्याणं करोति के महासचिव सुनील शर्मा ने बताया कि दिव्यांग बच्चों में संस्कार पैदा करने के लिए समय समय पर त्योहारों से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में अन्तर्गत राखी बनाने की कार्यशाला समापन पर है। इस कार्यशाला में बालिकाओं द्वारा बनाई गई राखियों को वे रक्षाबंधन पर दिव्यांग भाइयों को बांधने के साथ साथ सामान्य जन को भी बांधेंगी। ये राखियां सूती और रेशमी धागे से तैयार की जा रही हैं तथा इन्हें विभिन्न तरीके अपनाकर आकर्षक बनाया गया है। इनमें मोरपंख की राखी, घड़ी की राखी, बिहारी जी की राखी की मांग अधिक है। वैसे अधिकांश राखियां रंग बिरंगी रुई और मोतीसे बनाई गई हैं। घड़ी की राखी में जूट का प्रयोग कर उसे असली घड़ी का स्वरूप दिया गया है। इन राखियों की स्टाल लगाकर आमजन को भी बेंचा जाता है तथा उससे प्राप्त राशि दिव्यांग बालिकाओं में वितरित कर दी जाती है। शर्मा ने बताया कि दिव्यांग बच्चों द्वारा इसी प्रकार दीपावली पर दीपक एवं आकर्षक मोमबत्ती तथा होली पर पर्यावरण हितैषी आर्गेनिक गुलाल भी बनाया जाता है। सम्बल विद्यालय के दिव्यांगों को आत्म निर्भर बनाने की दिशा में संस्था फिलहाल उनसे ठाकुर की पोशाक तैयार करा रही है तथा दिव्यांगों द्वारा ही दिव्यांगों के लिए उपकरण तैयार किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग बेटियां अब तक 2100 से अधिक राखी तैयार कर चुकी हैं तथा राखियां बनाना जारी है। कुल मिलाकर भाई बहन का यह त्योहार दिव्यांग लड़कियों में शिक्षा के प्रति नई ऊर्जा पैदा कर रहा है।

शार्ट न्यूज

जम्मू-कश्मीर में रेत कारोबार के लिए सरकारी ई-पोर्टल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर प्रशासन खनन माफियाओं पर फंदा कसने के लिए रेत और रोड़ी जैसे निर्माण सामग्री के कारोबार के लिए ई-पोर्टल संचालित करने जा रहा है। इसके माध्यम से निर्माण सामग्री की खरीदारी पारदर्शी होगी। यह पोर्टल जम्मू-कश्मीर के खान और भूविज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा। खान विभाग के सचिव अमित शर्मा ने यूनीवार्ता को बताया कि ई-गवरनेन्स मॉडल पर काम होने से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और इसी के साथ सभी ज़िलों के खनन लाइसेंस धारकों के नाम इस पोर्टल पर होंगे। श्री शर्मा ने यह भी बताया कि इस पोर्टल से खान विभाग के कार्यशैली में पारदर्शिता आने के साथ साथ निर्माण सामग्री के व्यवसाय सहज होगी।यह देश में अपने ही तरीके की पहली पहल है, जिसके माध्यम से ऑनलाइन चार्ज करने के लिए भुगतान गेटवे के एकीकरण के माध्यम से सभी संबंधित विक्रेताओं को क्यूआर-कोडेड फुलप्रुफ ई-चलान की सुविधा होगा।

जेएसडब्ल्यू स्टील का जुलाई में कच्चे इस्पात का उत्पादन 14 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। जेएसडब्ल्यू स्टील का एकल कच्चा इस्पात उत्पादन जुलाई 2022 में वार्षिक आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 15.69 लाख टन रहा। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि जुलाई 2021 में उसका कच्चे इस्पात का उत्पादन 13.82 लाख टन था। आलोच्य महीने में कंपनी ने 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 10.72 लाख टन रोलिंग उत्पादों का उत्पादन किया जबकि जुलाई 2021 में 9.34 लाख टन का उत्पादन हुआ था।

टाटा पावर-डीडीएल के ग्राहक पर चेक बाउंस को लेकर 1,90,000 रुपये का जुर्माना

नयी दिल्ली। राजधानी में तीस हजारी स्थित डिजिटल अदालत ने टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) के एक उपभोक्ता पर चेक बाउंस को लेकर 1,90,000 रुपये का जुर्माना या तीन माह के कारावास की सजा काटने का आदेश दिया है। कंपनी को दिए गए चेक के बाउंस होने के बाद यह पहला अवसर है जब किसी उपभोक्ता को सजा सुनायी है। टाटा पावर-डीडीएल ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि नाहरपुर गांव के निवासी प्रदीप शर्मा ने अपने बिजली बिल का भुगतान करने के बदले 1,73,620 रुपये का चेक जारी किया था जो बाउंस हो गया था। इसकी क्षतिपूर्ति के लिए अदालत ने 1,90,000 रुपये की क्षतिपूर्ति का आदेश जारी किया। टाटा पावर-डीडीएल एटी एंड सी (एग्रीगेट टैक्निकल एंड कमर्शियल) घाटों को घटाने के तौर-तरीकों पर काम कर रहा है ताकि कठोर कदम उठाकर इस गलत प्रवृत्ति को दूर किया जा सके। साथ ही, कंपनी ऐसे बकाएदारों पर भी नज़र रख रही है जो अपने नियमित बिलों का भुगतान करने से चूक करते हैं। टाटा पावर-डीडीएल ने बिलिंग डिफॉल्ट से बचने के लिए स्मार्ट मीटर जैसी तकनीक लगायी है और ऐसे उपायों का सीधा असर एटी एंड सी घाटों में होने वाली कमी के रूप में दिखायी दे रहा है।

गुरूजी के अवतार में दिखेगें एम एस धोनी

नयी दिल्ली। अगरबत्ती और धूपबत्ती क्षेत्र की प्रमुख कंपनी मैसूर दीप परफ्यूमरी हाउस (एमडीपीएच) के प्रमुख ब्रांड ज़ेड ब्लैक अगरबत्ती ने अपना नया अभियान लॉन्च किया है जिसमें उसके ब्रांड अंबेसडर एवं पूर्व क्रिकेट कप्तान एम एस धोनी एक गुरूजी की भूमिका में नज़र आएंगे। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह नया विज्ञापन ज़ेड ब्लैक के 'प्रार्थना होगी स्वीकार' का ही विस्तार है जिसका उद्देश्य लोगों तक है यह संदेश पहुंचाना है कि मुश्किल समय में केवल प्रार्थनाएं ही वायरल होती हैं और इसे निस्वार्थ भावना के साथ फैलाने की आवश्यकता है। ज़ेड ब्लैक देश के शीर्ष तीन अगरबत्ती निर्माताओं में से एक है जो प्रति दिन तीन करोड़ से ज़्यादा अगरबत्तियाँ तैयार करती है और 15 लाख पैक की बिक्री करती है। श्री धोनी लगातार पिछले पांच सालों से भी ज़्यादा समय से ज़ेड ब्लैक 3 इन 1 अगरबत्ती का विज्ञापन कर रहे हैं। इस विज्ञापन में श्री धोनी पहली बार एक गुरूजी के अवतार में प्रार्थनाओं को वायरल बनाने और सकारात्मक वाइब्स फैलाने के महत्व का उपदेश देते नज़र आएंगे। श्री धोनी ने हमेशा जनरेशन ज़ेड और मिलेनियल्स को प्रेरित करने और प्रोत्साहन देने का काम किया है।

एंजल वन ने जोड़े 3.4 लाख नये ग्राहक

मुंबई। फिनटेक कंपनी एंजल वन लिमिटेड ने अपने डिजिटल-फर्स्ट नजरिए के साथ जुलाई 2022 में 3.40 लाख नये ग्राहक जोड़े हैं। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि जुलाई 2022 में उसके ग्राहकों की संख्या एक करोड़ सात लाख 50 हजार पर पहुंच गई है। कंपनी के मुख्य विकास अधिकारी प्रभाकर तिवारी ने कहा, हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पूँजी बाजार में चल रही अस्थिरता के बावजूद हमारी वृद्धि लगातार बनी हुई है। आँकड़ें बताते हैं कि हम संभावनाओं के दोहन के मामले में सही रास्ते पर हैं। हम अपने प्लेटफॉर्म को यूजर्स के अधिक अनुकूल बनाने और यूजर्स की जरूरतों के मुताबिक तैयार करने पर काम कर रहे हैं। हमें दृढ़ विश्वास है कि हम अपने लक्ष्य को हासिल करने के सही रास्ते पर हैं।''

विदेश जाने वाले यात्रियों की डिटेल देंगी एयरलाइन कंपनियां, सरकार की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली। देश में आने या देश से बाहर जाने वाले यात्रियों को लेकर केंद्र सरकार ने एक अहम नोटिफिकेशन जारी किया है। सरकार ने एयरलाइन कंपनियों से उड़ानों के प्रस्थान से 24 घंटे पहले सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के कॉन्टैक्ट, पीएनआर डिटेल और पेमेंट से जुड़ी जानकारी सीमा-शुल्क अधिकारियों के साथ साझा करने को कहा है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा-शुल्क बोर्ड ने 'यात्री नाम रिकॉर्ड सूचना विनियम, 2022' को नोटिफाई करते हुए एयरलाइन कंपनियों को अनिवार्य रूप से इसका अनुपालन करने को कहा है। इसका मकसद यात्रियों का 'जोखिम विश्लेषण' करना है ताकि आर्थिक और अन्य अपराधियों को देश छोड़कर भागने से रोका जा सके। इसके साथ ही इस प्रावधान से तस्करी जैसे किसी भी अवैध गतिविधियों की जांच करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही भारत अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों के पीएनआर का ब्योरा इकट्ठा करने वाले 60 देशों की सूची में शामिल हो गया है। सरकार के नोटिफिकेशन में कहा गया है कि हर एयरलाइन कंपनी को इस नियम के अनुपालन के लिए सीमा शुल्क विभाग के पास रजिस्ट्रेशन कराना होगा। कंपनियों को भारत आने वाले और भारत से जाने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सूचना देनी होगी। इस सूचना में यात्री का नाम, बिलिंग / भुगतान जानकारी (क्रेडिट कार्ड नंबर), टिकट जारी करने की तारीख के साथ एक ही पीएनआर टिकट पर यात्रा करने वाले अन्य लोगों के नाम भी शामिल होंगे।

लॉर्ड्स में एकसाथ दिखे अंबानी और पिचाई, इंग्लैंड की क्रिकेट लीग में निवेश की तैयारी!

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की क्रिकेट को लेकर दिलचस्पी किसी से छिपी हुई बात नहीं है। बीते कुछ साल में कई दफा ऐसा हुआ है जब वह क्रिकेट मैच देखने स्टेडियम गए हैं और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। इस बार इंग्लैंड के लॉर्ड्स से मुकेश अंबानी की तस्वीर वायरल हो रही है। इस तस्वीर में मुकेश अंबानी के अलावा टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भी नजर आ रहे हैं। ये तस्वीर खुद रवि शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से शेयर की है। मुकेश अंबानी और सुंदर पिचाई की इस तस्वीर के सामने आने के बाद द हंड्रेड में निवेश की अटकलें लग रही हैं। आपको बता दें कि द हंड्रेड इंग्लैंड का क्रिकेट लीग है। इस लीग में एक इनिंग में 100 गेंद होती है। कयास लग रहे हैं कि मुकेश अंबानी और सुंदर पिचाई इस लीग में निवेश कर सकते हैं। हालांकि, अब तक रिलायंस की ओर से आधिकारिक तौर पर किसी तरह की जानकारी नहीं दी गई है। मुकेश अंबानी की रिलायंस पहले से ही 3 देशों में तीन टी-20 टीमों की मालिक है। इसमें BCCI का IPL के अलावा यूएई टी 20 लीग और क्रिकेट साउथ अफ्रीका की टी 20 लीग शामिल है। वहीं, सुंदर पिचाई की बात करें तो वह क्रिकेट के बड़े फैन हैं।

इस्पात मंत्री सिंधिया का उद्योगों से सलाहकार समितियों की बैठकों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने एकीकृत इस्पात संयंत्रों और माध्यमिक इस्पात उद्योग के लिए गठित सलाहकार समितियों की पहली बैठकों में उद्योग जगत को पूरी सक्रियता से ऐसी बैठकों भाग लेने का सुझाव दिया है और कहा है कि इन बैठकों का आयोजन उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार किया जाएगा।

मंत्रालय ने एकीकृत इस्पात संयंत्रों और माध्यमिक इस्पात उद्योगों के लिए दो सलाहकार समितियों का गठन किया है। श्री संधिया ने सोमवार को नयी दिल्ली में इन समितियों की बैठक की अध्यक्षता की। श्री सिंधिया के पास उड्डयन मंत्रालय के अलवा इस्पात मंत्रालय का भी कार्यभार है। कल की बैठक में इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भी उपस्थित थे। इन समितियों में इस्पात उद्योग, संघ के प्रख्यात सदस्य, शिक्षाविद, सरकार के वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी इन समितियों के सदस्य हैं।

श्री सिंधिया ने उद्योग जगत से सलाहकार समितियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया और कहा कि इनकी बैठकों का चक्र इस क्षेत्र के सामान्य मुद्दों को हल करने के लिए उद्योग की इच्छा पर निर्भर करेगा।

समिति के सदस्यों ने श्री सिंधिया का

धन्यवाद करते हुए समितियों के गठन के विचार का स्वागत किया और इस क्षेत्र के मजबूत विकास और राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

इस्पात मंत्रालय की विज्ञप्ति के मुताबिक इस पहली बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ये समितियां इस्पात क्षेत्र से संबंधित महत्व के मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगी। बैठक में श्री सिंधिया ने जोर दिया कि सरकार का मंत्र है कि निर्णय प्रक्रिया में हितधारकों की सहभागिता हो। उन्होंने कहा कि इस उद्योग का संबंध लॉजिस्टिक्स सुविधाओं, कोयला और खान, राज्य सरकार सहित विभिन्न क्षेत्रों के साथ व्यापक तौर पर जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि सलाहकार समितियों के गठन का उद्देश्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और सीधे हितधारकों से कार्रवाई की संभावित प्रक्रिया सुनिश्चित करना है, जो इस्पात क्षेत्र की सफलता सुनिश्चित करेगा।

बयान के अनुसार दोनों सलाहकार समितियों द्वारा प्राथमिकता के आधार पर निपटाए जाने वाले मुद्दों को चिन्हित किया गया।

श्री सिंधिया ने उद्योग जगत से सलाहकार समितियों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया और कहा कि इनकी बैठकों का चक्र इस क्षेत्र के सामान्य मुद्दों को हल करने के लिए उद्योग की इच्छा पर निर्भर करेगा।

समिति के सदस्यों ने श्री सिंधिया का धन्यवाद करते हुए समितियों के गठन के विचार का स्वागत किया और इस क्षेत्र के मजबूत विकास और राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

शक्कर में उठाव, खाद्य तेलों में गिरावट, दलहनो में मजबूती, दालें सस्ती, चावल सामान्य

एजेंसी

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव रहा। खाद्य तेल नरमी लिए रहे। सोयाबीन रिफाइंड सस्ता बिका। तिलहन में लिवाली रही। दलहनो में मजबूती दर्ज की गई। चना कांटा महंगा बिका। दालों में भाव मंदे बोले गए। उड़द दाल सस्ती बिकी। चावल में कामकाज सामान्य बताया गया।

किराना बाजार

शक्कर में उठाव रहा। आज शक्कर में कामकाज 3630 से 3670 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 08 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा, हल्दी तथा साबूदाना में उठाव बताया गया।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल गिरावट लिए रहे। आज सोयाबीन रिफाइंड में नरमी दर्ज की गई। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बनी बताई गई।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मजबूती लिए रहे। आज चना बढ़कर बिका। दालों में मांग रही। इससे भाव ऊंचे बोले गए। आज चावल में पूछपरख साधारण रही।

किराना

शक्कर 3630 से 3670 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 180 से 205 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 6000 से 7800, पैकिंग में 8000 से 8200 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 5800 से 6000, रायडा 5700 से 5900 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल इंदौर 1630 से 1650, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1255 से 1260, सोयाबीन साल्वेंट 1225 से 1230, पाम तेल 1330 से 1335 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 5000 से 5050, मसूर 6675 से 6700, तुअर निमाड़ी 7000 से 8000, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 8000 से 8300, तुअर (कर्नाटक) 8200 से 8500, मूंग 6500 से 6600, मूंग हल्की 5500 से 6000, उड़द 7600 से 8000, उड़द मीडियम 6300 से 6800, उड़द नया 7000 से 7600, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 6200 से 6700, तुअर दाल सवा नंबर 10300 से 10400, तुअर दाल फूल 10500 से 10700, तुअर दाल बोल्ड 11000 से 11700, आयातित तुअर दाल 10100 से 10200, मसूर दाल 7800 से 8100, मूंग दाल 8750 से 9050, मूंग मोगर 9050 से 9350, उड़द दाल 9300 से 9600, उड़द मोगर 10000 से 10300 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10500 से 11500, तिबार 8500 से 9500, दुबार 7500 से 8500, मिनी दुबार 6500 से 7500, मोगरा 4000 से 6000, बासमती सैला 7500 से 9500, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2550 से 2700, हंसा सैला 2500 से 2675, हंसा सफेद 2450 से 2500, पोहा 4200 से 4600 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1520 से 1530, मैदा 1490 से 1500, आटा 1370 से 1380, चना बेसन 3375 से 3400 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

भारतीय भारत के साथ व्यापार समझौते करने को इच्छुक हैं विकसित देश: पीयूष गोयल

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि दुनिया भारत को आर्थिक विकास के इंजन के रूप में देखती है और विकसित देश हमारे साथ व्यापार समझौते करने को इच्छुक हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में कारोबार की आसानी के लिए लगातार नए-नए उपाय किए जा रहे हैं और सरकार किसी भी सरकारी विभाग द्वारा कारोबारियों का उत्पीड़न किए जाने के खिलाफ है।

श्री गोयल के पास उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्रालय का भी भार है। वह यहां व्यापारी उद्यमी सम्मेलन में सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने यह भी कहा कि व्यवसाय जगत के लोगों का भी यह काम है कि वे नियम कायदों के अनुपालन का बोझ हल्का करने के लिए सरकार के साथ सहयोग करें और कारोबार में नैतिक व्यवहार का कठोरता से पालन करें।

श्री गोयल ने कहा कि दुनिया अब भारत को आर्थिक विकास के इंजन के रूप में देखती है और भारत पर उनका भरोसा मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि विकसित देश अब भारत के साथ व्यापार सौदों पर हस्ताक्षर करने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, भारतीय अर्थव्यवस्था को नाजुक माना जाता था और निवेशकों को भारत के साथ व्यापार करने के बारे में संदेह था।

पारदर्शिता और व्यापार करने में आसानी की आवश्यकता पर जोर देते हुए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने व्यापारियों और उद्यमियों को आश्वासन दिया कि सरकार उन व्यापारियों का पूरा समर्थन करेगी जो किसी भी विभाग द्वारा उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाते हैं।

उन्होंने व्यापारियों से लोगों और व्यवसायों के अनुपालन बोझ को कम करने के लिए सरकार के साथ काम करने का आह्वान किया, लेकिन कहा कि वे नैतिक व्यापार प्रथाओं का सख्ती से पालन करें।

ट्रैक्टरों की बिक्री जुलाई 2022 में 28 प्रतिशत घटी

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में ट्रैक्टरों की बिक्री में जुलाई 2022 में वार्षिक आधार पर 28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। इस माह में 59,586 ट्रैक्टर बेचे गए।

ट्रैक्टर जंक्सन की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रैक्टरों की बिक्री में गिरावट का कारण पिछले वर्ष की उच्च आधार संख्या और मानसून के मौसम का असमान प्रसार है। देशभर के विभिन्न हिस्सों में इस माह में बाढ़, जलभराव और भारी वर्षा देखी गयी, जिससे समान्य जीवन अस्त-व्यस्त दिखायी दिया।

रिपोर्ट के अनुसार, ट्रैक्टरों की बिक्री में 46 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र का रहा। इस दौरान उत्तर प्रदेश में 11,284, राजस्थान में 9,152, महाराष्ट्र में 7,108, कर्नाटक में 5,608 और गुजरात में 4,631 ट्रैक्टरों की बिक्री हुयी। जुलाई 2022 में महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने सबसे अधिक 14,295 ट्रैक्टर बेचे। इसके बाद स्वराज ने 10,537, मैसी फर्गयूसन ने 6,628, सोनालिका ने 7,412 और एस्कोर्ट्स ने 6,311 ट्रैक्टर बेचे।

रिपोर्ट में मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के आंकड़ों को सम्मलित नहीं किया गया है।

भारत चार साल में बन सकता है 5,000 हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था : देबराय

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबराय ने कहा है कि भारत पांच अरब डालर की आर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य पर 2026-27 तक प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी से वृद्धि की राह को क्षति पहुंचने के कारण इस लक्ष्य में दो से तीन साल की देरी हो रही है।

श्री देबराय ने यहां बैंगलोर चैंबर ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स (बीसीआईसी) की 45 वीं वार्षिक आम बैठक में कहा, जब यह लक्ष्य पहली बार घोषित किया गया था तो उस समय किसी ने कोविड जैसी वैश्विक आपादा के कारण लगने वाले झटके की कल्पना तक नहीं की थी। बावजूद इसके कई अन्य तथाकथित उन्नत देशों की तुलना में, भारत ने कोविड का मुकाबला बहुत अच्छी तरह किया । चाहे वह मृत्यु दर हो या या टीकाकरण हर मामले में भारत का प्रबंध उल्लेखनीय रहा है।

श्री देबराय ने कहा, इस तरह के अच्छे प्रबंध के बावजूद कोविड के कारण हमारा दो वर्ष का समय बर्बाद हो गया है। हमने अपने विकास की दौड़ में दो साल गवां दिये हैं। हमने स्वस्थ विकास के उन लक्ष्य लक्ष्यों की दिशा में प्रयास को प्राप्त करने की कोशिश में दो साल गवां दिए जिसे भारत और बाकी दुनिया को 2030 तक हासिल करना है।

उन्होंने कहा, 'तो, स्पष्ट रूप से 5 हजार अरब डालर के लक्ष्य तक पहुंच पाना अब 2024-25 तक अब असंभव है। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने हाल ही में कहा है और आईएमएफ ने भी कहा है कि यह अब 2026-27 तक संभव हो सकता है,

श्री देबराय और बीसीआईसी सदस्यों के बीच हुई इस बातचीत का वीडियो मंगलवार को यहां जारी किया गया। उन्होंने कहा कि चाहे दो या तीन साल की देरी हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। भारत लक्ष्य को हासिल कर लेगा, लेकिन भारत को 8-8.5 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक मंदी, भू-राजनीतिक तनाव और कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी जैसे कारकों को देखते हुए भारत के लिए अगले दो से तीन वर्षों में अधिकतम 8.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल भारत अधिकतम 7.5 प्रतिशत तक की वृद्धि हासिल करने में सक्षम होगा। यह कई देशों में मौजूदा परिस्थितियों की तुलना में काफी सम्मानजनक है।

आरजी ने भारत@75 के अभियान को सशक्त बनाने के लिए 'जीतने की आजादी' अभियान की घोषणा की

नई दिल्ली। रश गेमिंग यूनिवर्स (आरजीयू) अपने #JeetneKiAazaadi अभियान का अनावरण करने के लिए उत्साहित है क्योंकि यह भारतञ्च75 की आकांक्षाओं का जश्न मनाता है और वेब3 गेमिंग के माध्यम से नए आर्थिक अवसर पैदा करके अगले 25 वर्षों को सशक्त बनाने के लिए तत्पर है।

(NDER EMBARGO) (अंडर एम्बार्गो) 10 अगस्त, 2022 प्रतिशत भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, रश गेमिंग यूनिवर्स (आरजीयू) अपने #JeetneKiAazaadi अभियान के शुभारंभ की घोषणा कर रहा है। नए आर्थिक अवसर पैदा करने के लिए, RGU कई प्रतियोगिताओं और उपहारों की घोषणा कर रहा है। प्रतिभागी 10 से 16 अगस्त, 2022 तक एक सप्ताह के भीतर 75 लाख रुपये से अधिक के पुरस्कार जीत सकते हैं। मिशनों, दैनिक इनामों में प्रतिस्पर्धा करके, और RGU के 10ए-गुणवत्ता वाले खेलों में से कोई भी खेलकर, RGU के खिलाड़ी Tata Punch, KTM 200 ड्यूक, 50-इंच टीवी, लैपटॉप, फोन, और 60 लाख रुपये तक के पुरस्कार जीत सकते हैं। #JeetneKiAazaadi न केवल उपयोगकर्ताओं के लिए मनोरंजन का एक नया अवसर तलाशने का एक शानदार अवसर है, बल्कि अपने फोन पर ऑनलाइन गेमिंग खर्च करने के समय से मूल्य को अनलॉक करने का भी है। ऋन्न भारत का पहला मोबाइल-ओनली गेमिंग प्लेटफॉर्म है, जिसने अपने बाइट-साइज़ कैज़ुअल गेम्स के साथ वेब3 की दुनिया को अधिक से अधिक लोगों तक आसानी से पहुँचाया है।

रश गेमिंग यूनिवर्स के बारे में

रश गेमिंग यूनिवर्स (आरजीयू) गेमिंग को आर्थिक अवसर के एक नए स्रोत में परिवर्तित कर रहा है। मार्च 2021 में लॉन्च किया गया RGU, एक नई तरह की गेम इकॉनमी है, जहां खिलाड़ी खेल सकते हैं, कमा सकते हैं और बढ़ सकते हैं और उसी अर्थव्यवस्था में असली मालिक बन सकते हैं, जिसे बनाने में उन्होंने मदद की थी।

भारत में 27 माह में एलपीजी 41 प्रतिशत, विश्व बाजार में 203 प्रतिशत महंगी

नयी दिल्ली। भारत में रसोई गैस की खुदरा कीमतों में अप्रैल 2020 की तुलना में 41 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गयी है जबकि इस दौरान वैश्विक बाजार में एलपीजी के मानक अनुबंध का भाव तीन गुना हो गया।

सरकार द्वारा राज्यसभा में दी गयी एक जानकारी के अनुसार इस दौरान एलपीजी (लिक्विड पेट्रोलियम गैस) के वैश्विक बाजार के मानक साऊदी अनुबंध का मूल्य अप्रैल 2020 के 236 डॉलर प्रति टन के मुकाबले जुलाई 2022 में 725 डॉलर प्रति टन पर पहुंच गया। यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमत में 203 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसी दौरान भारत में 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 41.5 प्रतिशत बढ़े और इसका भाव 744 रुपये से बढ़कर 1,053 रुपये पर पहुंच गया। एक प्रश्न के लिखित जवाब में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि सरकार ने एलपीजी की प्रभावी घरेलू कीमतों को संशोधित किया है। उज्जवला योजना के तहत गरीबों को दिए गए एलपीजी कनेक्शनों में महामारी के दौरान तीन सिलेंडर मुफ्त में भरे गए थे।उन्होंने कहा कि सरकार ने उज्जवला कनेक्शन रखने वालों के लिए 200 रुपये की सब्सिडी की घोषणा की है। यह सब्सिडी चालू वित्त वर्ष में 12 सिलेंडरों पर दी जाएगी।

श्री पुरी ने कहा कि सरकार ने उज्जवला योजना के अंतर्गत वित्त वर्ष 2019-20 में 3,724 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2020-21 में 9,235 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2021-22 में 1,569 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

एचपी ने पेश किए नए ऑल-इन-वन पीसी, कीमत 1.76 लाख रुपये

एजेंसी

नयी दिल्ली। कंप्यूटर, लैपटॉप और आईटी से जुड़े उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी एचपी ने हाइब्रिड मॉडल पर काम करने वाले लोगों को काम और मनोरंजन का एक साथ अनुभव देने के लिए पीसी और टीवी की खूबियों वाले ऑल-इन-वन पीसी की नई रेंज पेश की है जिसकी कीमत 175999 रुपये तक है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि नए ऑल-इन-वन पीसी में एचपी एन्वी 34 इंच और पैवेलियन 31.5 इंच शामिल हैं जो पावर और परफॉर्मेंस के लिए 11वें जेनरेशन और 12वें जेनरेशन इंटेल प्रोसेसर के साथ आते हैं। ये प्रोसेसर काम करने, कुछ तैयार करने और मनोरंजन के लिहाज से मल्टी-टास्किंग के लिए किया जा सकता है। टीवी की खूबियों की वजह से आधुनिक क्रिएटर्स कॉन्टेंट स्ट्रीमिंग से गेमिंग पर स्विच कर सकते हैं या हाइब्रिड परिवेश में बेहतर उत्पादकता के लिए एआईओ को दूसरी स्क्रीन के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

एचपी एन्वी 34-इंच ऑल-इन-वन वन डेस्कटॉप पीसी 1,75,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर और एचपी पैवेलियन 31.5-इंच ऑल-इन-वन डेस्कटॉप पीसी 99,999 रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है। उसने कहा कि रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने के लिए एचपी एन्वी 34-इंच ऑन-इन-वन सबसे उपयुक्त प्लेटफॉर्म है। इस डिवाइस में एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले है जिससे इस्तेमाल करने वाले की रचनात्मकता को सामने लाने का उपयुक्त माध्यम मिलता है।

शार्ट न्यूज

टी20 रैकिंग में शीर्ष 10 में लौटीं जेमिमाह

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा खिलाड़ी जेमिमाह रॉड्रिगेज़ ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग के शीर्ष 10 बल्लेबाजों में जगह बना ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार रॉड्रिगेज़ सात पायदान ऊपर उठकर 630 पॉइंट के साथ 10वें स्थान पर आ गयी हैं। उन्होंने बर्मिंघम 2022 में भारत के लिये 146 रन बनाये, जिसकी बदौलत वह अक्टूबर 2021 के बाद पहली बार शीर्ष 10 में जगह बना पाई हैं। स्मृति मंधाना (चौथा पायदान) और शेफाली वर्मा (छठा पायदान) पहले से ही टी20 बल्लेबाजों के शीर्ष 10 में कायम हैं। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी अपनी हमवतन मेग लेनिंग को पछाड़कर पहले पायदान पर आ गयी हैं। मूनी ने राष्ट्रमंडल खेल के फाइनल में भारत के खिलाफ 41 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 70 रन और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 36 रन का योगदान भी दिया था, जिसने उन्हें 743 रेटिंग के साथ पहले पायदान पर पहुंचा दिया है।

बर्मिंघम में पदक जीतने पर कार्तिक ने की दीपिका की तारीफ

नयी दिल्ली। भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी दीपिका पल्लीकल के राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीतने पर उनके पति और भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने खुशी व्यक्त की है। गौरतलब है कि पल्लीकल और सौरव घोषल की मिश्रित युगल जोड़ी ने कांस्य पदक मैच में ऑस्ट्रेलिया के कैमरन पील और लोबान डोना को 11-8, 11-4 से मात दी थी। कार्तिक ने सोमवार को ट्विटर पर पल्लीकल और घोषाल की तस्वीर साझा करते हुए कहा, प्रयास और दृढ़ता रंग लाई... बहुत खुशी और आप दोनों पर गर्व है! कांस्य पदक जीतने के बाद, पल्लीकल ने खुद पिछले तीन वर्षों से अपनी यात्रा के बारे में इंस्टाग्राम पर पोस्ट लिखी। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, पिछले तीन वर्षों में जो कुछ भी हुआ है, उसमें जिस चीज ने मुझे वापस आने के लिए सबसे अधिक प्रेरित किया है, वह यही क्षण है। यहां तक ??पहुंचना आसान नहीं था। यह केवल मेरे परिवार, मेरी टीम और मेरे आस-पास के अलग-अलग लोगों के कारण संभव हो पाया है। शुभकामनाओं के लिए सभी का धन्यवाद। यह एक कठिन सप्ताह रहा है, लेकिन पोडियम पर खड़े होने का मौका पाकर खुशी हुई।

नीरज ने अरशद नदीम को राष्ट्रमंडल स्वर्ण के लिये बधाई दी

नयी दिल्ली। टोक्यो 2020 ओलंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने पाकिस्तान के भालाफेंक खिलाड़ी अरशद नदीम को राष्ट्रमंडल खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी है। नदीम ने बर्मिंघम 2022 के फाइनल में 90 मीटर के निशान को पार करते हुए दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स को मात दी, और पाकिस्तान को जैवलिन थ्रो का पहला राष्ट्रमंडल स्वर्ण दिलाया। उन्होंने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपने प्रदर्शन से एक वीडियो साझा किया और चोपड़ा ने उसपर तुरंत अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें बधाई दी। चोपड़ा ने नदीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, अरशद भाई को स्वर्ण पदक और नए गेम रिकॉर्ड के साथ 90 मीटर पार करने के लिए बधाई। आगे की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने आयोजित विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आई चोट के कारण चोपड़ा को राष्ट्रमंडल खेलों से नाम वापस लेना पड़ा था। चोपड़ा ने विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिये रजत पदक जीता था।

इंग्लैंड की कोच लीज़ा कीटली ने की पद छोड़ने की घोषणा

लंदन। इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की हेड कोच लीज़ा कीटली ने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मंगलवार को कहा कि वह इस सत्र के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगी और कॉन्ट्रैक्ट का विस्तार नहीं करेंगी। इंग्लैंड अब दक्षिण अफ्रीका में 2023 टी20 विश्व कप से छह महीने पहले नए कोच की भर्ती शुरू करेगा। इंग्लिश टीम के साथ कीटली का आखिरी अभियान भारत के खिलाफ 10 सितंबर से शुरू होने वाली सीमित ओवर की घरेलू श्रृंखला होगी। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कीटली ने 2019 के अंत में हीथर नाइट की अगुवाई वाली टीम की कमान संभाली, और इंग्लैंड को 2022 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल के साथ-साथ 2020 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचाया। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में इंग्लैंड कांस्य पदक मैच में न्यूजीलैंड से हार गयी। इंग्लैंड महिला क्रिकेट के निदेशक जोनथन फिंच ने कहा, हम पिछले ढाई वर्षों में लीजा की प्रतिबद्धता और जुनून के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हैं। हमने पिछले 12 महीनों में स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा में वृद्धि देखी है। लीज़ा जो टीम छोड़कर जा रही हैं वो युवाओं और अनुभव का एक रोमांचक मिश्रण है। उन्होंने कहा, एक अंतरराष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करना अच्छे समय में भी चुनौतीपूर्ण होता है। यह एक महामारी के दौरान अधिक चुनौतीपूर्ण होता है, और लीज़ा सबसे कठिन अवधि में टीम के विकास को जारी रखने में सक्षम रही हैं।

सड़क दुर्घटना में पूर्व अंपायर रूडी कर्ट्ज़न का निधन

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व आईसीसी एलीट पैनल अंपायर रूडी कर्ट्ज़न का केप टाउन में एक सड़क दुर्घटना में निधन हो गया है। ईएसपीएन क्रिक इन्फो के अनुसार, जब यह सड़क दुर्घटना हुई तब 73 वर्षीय कर्ट्ज़न एक कार में केपटाउन से ईस्टर्न केप प्रांत में अपने घर जा रहे थे। कर्ट्ज़न ने 2010 में सन्यास लेने से पहले 331 मैचों में अंपायर की भूमिका निभाई, जो उस समय एक रिकॉर्ड था। वह 100 से ज्यादा मैचों में अंपायरिंग करने वाले तीन अंपायरों में से एक हैं। इनके अलावा पाकिस्तान के अलीम दार और वेस्ट इंडीज़ के स्टीव बकनर भी ऐसा कर चुके हैं। दार ने कर्टज़न की मौत के बारे में कहा, यह उनके परिवार, दक्षिण अफ्रीका और क्रिकेट के लिए सबसे बड़ी क्षति है। मैं उनके साथ इतने सारे मैचों में खड़ा था। वह न केवल एक अंपायर के रूप में बहुत अच्छे थे, बल्कि एक उत्कृष्ट सहयोगी भी थे। हमेशा मैदान पर बहुत सहयोगी और हमेशा मैदान के बाहर मदद करने के लिए तैयार रहते थे। अपने किरदार की वजह से वह खिलाड़ियों के बीच भी सम्मानित थे। कर्टज़न के हमवतन अंपायर मरैस इरास्मस ने कहा, रूडी शारीरिक और मानसिक रूप से बेहद मजबूत थे। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी अंपायरों के लिए विश्व मंच पर पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया। हम सभी को विश्वास दिलाया कि यह संभव है। एक युवा अंपायर के रूप में मैंने उनसे काफी कुछ सीखा है।

2024 तक चेन्नईयिन एफसी में रहेंगे रहीम अली

चेन्नई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की फ्रेंचाइज़ी चेन्नईयिन एफसी ने मंगलवार को घोषणा की कि रहीम अली ने अपने कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ा लिया है, जिसके बाद वह 2024 तक क्लब का हिस्सा रहेंगे। अली चेन्नईयिन टीम के उन मुट्ठी भर सदस्यों में से एक हैं जो 2019-20 सीज़न में आईएसएल फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने तीन वर्षों में 40 बार क्लब का प्रतिनिधित्व किया है और चार बार स्कोर करने के अलावा दो बार असिस्ट भी किया है। उन्होंने दो और वर्षों के लिए क्लब के लिए प्रतिबद्ध होने पर कहा, मैं चेन्नईयिन एफसी के साथ एक नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करके बहुत खुश हूं। मेरे मन में कभी कोई संदेह नहीं था। मैं कहीं नहीं जा रहा हूं। रहीम ने 31 बार आई-लीग क्लब इंडियन एरो एफसी का प्रतिनिधित्व भी किया है, जिसे बड़े पैमाने पर भारत की सबसे बड़ी युवा प्रतिभाओं का घर माना जाता है। 22 वर्षीय रहीम भारतीय टीम के वर्तमान सदस्य हैं और सितंबर 2021 में पदार्पण के बाद से छह बार मैदान पर उतर चुके हैं। चेन्नईयिन की सह-मालिक वीटा दानी ने कहा, बीते वर्षों में रहीम देश की सबसे रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक बनकर उभरे हैं। भारतीय राष्ट्रीय टीम के साथ उनका मूल्यवान अनुभव हमारी टीम के लिए सकारात्मक साबित होगा।

शृंखला जीतना अहम नहीं, टीम के रूप में बेहतर होना हमारी प्राथमिकता : रोहित

मुंबई। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के हालिया बदलाव पर मंगलवार को कहा कि टीम का लक्ष्य हर दिन सुधार करना है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष आयोजित हुए टी20 विश्व कप 2020 में भारत को ग्रुप स्टेज में बाहर होने के बाद आलोचना का सामना करना पड़ा था। खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम की धीमी बल्लेबाजी पर कई सवाल उठे थे, लेकिन इंग्लैंड और वेस्ट इंडीज के खिलाफ पिछली दो शृंखलाओं में भारत ने बदले हुए रवैये के साथ बल्लेबाजी की है।

कप्तान रोहित ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम फॉलो द ब्लूज़ पर बात करते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा, लेकिन मेरे लिए एक टीम के रूप में हर दिन बेहतर होना ही हमारा लक्ष्य है। शृंखला जीतना और हारना मायने नहीं रखता, बल्की एक टीम के रूप में बेहतर होना हमारी प्राथमिकता है। टीम जो कुछ भी करने की कोशिश कर रही है, खिलाड़ियों को उस विचार प्रक्रिया में हिस्सा लेने और उस दिशा में काम करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, हमने दुबई में टी20 विश्व कप के बाद यह स्पष्ट कर दिया है कि जब हम (सेमीफाइनल के लिए) क्वालीफाई नहीं कर पाए थे। हमने महसूस किया कि खेल को खेलने के तरीके के प्रति हमारे दृष्टिकोण में बदलाव की जरूरत है। हमने लड़कों को एक स्पष्ट संदेश दिया था और वे उस चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार थे। साथ ही, हमें यह याद रखने की जरूरत है कि जब आप नयी चीजें करने की कोशिश कर रहे हैं, तो कुछ असफलताएं होंगी। इसका मतलब यह नहीं है कि तुम एक कदम पीछे हटो।

पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद से भारत अपनी टीम के साथ प्रयोग करने से नहीं कतरा रहा है। चोट और कार्यभार प्रबंधन ने हालांकि इसमें एक भूमिका निभाई है, रोहित ने स्पष्ट किया कि वह एक मजबूत बेंच बनाना चाहते हैं जिसे आवश्यकता पड़ने पर जिम्मेदारी निभाने के लिए बुलाया जा सके।

रोहित ने कहा, हम काफी क्रिकेट खेलते हैं, इसलिए चोट और कार्यभार प्रबंधन होगा, इसलिए हमें खिलाड़ियों की अदला-बदली करनी होगी। यह हमारी बेंच को खेल खेलने की ताकत देता है। यही वजह है कि हम ऐसे कई लोगों को आजमा सकते हैं जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

भारत को टी20 विश्व कप की समाप्ति के बाद एक नये कप्तान के अलावा राहुल द्रविड़ के रूप में एक नया कोच भी मिला है। नये कप्तान और कोच के बीच का रिश्ता रोहित के वनडे डेब्यू जितना पुराना है, जब द्रविड़ भारतीय टीम के कप्तान थे।

रोहित ने द्रविड़ के साथ अपने रिश्ते पर कहा, जब वह कोच बने तो हम मिले और कुछ देर एक साथ एक कमरे में बैठे। हमने तय किया कि हम इस टीम को कैसे आगे ले जाना चाहते हैं। उनकी विचार प्रक्रिया भी काफी हद तक मेरी तरह ही थी। इससे मेरे लिए लड़कों को एक स्पष्ट संदेश देना आसान हो गया क्योंकि टीम को एक ही दिशा में आगे ले जाने के लिये कोच और कप्तान को हमेशा एक ही पृष्ठ पर रहने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, एक बात हमने तय की है कि हम सही संदेश भेजना चाहते हैं, और हम टीम में कोई भ्रम नहीं पैदा करना चाहते।

हमने इसी बारे में बात की थी और निश्चित रूप से, हम क्रिकेट की शैली को बदलना चाहते थे। हम तीनों प्रारूपों में एक निश्चित तरीके से खेलना चाहते थे और वह यह सब स्वीकार करने के लिए तैयार थे।

मनीषा, सुनील बने 2021-22 के फुटबॉलर ऑफ द ईयर

एजेंसी

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मनीषा कल्याण को साल 2021-22 का महिला फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना है, जबकि पुरुष फुटबॉलर ऑफ द ईयर का खिताब सुनील छेत्री को मिला है।

दोनों दिग्गजों को उनके संबंधित राष्ट्रीय टीम के कोच थॉमस डेनर्बी और इगोर स्टिमैक द्वारा विजेताओं के रूप में नामित किया गया था।

मनीषा ने पिछले सत्र में उभरती हुई महिला फुटबॉलर (वुमेन्स एमर्जिंग फुटबॉलर ऑफ द ईयर) का पुरस्कार जीता था जबकि सुनील को सातवीं बार फुटबॉलर ऑफ द ईयर के पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

महिला राष्ट्रीय टीम के कोच थॉमस डेनर्बी ने कहा, मनीषा ने राष्ट्रीय टीम और अपने क्लब के लिए कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उसने गोल किये हैं, और नियमित रूप से असिस्ट भी किये हैं। उत्कृष्ट गति और एक अच्छी ड्रिब्लर होने के कारण वह भविष्य में बड़ी लीगों में खेलने की क्षमता रखती है। वह युवा है और अभी भी तैयार हो रही है लेकिन नियमित आधार पर हमारी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रही है।

सुनील के बारे में बोलते हुए, पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने कहा, सुनील सैफ कप में पांच गोल करके हमारे सर्वोच्च गोल करने वाले खिलाड़ी और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी थे। इसके अलावा, उन्होंने कोलकाता में एएफसी एशियन कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में तीन मैचों में चार गोल किए। उन्होंने कहा, उनकी प्रतिबद्धता, नेतृत्व, अनुशासन और कड़ी मेहनत बुरे और अच्छे समय में प्रभावशाली थी।

इसके अलावा मार्टिना थॉकचोम को उभरती हुई महिला खिलाड़ी और विक्रम प्रताप सिंह को 2021-22 का उभरता हुआ पुरुष खिलाड़ी चुना गया है।

सेरेना विलियम्स ने दिया सन्यास लेने का अंदेशा

वाशिंगटन। अमेरिका की शीर्ष लॉन टेनिस खिलाड़ी और 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने मंगलवार को अपने सन्यास का अंदेशा देते हुए कहा कि उलटी गिनती शुरू हो गयी है। विलियम्स ने इंस्टाग्राम पर कहा, जिन्दगी में एक ऐसा समय आता है जब हमें एक अलग दिशा में बढ़ने का फैसला करना होता है। वह समय हमेशा कठिन होता है जब आप किसी चीज से इतना प्यार करते हैं। मत पूछिये मैं टेनिस का कितना आनंद लेती हूं, लेकिन अब उलटी गिनती शुरू हो गई है। मुझे एक माँ होने पर, अपने आध्यात्मिक लक्ष्यों पर और अंत में एक अलग, लेकिन सिर्फ रोमांचक सेरेना की खोज पर ध्यान केंद्रित करना है। मैं इन अगले कुछ हफ्तों का आनंद लेने वाली हूं। अमेरिकी दिग्गज ने जून में विंबलडन में अपनी एकल वापसी करने से पहले चोट के कारण लंबे समय तक टेनिस नहीं खेला था, जिसके बाद उनके सन्यास के बारे में अटकलें लगाई गयीं।

शमी को एशिया कप की टीम में होना चाहिये था : श्रीकांत

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और चयनकर्ता समिति के पूर्व चेयरमैन कृष्णमचारी श्रीकांत ने एशिया कप 2022 के लिये भारतीय टीम की घोषणा के बाद कहा है कि तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी को टीम में शामिल किया जाना चाहिये था।

श्रीकांत ने स्टार स्पोर्ट्स के शो %फॉलो द ब्लूज़% पर सोमवार को कहा, मेरी टीम में शमी शामिल थे। अगर मैं चयनकर्ता समिति का अध्यक्ष होता तो शमी टीम में होते, और शायद रवि बिश्नोई नहीं होते। मेरा यह भी मानना है कि अक्षर पटेल टीम में जगह पाने के मजबूत दावेदार थे। अक्षर पटेल और अश्विन के बीच चुनना मुश्किल होता।

उन्होंने कहा, मेरा खयाल है कि टीम अच्छी है, लेकिन एक और मीडियम पेसर को इसमें होना चाहिये था। हम टूर्नामेंट में एक मीडियम पेसर की कमी के साथ जा रहे हैं। दो कलाई के स्पिनर काफी हैं। मुझे अक्षर पटेल के लिये बुरा लग रहा है जो टीम का हिस्सा नहीं बन पाए। मुझे दीपक हुड्डा के लिये खुशी है, वह गेंदबाजी कर सकते हैं, अच्छे बल्लेबाज हैं और तेज भी खेलते हैं।

श्रीकांत ने कहा, मुझे दीपक हुड्डा के बारे में जो बात पसंद है वह यह है कि वह गेंद के अच्छे स्ट्राइकर हैं। अन्यथा यह टीम एक शानदार टीम है, केवल अक्षर पटेल के लिए बुरा लगता है। मुझे अब भी विश्वास है कि वह ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में एक अच्छा गेंदबाजी ऑलराउंडर हो सकता है।

मैं सिर्फ एशिया कप के बारे में नहीं सोच रहा, यह टीम आईसीसी टी20 विश्व कप का भी ब्लू प्रिंट होना चाहिए।

टीम के चयन पर विचार करते हुए पूर्व विकेट कीपर और मुख्य चयनकर्ता किरन मोरे ने कहा, एशिया कप निश्चित रूप से विराट कोहली के लिए खास होगा क्योंकि उन्हें अब वापसी करने की जरूरत है। अन्य बल्लेबाज भी वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। कुल मिलाकर, टीम अच्छी और संतुलित दिखती है। टीम में अच्छे ऑलराउंडर भी हैं। रविचंद्रन अश्विन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। निश्चित रूप से अक्षर पटेल भी पूरे साल अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

मुझे टीम संयोजन पसंद है और मैं रवि बिश्नोई के चयन से वास्तव में खुश था।

इससे टीम में बदलाव आया। मेरे हिसाब से यह एक अच्छी टीम है। मैं अर्शदीप सिंह के लिए भी खुश हूं। उन्होंने आईपीएल के बाज वेस्टइंडीज के खिलाफ भी अच्छा प्रदर्शन किया, जहां वह प्लेयर ऑफ द सीरीज थे। हम बाएं हाथ के गेंदबाज की तलाश में थे, जो हमें अर्शदीप सिंह में मिला है।

बांग्लादेशी बंदरगाहों से पूर्वोत्तर राज्यों में सामान भेजेगा भारत, पहला जहाज मोंगला पहुंचा

ढाका। भारत ने बांग्लादेश के बंदरगाहों का इस्तेमाल कर अपने पूर्वोत्तर राज्यों में सामान भेजना शुरू कर दिया है। भारत ने मंगलवार को दो प्रमुख बंदरगाहों का इस्तेमाल करके पूर्वोत्तर राज्यों में माल के ट्रांस-शिपमेंट के लिए ट्रायल रन शुरू किया है। द्विपक्षीय समझौते के तहत इस सामान को सड़क मार्ग के जरिये भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में पहुंचाया जाएगा। इससे पहले बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिम मोंगला समुद्री बंदरगाह पर सोमवार को माल के साथ पहला भारतीय जहाज पहुंचा था।

बता दें कि ये ट्रायल रन शुरू में जुलाई के लिए निर्धारित किए गए थे, लेकिन बांग्लादेशी अधिकारियों को सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को पूरा करने में समय लगा जिसके चलते इसे अगस्त में शुरू किया गया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब सितंबर के पहले सप्ताह में

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत आने की योजना है।

मोंगला बंदरगाह के अधिकारियों ने कहा कि परीक्षण के तौर पर कोलकाता बंदरगाह से एमवी रिशद रेहान यहां पहुंचा। चार साल पहले हुए द्विपक्षीय समझौते के तहत यह जहाज 'ट्रांसशिपमेंट' के तहत आया है। इसके तहत भारत से वस्तुओं को लाने और दूसरी जगह ले जाने के लिये बांग्लादेश के मुख्य पूर्वोत्तर चटगांव समुद्री बंदरगाह और मोंगला बंदरगाह का उपयोग किया जाना है।

मोंगला बंदरगाह प्राधिकरण के चेयरमैन रियर एडमिरल मोहम्मद मुसा ने संवाददाताओं से कहा, ''एमवी रिशद रेहान पहला भारतीय जहाज है जो हमारे बंदरगाह पर माल के साथ पहुंचा है। यह माल माल भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सड़क मार्ग से पहुंचाए जाने के लिए है।'' जहाज पर 16,380 टन लोहे के पाइप और 8.5 टन 'प्रीफोम' थे। इसकी अगवानी ढाका में भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों ने की। इससे पहले, पिछले महीने चटगांव बंदरगाह पर भारतीय सामान से लदा जहां पहुंचा था। जिसे बाद में भारत के त्रिपुरा और असम पहुंचाया गया।

बांग्लादेश के अधिकारियों ने कहा कि सीमा शुल्क अधिकारियों और देश की सुरक्षा एजेंसियों को भारतीय सीमा तक कंटेनरों को सुरक्षित पहुंचाने का जिम्मा सौंपा गया था। दोनों देशों ने 2015 में एक प्रारंभिक 'ट्रांसशिपमेंट' समझौता किया था।

जिसके बाद 2018 में एक विस्तृत समझौता हुआ और बांग्लादेश और भारतीय अधिकारियों ने बाद में इसके क्रियान्वयन के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की।

ऋषि सुनक की जीत के लिए ब्रिटेन में हो रही हवन

नई दिल्ली। ऋषि सुनक पिछले काफी समय से दुनियाभर में चर्चा में बने हुए हैं। वे ब्रिटिश प्रधानमंत्री की दौड़ में बने हुए हैं। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अब तक के चरणों में सुनक की प्रतिद्वंद्वी विदेश मंत्री लिज ट्रस आगे चल रही हैं। अब तक हुए दो जनमत सर्वेक्षणों में ट्रस ने सुनक पर बढ़त बना ली है। इसके बावजूद भी ऋषि के समर्थक और भारतवंशियों को सुनक पर पूरा भरोसा है। उनकी जीत के लिए ब्रिटेन में मौजूद भारतवंशी हवन कर रहे हैं। दरअसल, ऋषि सुनक के लिए वहां हवन कर रहे उनके समर्थक कहते हैं कि वे एक सक्षम प्रत्याशी हैं, इसलिए उनकी जीत की कामना कर रहे हैं। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय प्रवासियों ने उनकी जीत के लिए हवन का आयोजन किया। एक ब्रिटिश भारतीय ने कहा कि हम उनके लिए प्रार्थना इसलिए नहीं कर रहे हैं क्योंकि वो एक भारतीय है।

भारतीय विद्यार्थियों का पहला बैच बहुत जल्द आएगा : चीन

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को कहा कि उसने स्वदेश वापसी के बाद कोविड-19 से जुड़ी वीजा पाबंदियों के कारण घर में फंसे भारतीय विद्यार्थियों की वापसी की प्रक्रिया शुरू की है और इनका पहला बैच बहुत जल्द आ सकता है। इससे चीन स्थित कॉलेजों में पढ़ाई दोबारा शुरू करने की प्रतीक्षा कर रहे हजारों विद्यार्थियों में उम्मीद जगी है। यहां संवाददाताओं से बातचीत के दौरान चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन से चीनी राजनयिकों की उन सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में पूछा गया, जिसमें विदेशी विद्यार्थियों के लिए नयी वीजा नीति लाने की बात कही गई है।

इस सवाल पर वांग वेनबिन ने कहा, हम चीन में विदेशी विद्यार्थियों

की वापसी की दिशा में गहनता से काम कर रहे हैं और भारतीय छात्रों की वापसी के लिए यह प्रक्रिया शुरू हो गई है।

चीन द्वारा पढ़ाई के लिए तुरंत लौटने के इच्छुक विद्यार्थियों के नाम मांगे जाने के बाद भारत ने कई सौ विद्यार्थियों की सूची प्रस्तुत की है। वांग ने उम्मीद जताई कि बहुत जल्द भारतीय विद्यार्थियों के पहले बैच की वापसी होगी। यह पूछे जाने पर कि चीन वापस आने के इच्छुक भारतीय विद्यार्थियों के बारे में यहां भारतीय दूतावास द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची की प्रक्रिया किस चरण में है, उन्होंने कहा कि संबंधित जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी। चीन में पढ़ाई कर रहे 23,000 विद्यार्थी, जिसमें ज्यादातर चिकित्सा शिक्षा की पढ़ाई कर रहे हैं, भारत वापस आने के बाद कोविड-19 से जुड़े वीजा प्रतिबंधों के कारण फंस गये और पढ़ाई के लिए चीन नहीं लौट सके। हाल के हफ्तों में श्रीलंका, पाकिस्तान, रूस और कई अन्य देशों के कुछ विद्यार्थी चार्टर्ड विमानों से चीन पहुंचे। चीन भी विभिन्न देशों से उड़ानों की अनुमति दे रहा है, लेकिन अभी तक भारत-चीन के बीच उड़ान सेवा शुरू नहीं की गई है।

वेस्ट बैंक में इजरायली जवानों के साथ संघर्ष में तीन फिलिस्तीनी मारे गए

रामल्लाह/येरुशलम। नबलस के उत्तरी वेस्ट बैंक शहर में मंगलवार तड़के इजरायली जवानों के साथ संघर्ष में तीन फलस्तीनी मारे गए और 40 अन्य घायल हो गए। फिलिस्तीनी चिकित्सकों और प्रत्यक्षदर्शियों ने दी। फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसायटी (पीआरसीएस) ने कहा कि दस घायलों की स्थिति गंभीर है और उन्हें नबलस अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि फिलिस्तीनी बंदूकधारियों और इजरायली विशेष बलों के बीच झड़प इजरायल पर हमले करने वाले संदिग्धों के शामिल होने को लेकर वांछितों की तलाश में नबलस के पुराने शहर पर हमला करने से हुई। इजरायली पुलिस ने एक बयान में कहा कि इजरायली बलों ने इब्राहिम अल नबुलसी के घर को घेर लिया। इजरायल को इस साल वेस्ट बैंक के पुराने शहर पर हमले एक श्रृंखला को अंजाम देने पर उसकी तलाश थी। इजरायली सेना ने अपने एक अलग बयान कहा कि जवानों ने अल नबलुसी के घर के अंदर बैठे आतंकवादियों पर गोलियां चलाई। जिससे अल नबलुसी सहित तीन फलीस्तीनी बूंदकधारी मारे गए।

एक लाख टन नाजी रासायनिक हथियारों के बाल्टिक सागर के तल में पड़े होने की आशंका

वारसॉ। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजी जर्मनी के 1,00,000 टन रासायनिक हथियार अपरिहार्य जंग के कारण बाल्टिक सागर के तल में पड़े होने की आशंका जतायी गयी है जिससे कभी भी पर्यावरणीय आपदा का खतरा उत्पन्न हो सकता है। पोलिश समाचार पत्र गजेटा वायबोर्जा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अखबार ने कहा कि बाल्टिक समुद्र तल पर ढेर की गई खनिजों, बैरल और बमों की सही मात्रा का अनुमान लगाना मुश्किल है। फिर भी रासायनिक हथियारों का वजन 40,000 से 100,000 टन के बीच हो सकता है। गजेटा वायबोर्जा के अनुसार विचाराधीन रासायनिक हथियार मुख्य रूप से सरसों गैस के बैरल और विमानन बम और रासायनिक युद्ध एजेंटों, मुख्य रूप से सरसों और आर्सेनिक युक्त खदानें हैं। समाचार पत्र ने पोलिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा किए गए एक अध्ययन के हवाले से कहा है कि एक सरसों गैस बम 70 मीटर (230 फीट) तक के दायरे में पानी को प्रदूषित कर सकता है, जिससे वनस्पतियों और जीवों की मौत हो सकती है।

जापानी फैशन डिजाइनर इस्से मियाके का निधन

टोक्यो। जापान के मशहूर फैशन डिजाइनर इस्से मियाके का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मियाके की कंपनी ने उनके निधन की जानकारी दी। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार मियाके ने एक वैश्विक फैशन ब्रांड तैयार किया और 50 से ज्यादा वर्षों के अपने करियर में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का एक साथ प्रयोग किया। मियाके का जन्म 1938 में हिरोशिमा में हुआ था और जब अमेरिका ने इस शहर में परमाणु बम गिराया था , तब वह सात वर्ष के थे। वर्ष 1960 में वह पेरिस गये , जहां उन्होंने मशहूर डिजाइनरों के साथ काम किया और वापस जापान आकर 1970 में उन्होंने मियाके डिजाइन स्टूडियो खोला।

श्रीलंका ने बिजली की कीमतों में की 75 फीसदी की वृद्धि

कोलंबो। श्रीलंका के बिजली क्षेत्र के नियामक ने मंगलवार को बिजली की कीमतों में 75 प्रतिशत की वृद्धि के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। श्रीलंका के सार्वजनिक उपयोगिता आयोग (पीयूसीएसएल) के अध्यक्ष जनक रत्नायके ने कहा कि मूल्य संशोधन 10 अगस्त से प्रभावी होगा। कीमतों में बढ़ोतरी से 30 यूनिट प्रति माह तक का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के बिल में अब 198 रुपये का इजाफा होगा। करीब 60 यूनिट तक बिजली का उपयोग करने वालों का औसत मासिक बिजली बिल 200 रुपये बढ़ जाएगा। सीलोन बिजली बोर्ड ने पहले 90 से अधिक यूनिट का उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के लिए 276 प्रतिशत की वृद्धि की मांग की थी। पीयूसीएसएल ने उस मूल्य वर्ग के लिए 125 प्रतिशत बढ़ोतरी को मंजूरी दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलिमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है - प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्ते

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा